■ सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बार काउंसिल चुनाव में 30 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए करें आरक्षित -7

■ मुनाफा वसूली से सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का, निफ्टी भी 26000 के नीचे-10

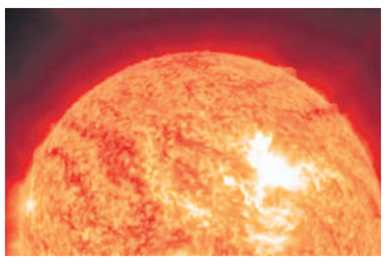

■ सौर विकिरण ने इस वर्ष दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ा, सौर ज्वालाओं ने भी रचा इतिहास-11

■ टी-20 सीरीज आज से शुरू होगी, जीत के साथ आगाज करने उतरेगी भारतीय टीम-12

आज का मौसम
21.1° अधिकतम तापमान
07.4° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.52 | सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष पंचमी 02:29 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 9 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 15, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

हिमालयी क्षेत्र से आ रही सर्द हवा ने बढ़ाई ठिठुरन

लखनऊ। हिमालयी क्षेत्र से आ रही बर्फीली हवा के कारण उत्तर प्रदेश में पारा और गिर गया है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान तो सामान्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग के अनुसार अब हवा की रफ्तार भी धीमी रहेगा। सोमवार को लखनऊ, कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में सोमवार से सर्दी का असर बढ़ गया। पहाड़ों पर बर्फबारी कराने वाले पश्चिमी विक्षोभ के आने का प्रभाव दिखने लगा है। इस बीच अनुमान है कि यूपी के कई जिलों, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, मुज्जफरनगर, सहारनपुर में घना कोहरा पड़ सकता है।

यूट्यूब के नील मोहन को टाइम ने वर्ष 2025 का सीईओ चुना

न्यूयॉर्क। यूट्यूब के भारतीय मूल के सीईओ नील मोहन को 'टाइम' पत्रिका ने 'वर्ष 2025 का सीईओ' चुना है। पत्रिका ने लिखा कि कई मायनों में यूट्यूब वह सांस्कृतिक पोषण बना रहा है, जिस पर दुनिया निर्भर होने लगी है। टाइम ने मोहन की तारीफ में कहा कि दुनिया में ध्यान बंटाने वाली सबसे शक्तिशाली मशीन' के पायलट आश्चर्यजनक रूप से शांत हैं। भारतीय मूल के मोहन 2023 से ही यूट्यूब के सीईओ हैं। उन्होंने सुसेन वोज्सिकी का स्थान लिया था। इंडियाना के लैफायेट में जन्मे मोहन ने अधिकांश बचपन अमेरिका में बिताया। वह 12 साल की उम्र में अपने माता-पिता के साथ लखनऊ चले गए थे।

जापान के उत्तरी तट पर 7.6 तीव्रता के भूकंप के बाद सुनामी

तोक्यो। उत्तरी जापान में सोमवार को 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे क्षेत्र के तटीय इलाकों में 40 सेंटीमीटर तक की सुनामी आई। जापान की मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। भूकंप के सबसे तेज झटके जापान के मुख्य होंशू द्वीप के सबसे उत्तरी प्रान्त आओमोरी के ठीक पूर्व और होक्काइडो द्वीप के दक्षिण में महसूस किये गए। एजेंसी के अनुसार होक्काइडो प्रान्त के उराकावा शहर और आओमोरी प्रान्त के मुत्सु ओगावारा बंदरगाह पर 40 सेंटीमीटर की सुनामी आई। प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने कहा कि सरकार ने नुकसान का आकलन करने के लिए एक आपातकालीन कार्यबल का गठन किया है।

जिन्ना के सामने झुकी कांग्रेस, किए वंदेमातरम् के टुकड़े

राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लोकसभा में चर्चा, मोदी ने कहा- इसी गीत ने देश को खड़ा किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदेमातरम् के टुकड़े कर दिए गए और एक दिन पार्टी को भारत के बंटवारे के लिए भी झुकना पड़ा। सदन में राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा की शुरुआत करते हुए मोदी ने 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्रीय गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था।

उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जब आजादी को कुचलने की कोशिश हुई, संविधान की पीठ पर छुरा घोंप दिया गया और देश पर आपातकाल थोप दिया गया, तब इसी वंदेमातरम् ने देश को खड़ा किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 1875 में लिखित वंदेमातरम् जब देश की ऊर्जा और प्रेरणा का मंत्र बन रहा था और स्वतंत्रता संग्राम का नारा बन गया था, तब मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति और मोहम्मद अली जिन्ना के दबाव में कांग्रेस झुक गई। तब कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। तब नेहरू ने मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों पर करारा जवाब देने के बजाय वंदेमातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।

मोदी ने कहा कि अंग्रेज समझ चुके थे कि 1857 के बाद भारत में लंबे समय तक टिक पाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। वे सपने लेकर तो आए थे, लेकिन उन्हें यह साफ दिखने लगा कि जब तक भारत को बांटा नहीं जाएगा, लोगों को आपस में लड़ाया नहीं जाएगा, तब तक यहां राज करना कठिन है। तब अंग्रेज़ों ने बांटो और राज करो का रास्ता चुना, और उन्होंने बंगाल को इसकी प्रयोगशाला बनाया। मोदी ने कहा कि जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था, उस वंदे मातरम् का पुण्य स्मरण करना इस सदन में हम सबका बहुत बड़ा सौभाग्य है।

" वंदेमातरम्, सिर्फ राजनीतिक लड़ाई का मंत्र नहीं था। अंग्रेज जाएं और हम अपनी राह पर खड़े हो जाएं, वंदेमातरम् सिर्फ यहां तक सीमित नहीं था। यह आजादी की लड़ाई थी, इस मातृभूमि को मुक्त कराने की जंग थी। मां भारती को उन बेड़ियों से मुक्त कराने की एक पवित्र जंग थी।

– **नरेंद्र मोदी**, प्रधानमंत्री

जब वंदेमातरम् का उत्तम पर्व होना था, तब संविधान का गला घोंटा गया

मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् की 150 वर्ष की यात्रा अनेक पड़ावों से गुजरी है, लेकिन जब वंदेमातरम् के 50 वर्ष हुए थे, तब देश गुलामी में जीने के लिए मजबूर था। जब वंदेमातरम् के 100 वर्ष हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और जब वंदेमातरम् का अत्यंत उत्तम पर्व होना चाहिए था, तब भारत के संविधान का गला घोंट दिया गया था। मोदी ने सदन में उपस्थित सदस्यों से कहा कि हम लोगों पर तो कर्ज है वंदे मातरम का। उसी ने संसद में पहुंचाने का रास्ता बनाया। अब हम आत्मनिर्भर भारत का सपना लेकर चल रहे हैं और वंदेमातरम् हमारी प्रेरणा है। स्वदेशी आंदोलन की भावना आज भी मौजूद है और वंदेमातरम हमें जोड़ता है। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले महापुरुषों का सपना स्वतंत्र भारत का था और आज की पीढ़ी का सपना समृद्ध भारत का है। मोदी ने कहा कि वंदेमातरम् गीत ऐसे समय लिखा गया था, जब 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के बाद अंग्रेज सल्तनत बौखलाई हुई थी। उन्होंने कहा, हमारा सपना है कि 2047 में देश विकसित भारत बनकर रहे। अगर आजादी के 50 साल पहले कोई देश की आजादी का सपना देख सकता था तो 25 साल पहले हम भी समृद्ध, विकसित भारत का सपना देख सकते हैं।

नेहरू ने लिखा था - मुस्लिम भड़केंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्ना के विरोध के पांच दिन बाद ही तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा और उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए कहा वंदेमातरम् की आनंद मठ की पृष्ठभूमि मुसलमानों को क्षुब्ध कर सकती है। इसके बाद कांग्रेस ने वंदेमातरम् के उपयोग की समीक्षा की घोषणा की जिससे पूरा देश हैरान था। मोदी ने कहा कि देशभक्तों ने इस प्रस्ताव के विरोध में देश के कोने कोने में प्रभात फेरियां निकालीं, वंदेमातरम् गीत गाया। लेकिन देश का दुर्भाग्य कि 26 अक्टूबर 1937 को कांग्रेस ने वंदेमातरम् पर समझौता कर लिया। इतिहास इस बात का गवाह है कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए और मुस्लिम लीग के दबाव में यह किया। प्रधानमंत्री के मुताबिक, नेहरू ने पत्र में लिखा कि मैंने वंदेमातरम् गीत की पृष्ठभूमि पढ़ी है। मुझे लगता है कि जो पृष्ठभूमि है, इससे मुस्लिम भड़केंगे।

एक ही बार में हो जाएं सारी बातें : प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने दावा किया कि ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने एवं कुछ महीने बाद होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के चलते राष्ट्रीय गीत पर सदन में चर्चा कराई गई है। उन्होंने सदन में वंदेमातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि राष्ट्रीय गीत पर चर्चा की जरूरत नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह देश के कण-कण में बसा है तथा देश की भावना से जुड़ा है। प्रियंका ने कहा कि सत्तापक्ष को पंडित जवाहरलाल नेहरू पर बार-बार आरोप लगाने के बजाय इस पर संसद में चर्चा करा लेनी चाहिए ताकि एक ही बार सारी बातें हो जाएं और यह पूरा अध्याय हमेशा के लिए खत्म हो तथा बेरोजगारी, महंगाई और दूसरी चुनौतियों पर चर्चा हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के हर अधिवेशन में सामूहिक रूप से वंदेमातरम् गाया जाता है, लेकिन भाजपा को बताना चाहिए कि उसके अधिवेशन में यह होता है या नहीं।

वाहनों से बाघ की घेराबंदी, नोटिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- रेंजर समेत अन्य को नोटिस, चार सफारी वाहनों के चालक-गाइड चिन्हित, एक दिन पूर्व का मामला

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व के पर्यटन सत्र के दौरान नियमों की अनदेखी का मामला सामने आया है। दरअसल बीते रविवार को बराही रेंज के साइफन पुल पर चहलकदमी कर रहे एक बाघ को दिखाने के चक्कर में चालक व नेचर गाइडों ने नियमों को तांक पर रख दोनों ओर सफारी वाहन खड़े कर दिए। इतना ही नहीं, सैलानियों के साथ चालकों और गाइडों ने सफारी वाहन से उतरकर जमकर फोटोग्राफी की। पुल के दोनों तरफ सफारी वाहनों के घिरने से बाघ असहज भी हो उठा। गनीमत यह रही कि कोई हादसा नहीं हुआ।

इधर इस बड़ी लापरवाही से जुड़ा वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया। डिप्टी डायरेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उप प्रभागीय वनाधिकारी माला को जांच करने के निर्देश दिए हैं। वहीं लापरवाही पर बराही रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी, फारेस्टर, वाचर एवं संबंधित चालकों व गाइडों को नोटिस जारी किया गया है।

साइफल पुल पर बाघ को घेरकर फोटो खींचते सैलानी।

नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग कल से

लखनऊ, अमृत विचार : यूपी नीट पीजी की दूसरी काउंसिलिंग 10 दिसंबर से शुरू होगी। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक डॉ. अपर्णा यू ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद 15 दिसंबर को मेरिट सूची जारी की जाएगी। 15 दिसंबर से ही अभ्यर्थियों को मेरिट क्रम के अनुसार 19 दिसंबर तक रिक्त सीटों को ध्यान में रखकर प्राथमिकताएं भरनी होंगी। इसके बाद 20 दिसंबर को सीट आवंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आवंटित सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया 22 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी।

वोटर लिस्ट में नहीं चाहिए घुसपैठिया लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/मुरादाबाद

- मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद, मेरठ और आगरा मंडल में एसआईआर को लेकर कसे पेच
- भाजपा नेताओं को फर्जी नाम हटवाने और सही जुड़वाने का सौंपा मिशन

अमृत विचारः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को मुरादाबाद, मेरठ और आगरा मंडल में एसआईआर को लेकर संगठन के पेच कसे। उन्होंने जिलों से आए जनप्रतिनिधियों से लेकर पदाधिकारियों को एक सूत्री टास्क सौंपा कि घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची से हर हाल में बाहर होना चाहिए। एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फर्जी वोटरों के नाम हटवाने और सही वोटरों को जोड़ने का काम में पूरी शिद्दत से जुटें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सबसे पहले मुरादाबाद के सर्किट हाउस में मंडल के सभी जिलों से आए भाजपा मंत्रियों, जनप्रतिधियों और पदाधिकारियों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की सुस्त रफ्तार को लेकर समीक्षा की। बैठक में अफसरों को शामिल होने की इजाजत नहीं थी। इस दौरान मंडल के जिला प्रभारियों और जिलाध्यक्षों ने विकास की योजनाओं और एसआईआर की प्रगति के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि एसआईआर में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। घुसपैठिया फर्जी वोटरों पर विशेष फोकस रखें। फर्जी वोटरों के नाम हटवाने और सही वोटरों को जोड़ने का काम समय पर करें। बांग्लादेशी घुसपैठिये किसी कीमत पर वोटर नहीं बनने चाहिए। पार्टी के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी लापरवाही न बरतें। मतदाता सूची 2003 के अनुसार मृत और फर्जी वोटरों के नाम कटवाएं। इसके लिए पार्टी के पदाधिकारियों को कार्यकर्ताओं के साथ टोली बनाकर घर-घर जनसंपर्क करना होगा। इसके साथ ही केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी लें।

शादी में कम, जनता में ज्यादा जाएं : मुख्यमंत्री

गाजियाबाद में नेहरू नगर के सरस्वती शिशु मंदिर में मुख्यमंत्री ने मेरठ मंडल के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहां कार्य अटका हो, उसे तत्काल शासन को बताएं। जनप्रतिनिधि शादी-ब्याह में कम जाएं और जनता के बीच अधिक समय दें। गाजियाबाद की कुछ विधानसभाओं में एसआईआर की धीमी प्रगति देखकर मुख्यमंत्री ने असंतोष भी जताया और तत्काल सुधार के निर्देश दिए। आगरा के आयुक्त सभागार में आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों के साथ करीब दो घंटे हुई बैठक में मुख्य फोकस एसआईआर ही रहा।

वार मेमोरियल में बिछा रह गया रेड कार्पेट

मुरादाबाद नगर निगम ने मुख्यमंत्री को निर्माणाधीन वार मेमोरियल दिखाने की व्यापक तैयारी की थी। पूरा क्षेत्र सजाया गया, रेड कार्पेट तक बिछाया गया, लेकिन तय कार्यक्रम में बदलाव के कारण सीएम वहां नहीं पहुंचे। सारे इंतजाम धरे के धरे रह गए।

सपा पार्षद सहित पांच से 1.28 करोड़ की वसूली की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- तौकीर के रिश्तेदार ओमान रजा खान समेत सभी पांचों के प्रतिष्ठानों पर पकड़ी थी बिजली चोरी
- मुख्य अभियंता विद्युत वितरण के पत्र पर एडीएम फाइनेंस को वसूली शुरू करने के दिए निर्देश

अमृत विचार : बरेली में हुए बवाल के मुख्य आरोपी आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के सुर्खा बानखाना निवासी करीबी रिश्तेदारों से बिजली चोरी के आरोप में डाले गए जुर्माना की 1.28 करोड़ रुपये की धनराशि की वसूली की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। डीएम अविनाश सिंह ने एडीएम फाइनेंस को तत्काल वसूली कराने के निर्देश दिए हैं। बिजली चोरी के प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के साथ ही वसूली प्रमाणपत्र जारी हो चुका है। अब धनराशि जमा नहीं की तो चल-अचल संपत्ति कुर्क की जा सकती है।

डीएम ने मुख्य अभियंता (विद्युत वितरण) ज्ञान प्रकाश के पत्र पर वसूली की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य अभियंता (विद्युत वितरण) ने 4 दिसंबर को डीएम को पत्र भेज कर कहा था कि सुर्खा बानखाना निवासी वसीम खान पुत्र हाजी मुल्ला लियाकत, मोनिश खान पुत्र हसन मियां, बरकत रजा खान पुत्र बाबू खान, सपा पार्षद ओमन रजा खान पुत्र मोहम्मद नदीम और गद्दीवाला चक महमूद निवासी गुलाम नवी के विरुद्ध बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पोल से कटिया डालकर अवैध रूप से ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन का संचालन करते पकड़े गए थे।

इन आरोपियों में वसीम खान पर 1539046 रुपये, मोनीश खान पर 2229709 रुपये, बरकत रजा खान पर 3732339 रुपये, ओमान रजा खान पर 2692628 रुपये और गुलाम नवी पर 2657065 रुपये राजस्व निर्धारण किया गया था। विद्युत चोरी कर रहे व्यक्तियों ने अभी तक राजस्व निर्धारण धनराशि जमा नहीं की है। आरोपियों के विरुद्ध धारा-5 के अंतर्गत नोटिस (आरसी) भी जारी की जा चुकी है। मुख्य अभियंता (वितरण) ने डीएम से प्रकरण में आरोपियों से वसूली कराने के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित करने की मांग की थी।

प्रवासी पक्षियों से गुलजार रामसर साइट्स

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सर्दियों का आगमन होते ही उत्तर प्रदेश की सभी 10 रामसर साइट्स प्रवासी पक्षियों की चहचहाहट से गूंज उठी हैं। हजारों किलोमीटर दूर से आने वाले इन दुर्लभ मेहमानों ने वेटलैंड्स को फिर से जीवन से भर दिया है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को बताया कि उप्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक स्तर पर उभारने के लिए तेजी से काम कर रहा है। आगरा और हैदरपुर की दो बड़ी ईको-टूरिज्म परियोजनाएं सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी हैं, जबकि अन्य स्थलों पर सुविधाओं का विस्तार जारी है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि आगरा स्थित सूर सरोवर बर्ड सेंक्चुरी में 167.85 लाख रुपये की लागत से पार्किंग, नेचर ट्रेल, वॉच टावर, सोविनियर शॉप जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। मुजफ्फरनगर की हैदरपुर वेटलैंड में 165.71 लाख रुपये से प्रवेश द्वार, नेचर कैंप, वॉच टावर, कैंटीन और अन्य सुविधाओं का विस्तार कर इसे विश्व-स्तरीय आकर्षण प्रदान किया गया है।

- उप्र ईको टूरिज्म विकास बोर्ड रामसर साइट्स पर विकसित कर रहा पर्यटक सुविधाएं

इंडिगो संकट | डीजीसीए के कारण बताओ नोटिस का जवाब देते हुए इंडिगो ने मांगी माफी, परिचालन को सामान्य बनाने के लिए और उड़ानों को जोड़ने की घोषणा की

562 उड़ानें फिर रद्द, इंडिगो के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी सरकार

नई दिल्ली/ मुंबई, एजेंसी

देशभर में उड़ानों के संचालन पर पैदा हुए गतिरोध के बीच इंडिगो ने सोमवार को भी छह प्रमुख हवाई अड्डों पर 562 उड़ानें रद्द कर दीं, जिनमें से 150 उड़ानें अकेले बेंगलुरु हवाई अड्डे पर रद्द की गईं।

यह संख्या नागर विमानन मंत्रालय द्वारा दिए गए अनुमानों से अधिक है, जिसने सोमवार को 500 उड़ानें रद्द करने के अलावा 1,802 उड़ानों के संचालन की योजना की जानकारी दी थी। इंडिगो ने सोमवार को रद्द की गई उड़ानों की संख्या अपनी तरफ से सार्वजनिक नहीं की। डीजीसीए के कारण बताओ नोटिस का जवाब देते हुए इंडिगो ने यात्रियों को हुई असुविधा एवं परेशानी पर क्षमा याचना की है। एयरलाइन ने अपनी उड़ानों के रद्द होने के बाद अपने परिचालन को सामान्य बनाने के लिए और उड़ानों को जोड़ने की घोषणा की।

राज्यसभा में सोमवार को नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार ने इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने के संबंध में जांच शुरू कर दी है और एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि अन्य एयरलाइनों के लिए मिसाल पेश की जा सके। उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान नायडू ने इंडिगो एयरलाइन को उसके रोजमर्रा के संचालन के दौरान चालक दल एवं ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल करार दिया। उन्होंने कहा कि हम इस स्थिति को हल्के में नहीं ले रहे हैं। हम एक जांच कर रहे हैं। नायडू ने एक टीवी चैनल से बातचीत में यह भी कहा कि सरकार इंडिगो के शीतकालीन उड़ान कार्यक्रम में कटौती करेगी और उन्हें अन्य संचालकों को आवंटित करेगी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद तैयार किए गए उड़ान ड्यूटी समयसीमा (एफडीटीएल) संबंधी नए मानकों की विस्तार से जानकारी देते हुए नायडू ने कहा कि कुल 22 एफडीटीएल दिशानिर्देश थे, जिनमें से 15 को एक जुलाई 2025 से और शेष सात को एक नवंबर 2025 से लागू किया गया। नायडू ने कहा कि सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया था कि सभी एयरलाइंस को सुरक्षा से समझौता किए बिना नियमों का पालन करना होगा। इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान की जांच कर रहे नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा नियुक्त समिति एयरलाइन के सीईओ पीटर एल्बर्स और मुख्य परिचालन अधिकारी इसिड्रो पोर्केरास को बुधवार को तलब कर सकती है।

- सरकार ने कहा कि जांच शुरू कर दी है सख्त कार्रवाई होगी ताकि अन्य के लिए मिसाल पेश की जा सके

सुप्रीम कोर्ट ने कहा -इंडिगो संकट गंभीर मुद्दा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उड़ानों के रद्द होने के कारण उत्पन्न अव्यवस्था को गंभीर मामला बताया, लेकिन हस्तक्षेप करने से इनकार किया। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि लाखों लोग हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं, हालांकि शीर्ष अदालत ने इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप की मांग करने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि केंद्र ने इस मामले को सुलझाने के लिए कदम उठाए हैं। वहीं, दिल्ली उच्च न्यायालय में एक अलग याचिका का उल्लेख किया गया, जिसमें प्रभावित यात्रियों को सहायता और धन वापसी प्रदान करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने मामले की सुनवाई 10 दिसंबर के लिए सूचीबद्ध कर दी।

संविदा चालकों-परिचालकों का जनवरी 2026 से बढ़ेगा मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● लागू होंगी नई प्रोत्साहन योजनाएं

अमृत विचार : प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने संविदा चालकों और परिचालकों के लिए मानदेय बढ़ोतरी और कई नई प्रोत्साहन योजनाओं का बड़ा ऐलान किया है। नोएडा, एनसीआर व बॉर्डर क्षेत्रों में 10 पैसे प्रति किमी की बढ़ोत्तरी की गयी है। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी 2026 से परिवहन निगम संविदा कर्मचारियों को पुनरीक्षित दरों पर मानदेय का भुगतान शुरू करेगा।

उप्र.राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबन्ध निदेशक प्रभु नारायण सिंह ने बताया कि नोएडा क्षेत्र की नगरीय-ग्रामीण सेवाओं, एनसीआर (कौशांबी, साहिबाबाद, लोनी) और गोरखपुर क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय सीमा से जुड़े सोनौली, सिद्धार्थनगर व महाराजगंज डिपो में तैनात संविदा चालक–परिचालक को अब 2.18 रुपये से बढ़ाकर 2.28 रुपये प्रति किमी मानदेय मिलेगा। यानी 10 पैसे प्रति किमी की वृद्धि लागू होगी। इसके अलावा अन्य सभी क्षेत्रों में कार्यरत संविदा चालक-परिचालकों को 14 पैसे प्रति किमी मानदेय वृद्धि दी जाएगी।

प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि एक वित्तीय वर्ष में 288 दिनों की ड्यूटी और 66000 व 78000 किमी की यात्रा पूरी करनी होगी। ऐसे चालकों को पारिश्रमिक 14,687 और प्रोत्साहन 4,000 कुल 18,687 रूपए देय होगा, इसी प्रकार परिचालकों को पारिश्रमिक 14,418 और प्रोत्साहन 4,000 रुपये कुल 18,418 रुपये मिलेंगे। उक्त योजना में चयन के बाद 22 दिन ड्यूटी और 5,000 किमी संचालन प्रति माह मिलेगा।

मखाना की खेती में बिहार के मुकाबले उतरेगा यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● प्रदेश सरकार ने लखनऊ में की मखाना विकास योजना की शुरुआत की घोषणा
● कार्ययोजना के लिए केंद्र सरकार ने 158 लाख रुपये जारी किए
● कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, बलिया, महाराजगंज, वाराणसी, बस्ती मखाना की खेती के लिए सर्वोत्तम बताए गए

जानकारी देते उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश मखाना की खेती में बिहार के मुकाबले उतरने को कमर कसने जा रहा है। राज्य सरकार ने मखाना विकास योजना की शुरुआत दी है। हालांकि वर्तमान में भारत में सर्वाधिक मखाना बिहार राज्य में पैदा होता है, जो देश के कुल उत्पादन का 80-90 प्रतिशत हिस्सा है।

दरअसल, भारत सरकार ने वर्ष 2025 में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का गठन किया और प्रथम चरण में 10 राज्यों में योजना लागू की, जिसमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। इसी कड़ी में वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना को केंद्र सरकार ने स्वीकृति दी है और 158 लाख रुपये भी जारी किए हैं।

चूंकि मखाना एक सुपरफूड है, जिसकी बाजार में उच्च मांग है। यह ध्यान में रखते हुए विशेषज्ञों ने उत्तर प्रदेश की जलवायु को मखाना उत्पाद के लिए उपयुक्त पाया है। पूर्वांचल के कुशीनगर, सिद्धार्थनगर, गाजीपुर, बलिया, महाराजगंज, वाराणसी, बस्ती जिले मखाना की खेती के लिए सर्वोत्तम बताए गए हैं।

इन जिलों को मखाना उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल इसलिए भी माना गया, क्योंकि जहां सिंघाड़े की खेती संभव है, वहां मखाना उत्पादन भी अत्यंत सफल रहेगा। अगले वित्तीय वर्ष से विभाग मखाना की खेती के क्षेत्र का विस्तार, गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री का उत्पादन और प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन गतिविधियों को और व्यापक स्तर पर शुरू करने जा रहा है।

राज्य सरकार की मंशा है कि मखाना विकास योजना उत्तर प्रदेश के किसानों को उच्च मूल्य वाली फसलों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने का महत्वपूर्ण माध्यम बने।

बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मखाना

उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि केन्द्र से मिली धनराशि से मखाना खेती के लिए तालाबों का चयन व निर्माण, किसानों की ट्रेनिंग प्रोग्राम, बायर-सेलर मीट, प्रचार-प्रसार, एक्सपोटर्स की अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी में भागीदारी और सेमिनार जैसे कार्यक्रम कराए जाने हैं। साथ ही सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर मखाना की स्थापना की दिशा में भी कदम बढ़ा दिए गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

बिपिन रावत ऑडिटोरियम का उद्घाटन आज

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को गोरखपुर के सैनिक स्कूल में देश के पहले सीडीएस स्व. जनरल बिपिन रावत की स्मृति में बने आधुनिक ऑडिटोरियम का उद्घाटन करेंगे। 1000 से अधिक सीटों वाले इस ऑडिटोरियम का निर्माण राज्य सरकार ने सैनिक स्कूल प्रोजेक्ट के तहत कराया है। कार्यक्रम में जनरल रावत की प्रतिमा का अनावरण तथा उनके जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी होगा। इस आयोजन में असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लाखेड़ा, पूर्व एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया और रावत परिवार के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। दोपहर बाद मुख्यमंत्री नरकटहा, पिपरौली में पावरग्रिड के सीएसआर फंड से 16 करोड़ रुपये से बने राजकीय आईटीआई का लोकार्पण करेंगे।

एमपी शिक्षा परिषद का मुख्य महोत्सव कल

अमृत विचार, लखनऊ : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 93वें संस्थापक सप्ताह का मुख्य महोत्सव बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे और मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर शिक्षा परिषद की संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और मेधावी विद्यार्थियों को ट्रॉफी, पदक व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इंटर, स्नातक और परास्नातक के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में स्वर्गीय प्रो. यूपी सिंह पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी होगा। परिषद की स्थापना 1932 में महंत दिग्विजयनाथ ने की थी। 4 दिसंबर को शुरू हुए संस्थापक सप्ताह का समापन 10 दिसंबर को उत्कृष्ट प्रतिभाओं के सम्मान के साथ होगा।

दक्षिण भारतीय प्रतिनिधियों ने की यूपी की प्रशंसा

अमृत विचार, लखनऊ : काशी तमिल संगमम-4 में पहुंचे दक्षिण भारत के प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश की गुड गवर्नेंस, सुरक्षा व्यवस्था और तीव्र विकास कार्यों की खुलकर सराहना की। चेन्नई की मोनालीसा ने कहा कि योगी जैसा मुख्यमंत्री हमारे राज्य में होता तो हमारा शहर और अधिक विकसित होता। प्रतिनिधियों ने महिला सुरक्षा के इंतजाम को उत्कृष्ट बताया। पुडुचेरी के पृथ्वीराज ने कहा कि काशी का हेरिटेज संरक्षण और सौंदर्यीकरण अद्भुत है। तिलकवदी ने सड़क, यातायात और स्वच्छता में आए बड़े बदलावों को स्पष्ट और प्रभावशाली बताया। प्रतिभागियों ने योगी सरकार के कार्यों को 10 में 10 नंबर दिए।

एसआईटी करेगी कफ सिरप तस्करी की जांच

आईजी स्तर का अधिकारी होगा एसआईटी का प्रभारी, वित्तीय लेन-देन व गिरोह के नेटवर्क की जांच का जिम्मा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप व कोडीन युक्त सिरप तस्करी गिरोह के नेटवर्क व फर्जी दस्तावेजों पर बने मेडिकल फर्म की जांच एसआईटी करेगी। प्रदेश स्तरीय एसआईटी के गठन की तैयारी की जा रही है। जल्द ही एसआईटी के सदस्यों व प्रभारी की घोषणा कर दी जाएगी।

इसका प्रभारी आईजी स्तर का अधिकारी होगा। एसआईटी वर्तमान में चल रही जांचों की नियमित समीक्षा भी करेगी। साथ ही वित्तीय लेनदेन की जांच करेगी। इसमें दोषी पाए गये लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण व एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में दी।

प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने बताया कि एसआईटी सारे तथ्यों को जुटाएगी। हर बिन्दु पर जांच कर अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी। डीजीपी ने कहा कि सिरप को मेडिकल इस्तेमाल की जगह नशे में प्रयोग के लिए तस्करी करने में जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश है कि इसमें जीरो टालरेंस नीति अपनाई जाए।

सिरप प्रतिबन्धित नहीं, नशे के लिए किया गया प्रयोग : एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने कहा कि प्रदेश में 279 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। इसके बाद 28 जिलों में 128 एफआईआर की जा चुकी है। ये सारी एफआईआर कोडीन युक्त सिरप का नशे के तौर पर इस्तेमाल कराने के लिए की गई है। इसके अलावा फर्जी फर्म और मेडिकल फर्म का लाइसेंस निरस्त होने के बाद भी दवा कंपनियों द्वारा इन्हें सप्लाई करने के मामले में भी कार्रवाई की गई है। फेंसेडिल, न्यू फेंसेडिल अथवा अन्य सिरप पर किसी तरह का प्रतिबन्ध नहीं लगाया गया है। छोटे दुकानदारों को परेशान न करने के निर्देश टीम को दिए जा चुके हैं।

लखनऊ : लोक भवन में कार्रवाई को लेकर जानकारी देते प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण व एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब। ● अमृत विचार

अब तक 31 गिरफ्तार, 3 लाख से अधिक का माल बरामद

डीजीपी राजीव कृष्ण के मुताबिक इस मामले में पूरे प्रदेश में कुल 31 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। इसमें मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के पिता भी शामिल है। अब तक इस मामले में हेमंत पाल, ब्रजमोहन शिवहरे, रामगोपाल धाकड़, सौरभ त्यागी, शादाब, शिवकान्त उर्फ शिव, सन्तोष भडाना, अम्बुज कुमार, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, दीपू यादव, सुशील यादव, धर्मेन्द्र कुमार विश्वकर्मा, पवन गुप्ता, शैलेन्द्र आर्या, विभोर राणा, विशाल सिंह, बिट्टू कुमार, सचिन कुमार, अमित कुमार सिंह उर्फ अमित टाटा, आलोक प्रताप सिंह, रूपम राय, दिवाकर सिंह, अब्दुल कादिर, रहमान नूरी, नीरज कुमार दीक्षित, अली सरीम मेकरानी, मोहम्मद आफताब, भोला प्रसाद जायसवाल, विशाल जायसवाल, बादल आर्या एवं आजाद सिंह शामिल है। आरोपियों के पास से तीन लाख रुपये का माल बरामद किया गया है।

सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाह

डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि सोशल मीडिया पर इस प्रकरण को लेकर कई तरह की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। भ्रामक खबरें दिखाई जा रही हैं। किसी भी मेडिकल स्टोर के मालिक को सिर्फ इस सिरप की बिक्री को लेकर परेशान नहीं किया जा रहा है। अगर इसका इस्तेमाल नशे के तौर पर कराने के लिए इस सिरप की तस्करी की जा रही है तो वह अपराध की श्रेणी में आएगा। ऐसे ही लोगों पर कार्रवाई की जा रही है।

कफ सिरप मामले में जेल वार्डन निलंबित

● बर्खास्त सिपाही व तस्कर का है करीबी

लखनऊ, अमृत विचार : फेंसेडिल कफ सिरप मामले में डीजी जेल पीसी मीणा ने वार्डन महेंद्र प्रताप सिंह को निलंबित कर दिया है। उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं। महेंद्र के बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह और तस्कर अमित सिंह टाटा से करीबी रिश्ते थे। दोनों के साथ सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें भी वायरल हुई। वहीं जांच में सामने आया कि जेल वार्डन के खाते में आलोक व अमित ने कई बार कफ सिरप तस्करी के रुपये भी मंगाए थे। पुलिस के मुताबिक, जांच एजेंसियों ने जब कड़ियां जोड़नी शुरू की तो महेंद्र शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा और आलोक प्रताप सिंह का काफी करीबी निकला। आलोक और अमित लखनऊ जिला जेल में बंद है। वहीं पर महेंद्र प्रताप सिंह भी तैनात है। जेल में इन दोनों को सुविधा भी मुहैया कराने में महेंद्र ने पूरे प्रयास किये। जेल प्रशासन ने उसकी भूमिका और संभावित साठगांठ की जांच शुरू कर दी है। महेंद्र के निलंबन के बाद अब जेल में आलोक पर निगरानी और बढ़ा दी गई है।

विवादित वीडियो पोस्ट करने के आरोप में महिला डॉक्टर गिरफ्तार

मेरठ,एजेंसी

जिले की मवाना पुलिस ने छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद प्रकरण के संबंध में आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोप में एक महिला चिकित्सक को हिरासत में लिया है।

पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अयोध्या में छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सोशल मीडिया गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही थी। इसी दौरान बीएमएएस चिकित्सक डॉ. शीबा खान द्वारा अपलोड किया गया एक वीडियो सामने आया। ऐसा आरोप है कि इस विवादास्पद मामले के संबंध में यह वीडियो काटछांट कर अपलोड किया गया।

मवाना थाने की प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) पूनम जादौन ने सोमवार को बताया कि चिकित्सक ने बाबरी मस्जिद प्रकरण से जुड़ा एक आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट किया, जिसे माहौल बिगाड़ने की कोशिश माना गया। चिकित्सक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने रविवार को उसे अब्दुल्लापुर स्थित उसके क्लिनिक से हिरासत में ले लिया।

नशीले कफ सिरप की तस्करी में 425 करोड़ का वित्तीय लेन-देन

सोनभद्र : नशीले कफ सिरप मामले में सोनभद्र जिले की एसआईटी टीम ने जांच के दौरान दो वर्षों में 425 करोड़ का संदिग्ध वित्तीय लेन-देन करना पाया है जिसमें से 30 बैंक खातों व 60 लाख रुपये की धनराशि फ्रीज किया गया है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने सोमवार को बताया कि थाना रॉबर्ट्सगंज पर पंजीकृत नशीले कफ सिरप के अवैध कारोबार से संबंधित अभियोग की विवेचना एसआईटी द्वारा की जा रही है। एसआईटी ने जांच के दौरान पाया गया कि शैली ट्रेडर्स के खाते से पिछले दो वर्षों में लगभग 425 करोड़ रुपये का संदिग्ध वित्तीय लेनदेन किया गया है।

मास्टरमाइंड के प्रत्यर्पण की कार्रवाई शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● डीजीपी बोले- शुभम को भारत लाने की औपचारिकताएं की जा रही पूरीं

अमृत विचार: फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी कर करोड़ों रुपये डकारने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल दुबई भाग गया है। उसके प्रत्यर्पण की तैयारी पुलिस व एसटीएफ की टीम कर रही है। इसके लिए कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दुबई इस तरह के मामलों में पूरा सहयोग करता है। दुबई में छिपे शुभम के साथ उसके साथियों को भी कार्रवाई की जद में लाया जाएगा। यह जानकारी डीजीपी राजीव कृष्ण ने दी।

डीजीपी के मुताबिक, पिछले साल फरवरी में फेंसेडिल सिरप की बड़े पैमाने पर तस्करी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में पकड़ी गई थी। इसके बाद जांच हुई तो विभोर राणा और विशाल को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया। इन लोगों ने पूरे नेटवर्क का खुलासा किया, तब पहली बार वाराणसी निवासी शुभम जायसवाल का नाम सामने आया। जांच के दौरान ही अमित टाटा, फिर बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की गिरफ्तारी से पूरा खेल ही सामने आ गया।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि शुभम को भारत लाने की प्रक्रिया की जा रही है। कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। नेपाल और बांग्लादेश में सिरप की तस्करी की गई डीजीपी ने साफ किया कि कुछ फर्मों ने फर्जी ई-बिल के जरिए कई प्रदेशों में ही नहीं बल्कि नेपाल और बांग्लादेश तक इस सिरप की तस्करी की। इसके साक्ष्य भी मिल चुके हैं। इस तस्करी में लिप्त हर आरोपी को कार्रवाई के दायरे में लाया जाएगा। शैली ट्रेडर्स के जरिए सबसे ज्यादा सप्लाई की गई एफएसडीए की आयुक्त रोशन जैकब ने बताया कि शैली ट्रेडर्स ने सबसे ज्यादा इस सिरप की सप्लाई की। उन्होंने कहा कि औषधि निरीक्षकों ने हिमाचल प्रदेश की दो, उत्तराखंड की तीन कोडीनयुक्त कफ सिरप के निर्माता, पानीपत की एक और रांची की एक फर्म के क्रय-विक्रय का ब्योरा जुटाया। इसमें कई फर्मों ने फर्जी दस्तावेज और फर्जी ई-बिल से कोडीन युक्त सिरप की सप्लाई की। इन सभी को कार्रवाई के दायरे में लाया जा रहा है।

बीज प्रमाणीकरण न कराने वाले एफपीओ से होगी वसूली

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● कृषि मंत्री ने लापरवाह अधिकारियों को लगाई फटकार

अमृत विचार: राज्य सरकार की जानकारी में आया है कि 24 कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) ने अब तक 80,960 क्विंटल बीज का उत्पादन और उसका विक्रय उप्र. बीज विकास निगम को कर दिया है। लेकिन तमाम ऐसे भी हैं, जो आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन नहीं कर रहे हैं, और साथ ही उन्हें सख्त निर्देश भी दिए गए।

इसी कड़ी में 27 एफपीओ ऐसे भी सामने आए, जिनके द्वारा अभी तक बीज प्रमाणीकरण संस्था में अपना पंजीकरण नहीं कराया गया है। कृषि मंत्री ने इसका संज्ञान लेते हुए इन एफपीओ को चेतावनी दी कि पंजीकरण न कराने की स्थिति में सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की वसूली की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह भी पाया गया कि 32 एफपीओ के उत्पादित बीज अब तक उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा क्रय नहीं किए गए हैं, जिस पर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने संबंधित योजना अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि कृषि उत्पादक संगठनों को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने किए जाने वाले आवश्यक कार्यों के प्रति किसी भी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिकायत करने वालों से फीडबैक जरूर लें : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● जनता दर्शन में पुलिस, आवास, अवैध कब्जे की शिकायतों पर दिए कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन में पुलिस, आवास, अवैध कब्जे आदि शिकायतों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि शासन से लेकर जिले और तहसीलों के अधिकारी शिकायत करने वालों से फीडबैक जरूर लें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवास पर सोमवार को 'जनता दर्शन' में पहुंचे 42 लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सभी लोग निश्चिंत होकर घर जाइए, हर समस्या का उचित समाधान कराया जाएगा। अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इसके बाद शिकायत करने वालों से फीडबैक भी लिया जाए। आवास की मांग को लेकर भी कुछ जरूरतमंदों ने योगी से निवेदन किया, जिस पर विचार करते हुए उन्होंने पीएम-सीएम आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया।

धन के अभाव में नहीं रुकेगा इलाज : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार पहले ही दिन से चिकित्सा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। धन के अभाव में किसी का भी इलाज नहीं प्रभावित होगा। प्रदेश में जिस भी जरूरतमंद को इलाज के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता होगी तो सरकार सदैव उसके साथ सदैव खड़ी रहेगी। 'जनता दर्शन' में पांच लोगों ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाते हुए मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने अस्पताल से एस्टिमेट बनवाने को कहा।

जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

तैयारी तेज | मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा , 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

प्रयागराज माघ मेले का होगा विस्तार, बढ़ेंगी सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● मुख्य सचिव ने की मेले की तैयारियों की समीक्षा

अमृत विचार: प्रयागराज में लगने जा रहे माघ मेला में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। मेला 3 जनवरी से 15 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में आने वाले संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए इस बार मेले को और अधिक सुविधाजनक बनाने को व्यापक विस्तार किया जा रहा है।

स्नान घाट की लंबाई वर्ष 2024 के दो किलोमीटर से बढ़ाकर 2.8 किलोमीटर की जा रही है। सेक्टरों की संख्या 5 से बढ़ाकर 7, मेला क्षेत्रफल 750 हेक्टेयर से बढ़ाकर 800 हेक्टेयर, पार्किंग स्थल 30 से बढ़ाकर 42, पॉन्टून पुल 6 से बढ़ाकर 7 तथा संस्थाओं की संख्या 4599 से बढ़ाकर 4900 की जा रही है।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने सोमवार को प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेला-2026 की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। बैठक में मेला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई, विद्युत, स्वास्थ्य, पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि माघ मेला से जुड़े सभी काम पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों द्वारा निरंतर मौके पर जाकर पर्यवेक्षण किया जाए और जहां कहीं भी काम पीछे हो, वहां तत्काल प्रगति लाई जाए। सभी निर्माण एवं व्यवस्थाएं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एवं निर्धारित समय-सीमा में पूरी हों, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रकाश व्यवस्था में दिखेगा नव्य स्वरूप : नगर निगम 150 करोड़ रुपये की योजना के तहत शहर से लेकर मेला क्षेत्र तक मार्गों को आकर्षक रोशनी से सजा रहा है। 260 प्रमुख वृक्षों पर नियॉन और स्पाइरल लाइट्स का संयोजन दर्शकों को दिव्य अनुभव देगा। एयरपोर्ट से संगम तक आने वाले मार्गों पर शंख, चक्र, त्रिशूल और अन्य धार्मिक प्रतीकों के मोटिव्स लगी लाइट्स श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करेंगी। विस्तारित क्षेत्र के 28 वार्डों में 11,000 से अधिक नई स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। मेला प्रशासन से मिली 4,400 लाइटें भी उपयोग में लाई जा रही हैं।

स्वच्छता और चिकित्सा के लिए खास व्यवस्थाएं

स्वच्छता के विशेष प्रबंध करते हुए मेला क्षेत्र में 23700 सामुदायिक शौचालय, 2000 यूरिनल, 6 सामुदायिक कंटेनर शौचालय, कूड़ा उठान के लिए 25 हॉपर-टिपर, 12 कॉम्पैक्टर तथा 8000 कूड़ेदान स्थापित किए जाएंगे। मेला क्षेत्र की साफ-सफाई और सैनिटेशन के कार्यों के लिए 3300 लोगों को 24 घंटे तैनात किया जाएगा। चिकित्सा व्यवस्था के अंतर्गत 20-20 शैय्या वाले दो अस्पताल, 12 प्राथमिक उपचार केंद्र, 50 एम्बुलेंस, 5 आयुर्वेदिक तथा 5 होम्योपैथिक चिकित्सालय 25 दिसंबर से क्रियाशील रहेंगे। वेक्टर कंट्रोल यूनिट पहले से ही कार्यरत है।

विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों को भी मतदान में भाग लेने को गाइडलाइंस जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : एसआईआर के बीच विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों को भी मतदान प्रक्रिया में भाग लेने को उनके पंजीकरण की गाइडलाइंस जारी कर दी गई है। ऐसे प्रवासी भारतीय नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए ऑफलाइन फार्म-6ए भरकर सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के पास डाक द्वारा भेज सकते हैं।

इस क्रम में ऐसे प्रवासी भारतीय आएंगे, जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हों, मतदाता सूची में पंजीकृत किए जाने को पात्र होंगे। वह अपने रोजगार, शिक्षा या अन्य किसी कारण से भारत में सामान्यतया निवास स्थान से अनुपस्थित रहते हैं, उस निर्वाचन क्षेत्र, जिसमें उसके पासपोर्ट में उल्लिखित भारत में उसके निवास स्थान के पते का उल्लेख है, से सम्बन्धित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में पंजीकृत किए जाने के पात्र होंगे।

दरअसल, प्रवासी भारतीय निर्वाचक एक ऐसा व्यक्ति है, जो भारत की नागरिकता रखता हो, भारत को छोड़कर किसी अन्य राष्ट्र में रोजगार, शिक्षा या अन्य किसी कारण से रह रहा हो तथा जिसने किसी अन्य राष्ट्र की नागरिकता प्राप्त न की हो। ऐसा वोटर ऑनलाइन माध्यम यानी आयोग की वेबसाइट या ऐप से भी आवेदन कर सकता है। बाद में प्रवासी वोटर्स की लिस्ट अलग से तैयार की जाएगी।

अगर प्रवासी मतदाता स्वदेश वापस आ जाता है तो...

गाइडलाइन यह भी है कि अगर प्रवासी मतदाता भारत वापस आ जाता है और साधारण रूप से निवासी बन जाता है, तो उसे सम्बन्धित ईआरओ को सूचित करना चाहिए, जिससे उसका नाम प्रवासी निर्वाचक के रूप में पंजीकरण से हटाकर सामान्य मतदाता सूची में शामिल किए जाने की कवायद की जा सके। मतदान केन्द्र में मतदान करते समय ऐसे वोटर की पहचान केवल उसके मूल पासपोर्ट के आधार पर की होगी।

न्यूज ब्रीफ

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में उल्टी गिनती शुरू

हल्द्वानी, अमृत विचार : रेलवे भूमि पर अतिक्रमण के मामले में शीर्ष अदालत मंगलवार को सुनवाई करेगी। वहीं, सुनवाई को लेकर बनभूलपुरा के प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की धड़कनें बढ़ गई हैं। पुलिस-प्रशासन ने भी तैयारियों की उल्टी गिनती शुरू कर दी है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए क्षेत्र में भारी सुरक्षा व्यवस्था की है। बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण के बहुचर्चित मामले में प्रशासन और पुलिस की ओर से अंतिम सुनवाई को देखते हुए भारी सुरक्षा व्यवस्था की गयी है।

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या

मुरादाबाद, अमृत विचार : लाइन पर रामेश्वर कॉलोनी के रहने वाले 24 वर्षीय युवक की पुरानी रंजिश के चलते गोली मारकर हत्या कर दी गई। गुस्साए परिजनों ने शव साईं अस्पताल के सामने रखकर मुरादाबाद-दिल्ली नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। एसपी सिटी ने कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। युवक बिजली विभाग में वाहन चलाता था। सोमवार की रात लाइन पर क्षेत्र की रामेश्वर कॉलोनी के रहने वाले 24 वर्षीय प्रिंस चौहान का प्रशांत से भैया दूज पर गाड़ी पार्किंग को लेकर झगड़ा हुआ था।

बांके बिहारी के दर्शन करने को जा रहे तीन दोस्तों की हादसे में मौत

मथुरा में हुए हादसे का शिकार, तीनों दोस्त जलालाबाद के रहने वाले थे

संवाददाता, जलालाबाद/ शाहजहांपुर

सौरभ वर्मा।

राजन गुप्ता।

निकुंज गुप्ता।

अमृत विचार: हाथरस-अलीगढ़ हाईवे पर ट्रैक्टर ट्रॉली ने कार को टक्कर मार दी। कार अनियंत्रित होकर हाईवे के किनारे खाई में जाकर पलट गई। कार सवार तीन दोस्तों की मौत हो गई, जबकि चौथा साथी घायल हो गया। घायल का आगरा के मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। चारों दोस्त ब्रेजा कार से मथुरा वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। एक मृतक बैंक में डिप्टी मैनेजर, दूसरा जनसेवा केंद्र संचालक और तीसरा किराना व्यापारी था। सूचना मिलने पर परिवार वाले मथुरा चले गए।

जलालाबाद थाना क्षेत्र के मोहल्ला गोपाल नगर निवासी निकुंज गुप्ता (28), राजन गुप्ता (28), सौरभ वर्मा (25) निवासी सराय थाना जलालाबाद और राजा भारद्वाज (24) निवासी सराय जलालाबाद आपस में दोस्त थे। चारों ने मथुरा-वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन करने का कार्यक्रम बनाया था। रविवार की रात 9 बजे चारों ब्रेजा कार से मथुरा वृंदावन के लिए घर से निकले थे। उनकी कार देर रात हाथरस-अलीगढ़ हाईवे मथुरा जिले में पहुंची। हाईवे पर किसी वाहन को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर हाईवे के किनारे खाई में जाकर पलट गई। सूचना पर मथुरा के राजापुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे घायलों को दरवाजा तोड़कर बमुश्किल बाहर निकाला। पुलिस घायलों को मथुरा के अस्पताल में ले गई। जहां डाक्टर ने राजन गुप्ता, निकुंज गुप्ता और सौरभ को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रुप से घायल राजा भारद्वाज को आगरा के लिए मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। मथुरा पुलिस ने सोमवार को फोन कर हादसे की सूचना परिवार वालों को दी। चारों के परिवार वाले मथुरा के लिए रवाना हो गए। निकुंज गुप्ता आगरा में आईसीआई बैंक में डिप्टी मैनेजर, राजन गुप्ता किराना व्यापारी और सौरभ वर्मा मोहल्ले में जनसेवा केंद्र संचालक है। इधर खबर सुनकर मृतकों के घर पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी।

तीनों दोस्तों के परिवार वाले सोमवार सुबह 4 बजे गहरी नींद में सो रहे थे। मृतक राजन गुप्ता के पिता राजेश गुप्ता के फोन की घंटी बजी। उन्होंने फोन उठाया तो उधर से फोन करने वाले ने बताया मथुरा से उप निरीक्षक बोल रहा हूं। हादसे में आपके बेटे और दो अन्य लोगों की मौत हो गई।

पांच दिन पहले निकुंज गुप्ता घर लौटे थे

निकुंज गुप्ता आगरा में आईसीआई बैंक में डिप्टी मैनेजर थे। वह पांच दिन पहले घर पर छुट्टी लेकर आए थे। तीन भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। जबकि राजन किराना व्यापारी थे। उनकी शादी तीन साल पहले मोनी गुप्ता से हुई थी। वहीं सौरभ मोहल्ले में ही जनसेवा केंद्र चलाते थे। कार सौरभ की थी और चार माह पहले कार सेकेंड हैंड ली थी। सौरभ दो भाई और दो बहनों में तीसरे नंबर के थे।

पर्यटन

ऋषिकेश में सोमवार को सूर्यास्त की पृष्ठभूमि में भ्रमण को निकले लोग राम झूला को पार करते हुए। ● एजेंसी

मथुरा में मोटर साइकिल के नाले में गिरने से तीन चचेरे भाइयों की मौत

मथुरा, एजेंसी: जिले में मोटरसाइकिल पर सवार होकर रिश्तेदार के सगाई समारोह में शामिल होने जा रहे तीन चचेरे भाइयों की नाले में गिरकर डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा रविवार देर रात राधाकुंड में गोवर्धन नाले के पास हुआ, जब तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर नाले में गिर गई और तीनों युवक डूब गए जिनकी उम्र 20 साल के आसपास थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने जिला अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए और घायलों के समुचित उपचार के भी आदेश दिए। गोवर्धन थाना प्रभारी रवि त्यागी ने बताया कि कन्हैया, अंकुश और प्रवीण चचेरे भाई थे और मथुरा शहर के मासूमनगर निवासी थे। वे रात करीब आठ बजे एक रिश्तेदार की सगाई समारोह में शामिल होने राधाकुण्ड जा रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। स्थानीय निवासियों ने युवकों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन नाले की गहराई अधिक होने के कारण वे असफल रहे।

पंत विश्वविद्यालय के बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र ने की आत्महत्या

संवाददाता, रुद्रपुर

अक्षत सैनी।

अमृत विचार: जीबी पंत विश्वविद्यालय के बीटेक तृतीय वर्ष के छात्र ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया है। सूचना मिलते ही थाना पंतनगर पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल से एक डायरी भी बरामद की है। विवि में छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने का यह दूसरा मामला सामने आया है।

जानकारी के अनुसार मूल रूप से संजय गांधी कॉलोनी रुड़की निवासी 21 वर्षीय छात्र अक्षत सैनी पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में बीटेक की पढ़ाई कर रहा था और तृतीय वर्ष का छात्र था।

बताया जा रहा है कि रविवार की शाम अक्षत ने दोस्तों के साथ छोटी मार्केट स्थित कैंटीन में खाना खाया और रजत जयंती विग नौ स्थित कमरा नंबर 151 में सोने चला गया। सोमवार की सुबह नौ बजे तक जब कमरे से कोई आहट नहीं हुई तो दोस्तों द्वारा जाकर देखा तो अक्षत का शव पंखे की कुंडी से लटका था।

घटना की जानकारी मिलते ही छात्रावास में हड़कंप मच गया और सिक्योरिटी अधिकारी सहित थाना अध्यक्ष नंदन सिंह रावत भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंच गए। प्रारंभिक पूछताछ में यह पता चला है कि छात्र पिछले कुछ दिनों से मानसिक अवसाद से गुजर रहा था और गाजियाबाद स्थित पिता के यहां से आने के बाद शांत था। बताया जा रहा है कि सोमवार को एग्जाम होने के कारण उसके दोस्त भी प्रतीक्षा कर रहे थे।

पुलिस ने कमरे से एक डायरी, मोबाइल और गमछा भी बरामद कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्र की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने सुसाइड प्रकरण की तफ्तीश भी शुरू कर दी है। यहां बता दें कि अक्षत द्वारा सुसाइड किए जाने का यह कोई पहला मामला सामने नहीं आया है, बल्कि सितंबर माह में बीटेक के छात्र नीरज ने भी सुसाइड किया था।

● **कमरा नंबर 151 में फंदे से लटका मिला शव**

संभल में बने हैं घुसपैठियों के वोट : मुख्यमंत्री

संभल, अमृत विचार: मुरादाबाद में गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल जनपद के भाजपा नेताओं को आगाह किया कि घुसपैठियों और फर्जी मतदाताओं कि गलत तरीके से वोट बने हैं। कार्यकर्ता इसे लेकर सतर्क रहें।

मुरादाबाद में मुख्यमंत्री ने मंडल भर के जनपदों में गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा करते हुए भाजपा नेताओं से संवाद किया। जिक्र संभल का आया तो मुख्यमंत्री ने कहा कि संभल की मतदाता सूची में घुसपैठियों से लेकर फर्जी मतदाताओं तक के नाम हैं। गलत तरीके से इन लोगों के वोट बनाए गए हैं। कहा कि जिन लोगों ने फर्जी तरीके से इन्हें मतदाता बनाया है उनके खिलाफ भी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो प्रपत्र भरने से रह गए हैं उन्हें भरवाने का काम किया जाए।

सरकार की लापरवाही का दुष्परिणाम कर्मचारी पर डालना उचित नहीं

विध संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुरानी पेंशन योजना और ग्रेच्युटी से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए नगर विकास विभाग को निर्देश दिया कि सेवानिवृत्त सहायक अभियंता को प्रभावी सेवा अवधि के आधार पर पेंशन और ग्रेच्युटी का भुगतान किया जाए।

कोर्ट ने माना कि उत्तर प्रदेश पालिका (केंद्रीकृत) सेवा (संशोधन) नियमावली, 2003 के नियम 21-ए लागू होने के बाद भी नियमितीकरण में हुई देरी राज्य की लापरवाही थी और इसका दुष्परिणाम कर्मचारियों पर नहीं थोपा जा सकता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर की एकलपीठ ने मनोज कुमार मिश्रा की याचिका पर दी। मामले के अनुसार याची की 07मार्च 1995 को नियमावली, 1966 के नियम 31 के अंतर्गत वैध आधार पर अंशकालिक नियुक्ति हुई थी, जो किसी भी प्रकार से नियम-विहीन नियुक्ति नहीं थी। बाद में 2003 के संशोधन द्वारा लागू नियम 21-ए ने याची के नियमितीकरण का वैधानिक अधिकार उत्पन्न कर दिया। कोर्ट ने इस बात पर विशेष ध्यान दिया कि नियम 21-ए के प्रभावी होने की तिथि (10 अप्रैल 2003) से 11अक्टूबर 2006 तक नियमितीकरण आदेश लागू न करने का कोई औचित्य नहीं दिखाया गया। कोर्ट ने माना कि नियम 21 ए के लागू होते ही याची का अधिकार सुरक्षित हो गया था और नियमितीकरण आदेश का प्रभाव उस तिथि से माना जाएगा, जब कर्मचारी पहली बार पत्र हुआ था, न की अधिकारियों द्वारा आदेश जारी करने की तिथि से।

कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि केवल नियमितीकरण आदेश की तिथि (11 अक्टूबर 2006) के आधार पर नई पेंशन योजना लागू मानी जाए, तो सरकार मनमाने ढंग से आदेश टालकर किसी भी कर्मचारी को पुरानी पेंशन से वंचित नहीं कर सकती है। अंत में कोर्ट ने प्रमुख सचिव नगर विकास, निदेशक स्थानीय निकाय तथा आगरा विकास प्राधिकरण को संयुक्त रूप से निर्देश दिया कि

याची की 10अप्रैल 2003 से गिनी जाने वाली सेवा के आधार पर पेंशन स्वीकृत की जाए। सेवानिवृत्ति माह के बाद से बकाया पेंशन दो माह के भीतर 6 प्रतिशत सलाना की दर से ब्याज सहित दी जाए। ग्रेच्युटी का भुगतान भी दो माह में सुनिश्चित किया जाए तथा मासिक पेंशन अब नियमित रूप से चुकाई जाए।

● **नियमितीकरण में हुई देरी राज्य की लापरवाही : हाईकोर्ट**

दिव्यांग अभ्यर्थी के अधिकारों की रक्षा को एम्स गोरखपुर को निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक दिव्यांग अभ्यर्थी के अधिकारों के प्रति चेतना और संवेदनशीलता दिखाते हुए अपने महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि विकलांग श्रेणी के अभ्यर्थी को साक्षात्कार का अवसर देने से वंचित करना उचित नहीं, विशेषकर तब जब विज्ञापन में 4 प्रतिशत पद श्रेणी विशेष के लिए आरक्षित हों। उक्त निर्देश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकलपीठ ने याची डॉ. अरुण कुमार पांडेय की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

याची ने तर्क दिया कि 27सितंबर.2025 के विज्ञापन के अनुसार श्रेणी विशेष के उम्मीदवारों को अवसर मिलना चाहिए और कार्मिक विभाग के कार्यालय ज्ञापन 15 जनवरी 2018 के क्लॉज़ 11.1 के तहत रिलैक्स्ड स्टैंडर्ड पर विचार किया जा सकता है।

योगी से गुहार लगाने पहुंची दुष्कर्म पीड़िता

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सर्किट हाउस सभागार में बैठक लेने के दौरान अचानक भोजपुर थाना क्षेत्र की दुष्कर्म पीड़िता अपने परिवार की अन्य महिलाओं के साथ गेट पर पहुंच गई। वह मुख्यमंत्री से मिलने की बात कहने लगी। जिस पर पुलिस कर्मियों ने महिलाओं को गेट पर रोक दिया। लेकिन वह हर हाल में मुख्यमंत्री से मिलने की जिद पर अड़ गईं। कहा कि पुलिस के दबाव में उनका उत्पीड़न हो रहा है। पुलिस के रोकने पर वह चिल्लाने लगीं और जमीन पर बेसुध होकर गिर पड़ी।

भोजपुर से आई दुष्कर्म पीड़िता व उसके साथ की महिलाओं को सड़क से हटाने के लिए पुलिस को वाहन बुलानी पड़ी। लेकिन वह वाहन में बैठने से इनकार करती रहीं। पुलिस के जबरदस्ती करने पर वह चीखने चिल्लाने लगीं जिससे सड़क पर भीड़ लग गई। इसे देखकर गेट पर ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारी व पुलिस कर्मियों के हाथ पांव फूल गए। काफी देर तक उनके रोने चिल्लाने की आवाज से लोग रुक रुक मामले की जानकारी लेने में जुट गए। भीड़ बढ़ती देख पुलिस अधिकारियों ने वाहन मंगाकर किसी तरह उन्हें सड़क से हटवाने पर जोर लगाया। यातायात पुलिस के वाहन में उन्हें किसी तरह कार्रवाई का आश्वासन देकर पुलिस अधिकारियों व कर्मियों ने हटवाया।

● **वाहन बुलाकर हटाने के प्रयास पर सड़क पर चिल्लाती रहीं पीड़िता मची अफरातफरी**

मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्कूल में प्रवेश पाने वाली वाची भी निराश लौटी

इसी तरह गोरखपुर में मुख्यमंत्री के जनता दरबार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सीएल गुप्ता वर्ल्ड स्कूल में एडमिशन कराने की इच्छा लेकर पहुंची बच्ची वाची भी अपने माता पिता के साथ मुख्यमंत्री से मिलने पहुंची थी। लेकिन पुलिस ने सुरक्षा का हवाला देकर रोक लिया। वाची का कहना है था कि वह मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें फिर थैंक्यू बोलना चाहती है।

कुख्यात अपराधी सुंदर भाटी समेत 10 को नौ साल की सजा

नोएडा, एजेंसी

गौतमबुद्ध नगर की एक अदालत ने गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में सोमवार को कुख्यात अपराधी सुंदर भाटी समेत 10 दोषियों को नौ-नौ वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि वर्ष 2015 में कासना थाना पुलिस ने सुंदर भाटी और उसके गिरोह के 10 सदस्यों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई कर आरोपपत्र दाखिल किया था।

सुनवाई के बाद अदालत ने सुंदर भाटी (निवासी घंघोला), सिंहराज, विकास पंडित, योगेश, ऋषिपाल, बॉबी उर्फ शेर सिंह, सोनू, यतेन्द्र चौधरी, अनूप भाटी और दिनेश भाटी को दोषी ठहराया। उन्होंने बताया कि इनमें से सात आरोपी पहले से ही जेल में बंद थे। सोमवार को सुनवाई में सुंदर भाटी, सिंहराज और ऋषिपाल पेश हुए, सजा सुनाई जाने के बाद सिंहराज और ऋषिपाल को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया, जबकि सुंदर भाटी को रिहा कर दिया गया, क्योंकि वह इस मामले में जेल में रहते हुए अपनी सजा पहले ही पूरी कर चुका था।

● **2015 में कासना थाना पुलिस ने आरोप पत्र दाखिल किया था**

सुंदर भाटी

सूबे की ग्राम पंचायतों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाएंगे दो हजार रोल मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

अमृत विचार: नव वर्ष यानी 2026 में दो हजार रोल मॉडल उत्तर प्रदेश की ग्राम पंचायतों सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने में जुट जाएंगे। जनवरी तक राज्य तमाम जिलों से चुने गए इन रोल मॉडल्स को एक्सपोज़र विज़िट कराई जा रही है ताकि वे पंचायतों का सफल काम समझें।

रोल मॉडल से जहां ग्राम पंचायतों का विकास होगा वही स्थानीय लोगों को रोजगार भी उपलब्ध हो सकेगा।

राज्य सरकार का लक्ष्य आंतरिक एक्सपोज़र विज़िट से हर पंचायत को आत्मनिर्भर मॉडल बनाने का है। फिलहाल रामपुर, श्रावस्ती, ललितपुर और अमेठी समेत कई जिलों में यह बैचवार एक्सपोज़र विज़िट चल रही है।

इस पहल का खास उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे नवीन, उत्कृष्ट और व्यावहारिक विकास कार्यों को सामने से दिखाकर अन्य ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे स्वयं को भी एक्सपर्ट्स के साथ रोल मॉडल के रूप में विकसित कर सकें। दरअसल, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मियों के लिए एक्सपोज़र विज़िट प्रोग्राम उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। रामपुर, श्रावस्ती, ललितपुर और अमेठी समेत कई जिलों में यह बैचवार विजिट चल रही है। इस दौरान लगभग दो हजार प्रतिभागी यानि भविष्य के एक्सपर्ट नवंबर से जनवरी की अवधि में एक्सपोजर विजिट में भाग ले रहे हैं।

● **जनवरी तक ये रोल मॉडल करेंगे करेंगे एक्सपोजर विज़िट, समझेंगे पंचायतों का सफल काम**

> हमारा लक्ष्य है कि हर पंचायत सशक्त हो, संसाधन पैदा करे और आत्मनिर्भर मॉडल के रूप में विकसित हों, जो एक्सपर्ट लौट रहे हैं या उसमें शामिल हो रहे हैं। वे अपने क्षेत्रों में विकास की नई सोच और ऊर्जा लेकर जा रहे है। - **ओमप्रकाश राजभर**, पंचायती राज मंत्री

> क्रॉस-लर्निंग मॉडल से पंचायतें एक-दूसरे के अनुभवों से सीख कर तेज़ी से विकास कर सकती हैं। यह एक्सपोज़र विज़िट ग्रामीण शासन और सेवा वितरण की गुणवत्ता को नई ऊंचाई देगा। - **अमित कुमार सिंह**, निदेशक पंचायती राज

स्थापना दिवस

उत्तराखंड सरकार ने भोजन और प्रशिक्षण भत्ते में 50 व 90 रुपये बढ़ाने की घोषणा की

होमगाड्र्स को अब वर्दी भत्ता, सरकार ने बढ़ाई सुविधाएं

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को ननूरखेड़ा में होमगाड्र्स स्थापना दिवस पर रैतिक परेड की सलामी ली। इस दौरान सीएम ने घोषणा की कि होमगाड्र्स स्वयंसेवकों को वर्दी भत्ता अनुमन्य किया जाएगा। राज्य में अंतर्जनपदीय ड्यूटियों में तैनात होने वाले होमगाड्र्स स्वयंसेवकों को मिलने वाला भोजन भत्ता 100 रुपये से बढ़ाकर 150 रुपये प्रतिदिन किया जाएगा। नागरिक सुरक्षा संगठन के स्वयंसेवकों को मिलने वाले प्रशिक्षण भत्ते को 50 रुपये से बढ़ाकर 140 रुपये प्रतिदिन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, होमगाड्र्स स्वयंसेवक कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, समर्पण और अदम्य इच्छाशक्ति के साथ प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था और जनसेवा के दायित्वों को निभाते हैं। राज्य सरकार ने होमगाड्र्स जवानों के कल्याण और संगठन के उत्थान के लिए अनेकों महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। सरकार ने पहली बार होमगाड्र्स जवानों को 12 आकस्मिक अवकाश प्रदान करने का निर्णय लिया। महिला होमगाड्र्स को प्रसूति अवकाश प्रदान करने की सुविधा भी प्रारंभ की गई। पुलिसकर्मियों और एनडीआरएफ की भांति 9 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर ड्यूटी करने वाले होमगाड्र्स स्वयंसेवकों को 200 रुपये प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय भी लिया गया है। एसडीआरएफ के जवानों के साथ प्रशिक्षित हुए होमगाड्र्स के जवानों को 100 रुपये प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जा रही है। कहा कि होमगाड्र्स जवान बरसात, ठंड, गर्मी जैसी हर परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण से करते हैं। यातायात प्रबंधन, कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ कुंभ और कांवड़ यात्रा जैसे विशाल धार्मिक आयोजनों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

चारों धामों के साथ-साथ हरिद्वार में स्थापित होमगाड्र्स हेल्प डेस्क देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को हर संभव मदद उपलब्ध करा रहा है। जवानों के हौसले और समर्पण को राज्य सरकार उचित सम्मान दे रही है। सीएम ने सेवा प्रदत्त एवं दिवंगत होमगार्ड के आश्रितों को चेक भी वितरित किए।

होमगाड्र्स स्थापना दिवस पर रैतिक परेड की सलामी लेते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

उत्तराखंड में शुरू हुआ प्री-एसआईआर

देहरादून, अमृत विचार: उत्तराखंड में मतदाता सूची को दुरुस्त और अपडेट करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। राज्य चुनाव आयोग के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में मतदाता सूची के प्री-विशेष गहन पुनरीक्षण (प्री-एसआईआर) का कार्य शुरू हो गया है। इसके तहत जिलेवार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया ने तेजी पकड़ ली है।

हल्द्वानी के एक जागरूक मतदाता उर्वादत्त जोशी ने सोमवार को बताया कि, प्री-एसआईआर में घर पर पहुंच रही प्रशासनिक टीम द्वारा देखा जा रहा है कि संबंधित मतदाता का नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची के अनुसार है या नहीं। अगर मतदाता का नाम काटा गया है तो इसकी क्या वजह रही।

बरहैनी के जंगल में नर हाथी का शव मिला

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: तराई केन्द्रीय वन प्रभाग रुद्रपुर की बरहैनी रेंज के जंगल में नर हाथी का शव मिलने से हड़कंप मच गया। शव कुछ दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। हाथी की मौत उम्रदराज और बीमार होने के कारण होने का अनुमान लगाया जा रहा है। वन विभाग की टीम मौके पर डटी हुई है।

सोमवार को कमोला बीट में गश्त के दौरान वन रक्षक विवेक गोस्वामी और बीट वॉचर प्रमोद सामंत को मृत हाथी दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही विभाग में हड़कंप मच गया और रेंजर लक्ष्मण सिंह बिष्ट टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

डीएफओ उमेश तिवारी ने बताया कि मृत नर हाथी की उम्र लगभग 30 से 32 वर्ष होगी और शव कुछ दिन पुराना लग रहा है। शुरुआती अनुमान है कि हाथी की मौत कमजोरी और बीमारी के कारण हुई है। हालांकि, वास्तविक मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा। हाथी के दांत सुरक्षित पाए गए हैं। हाथी के शव का पोस्टमार्टम मंगलवार को पशु चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा।

नर हाथी का शव।

गोरखपुर में फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

गोरखपुर, एजेंसी: गोरखपुर में पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर से कथित तौर पर संचालित एक साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया है और दो प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारी रविवार शाम गुलरिहा इलाके से की गईं।

आरोपियों ने एक किराए के कार्यालय में अवैध धंधा शुरू किया था और विज्ञापनों और साक्षात्कारों के माध्यम से युवा लड़कियों, जिनमें से कई नाबालिग थीं, को भर्ती किया था। उसने बताया कि इन लोगों को फेयर प्ले 247 जैसे ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर दांव लगाने के लिए लोगों को लुभाने के लिए आकर्षक योजनाओं की पेशकश करते हुए भ्रामक प्रचार कॉल करने का निर्देश दिया गया था। शुरुआत में लोगों को छोटी रकम जिताई जाती थी, एक बार उनका विश्वास जीतने के बाद गिरोह उनके बैंक के विवरण मांगता था।

NSNH NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल

डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन

डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
● सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज ● दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा ● दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। ● छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण ● घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध ● नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन ● बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज ● वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU

डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन

समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध 24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूं रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389

सुविधायें
● सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
● रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
● ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
● दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रोसिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
● सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
● दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
● गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
● रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
● बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
● अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
● रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
● लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

निजी गाड़ी पर सवार थे फरीदपुर विधायक, कार देखकर नहीं पहचान सकी महिला टोल कर्मी, अफरा-तफरी

टोल पर रोकी विधायक की गाड़ी, कर्मी की सेवा समाप्त

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार: फरीदपुर में सोमवार दोपहर टोल प्लाजा पर उस समय हड़कंप मच गया, जब क्षेत्रीय विधायक प्रोफेसर डॉ. श्याम बिहारी लाल की गाड़ी को बूथ पर तैनात एक महिला कर्मचारी ने रोक लिया। कुछ ही क्षणों में स्थिति बदल गई और मामूली दिखने वाली यह घटना टोल परिसर में अफरा-तफरी का कारण बन गई।

गाड़ी रोकने के बाद पहुंची पुलिस और विधायक के साथ टोल के मैनेजर।

विधायक ने गाड़ी रोके जाने पर नाराजगी जताई। उनके तेवर देखते ही मौजूद टोलकर्मियों ने तत्काल माफी मांगी और मामले को शांत करने के लिए संबंधित महिला कर्मचारी की सेवाएं तुरंत समाप्त कर दीं। टोल कर्मचारियों ने आश्वासन दिया कि आगे ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी।

विधायक की गाड़ी टोल पर रोकने की घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। क्षेत्रीय विधायक ने बताया कि उनकी निजी गाड़ी पर विधायक नहीं लिखा हुआ है। उनकी गाड़ी को टोल प्लाजा पर लगभग 25 से 30 सेकेंड को रोका गया। टोल कर्मियों ने इस दौरान विधायक ने टोल प्लाजा पर लंबे समय से जमे अवैध अतिक्रमण और दुकानों का मुद्दा भी उठाया। फिलहाल टोल कर्मियों के माफी मांगने के बाद मामला शांत हुआ।

- मामला शांत करने को टोल कर्मचारियों ने विधायक से मांगी माफी
- कार पर काले शीशे चढ़े होने और गनर के मौजूद न रहने से पहचानने में हुई चूक

महिला कर्मी संगीता ने बताया कि विधायक की गाड़ी के काले शीशे चढ़े थे। आगे पुलिस कर्मी बैठे होते तो कार में वीआईपी के मौजूद होने का अनुमान लग जाता। विधायक हमें दिखते तो हम पहचान लेते। उन्होंने जब शीशा उतारा तो हमने तुरंत बूम खोल दी और उनकी गाड़ी निकाल दी। मेरी कोई गलती नहीं फिर भी सजा मुझे दी गई।

> टोल कर्मी अक्सर गाड़ी को रोकते हैं। विधायक की गाड़ी रोकना गलत है। विधायक को सभी पहचानते हैं। कर्मचारी अपने अधिकारियों के निर्देश पर ही गाड़ियों को रोकते हैं। उनको समझा दिया है और अपने किए की उन्होंने माफी भी मांग ली है।
>
> प्रो. डॉ. श्याम बिहारी लाल, विधायक फरीदपुर

ढाबे से ट्रक चोरी, 8 माह बाद रिपोर्ट दर्ज

भोजीपुरा, अमृत विचार : दिल्ली लखनऊ हाईवे पर ट्रक चोरी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। रामपुर निवासी चालक मुकेश अपनी आयशर कैंटर को इंदौर कोर्ट से रिलीज कराकर 10 अप्रैल 2025 की रात वापस ला रहे थे। रात में भूख लगने पर उन्होंने गाड़ी भोजीपुरा थाना क्षेत्र में सैदपुर चुन्नीलाल के समीप सड़क किनारे खड़ी की और पास के होटल में खाना खाने चले गए। लौटने पर ट्रक गायब मिला। पुलिस ने रिपोर्ट नहीं लिखी अब कोर्ट के आदेश पर आठ माह बाद रिपोर्ट दर्ज की गई है।

सफाई कर्मी के घर से 6 लाख की चोरी

हुरहुरी गांव में हुई वारदात, दो घरों में चोरी का किया प्रयास, कुत्ते भौकें तो भागे

संवाददाता, मीरगंजः

अमृत विचार : बीती रात अज्ञात चोरों ने सफाई कर्मी के घर पर धावा बोलकर 47 हजार की नगदी समेत लाखों के सोने व चांदी के जेवरात चोरी कर ले गये।चोरों ने गांव में दो अन्य घरों को भी निशाना बनाने का प्रयास किया लेकिन जाग होने पर सफल नहीं हो सके। इस घटना से गांव में चोरों को लेकर दहशत व्याप्त है।

गांव हुरहुरी निवासी महावीर गंगवार सफाई कर्मी हैं। वह इस समय मीरगंज ब्लाक कार्यालय में अटैच हैं। महावीर ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ मकान की दूसरी मंजिल पर सो रहे थे। रात्रि किसी समय अज्ञात चोर पीछे की दीवार से घर में घुस आये और कमरों में रखे बक्से और अलमारी आदि को खंगाल लिया।उन्होंने बताया कि अज्ञात चोर उनके घर से 47 हजार नगदी व सोने की चैन 02 तोला,सोने के कानों के झाले, चांदी की पायलें, गले का पैंडिल, मंगलसूत्र के अलावा चांदी की 8 अंगूठी और पायलें आदि समेत करीब छह लाख के जेवरात चोरी कर ले गये। सोमवार की सुबह जागने पर घर का दरवाजे का ताला टूटा मिला और कमरे में रखे बक्से का सामान बिखरा हुआ पाया। इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी । पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। ग्रामीणों ने बताया कि चोरों नें गांव के ही हीरा लाल व नेत्रपाल के घर में घुस कर चोरी करने का प्रयास किया लेकिन परिजनों के जागने एवं कुत्तों के भौंकने से चोर इन घरों को खंगालने में सफल नहीं हो सके।

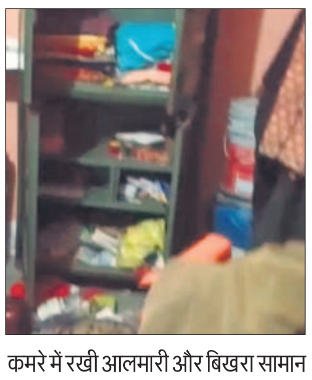

कमरे में रखी आलमारी और बिखरा सामान। ● अमृत विचार

- ऊपरी मंजिल पर सोया परिवार नीचे हुई वारदात, मीरगंज ब्लाक में तैनात है कर्मचारी

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार

B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें। | अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षो का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)

निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286

कैंटर की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत

संवाददाता, रिठौरा

अमृत विचार : स्कूटी से बरेली जा रहे दंपति के वाहन पर कैंटर ने टक्कर मार दी। इससे महिला की मौत हो गई।

सोमवार को अरविंद वर्मा अपनी पत्नी नीलम के साथ बरेली जा रहे थे। मस्तान मियां की मजार के सामने पीलीभीत की ओर से आ रही कैंटर ने स्कूटी में टक्कर मार दी, जिससे दंपति उछलकर गिर पड़े। राहगीरों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने नीलम वर्मा (45)को मृत घोषित कर दिया। मृतका के एक बेटा एक बेटी हैं। घायल अरविंद पूर्व प्रधानाचार्य फूलचंद वर्मा के बेटे हैं।

बाइक की टक्कर से वद्ध की मौत

भमोरा में बेटे के साथ दातागंज जा रहे वृद्ध की बाइक पर सामने से आ रहे बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इससे वृद्ध गंभीर घायल हो गये। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मृत्यु हो गई।

ग्राम बल्लिया निवासी जयपाल यादव (50) सोमवार सुबह अपने बेटे के साथ बाइक पर बैठकर दातागंज जा रहे थे।

मासूम से की अश्लील हरकत, दुष्कर्म का केस

संवाददाता, भोजीपुरा

- पुलिस ने किशोर को किया गिरफ्तार, पिता फरार

अमृत विचार : एक गांव में समुदाय विशेष के किशोर ने चार साल की मासूम के साथ अश्लील हरकतें कीं। पीड़ित मासूम की मां की तहरीर पर पुलिस ने दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। आरोपी किशोर को पुलिस ने आज गिरफ्तार कर किशोर को किशोर न्यायालय में भेजा है।

जानकारी के अनुसार भोजीपुरा थाना क्षेत्र एक गांव में रहने वाली महिला ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 6 दिसंबर को दोपहर में वह बाहर गई थी। उसकी चार वर्षीय बेटी घर अकेली थी।तभी गांव में रहने वाला समुदाय विशेष का 12 वर्षीय किशोर उसके घर में घुस गया। किशोर ने उसकी बच्ची के साथ अश्लील हरकतें कीं। तब तक वह आ गई तो किशोर घर से भाग गए गया। बेटी ने आपबीती बताई। इसके बाद मां आरोपी किशोर के घर शिकायत करने गई। आरोप है कि आरोपी के पिता ने थाने में शिकायत न करने की चेतावनी देते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित मासूम की मां की तहरीर 7 दिसंबर की शाम को आरोपी और उसके पिता के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस सोमवार को आरोपी किशोर को घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने किशोर को किशोर न्यायालय में भेजा है।

प्रभारी निरीक्षक भोजीपुरा राजीव कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के पिता की तलाश कराई जा रही है। उसे भी शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फतेहगंज, भोजीपुरा व क्योलड़िया में मारपीट, 11 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : ग्राम मढ़ौली में शनिवार शाम दो पक्षों के बीच विवाद बढ़कर मारपीट में बदल गया। दोनों ओर से लाठी-डंडे और धारदार हथियार चले। अमित गंगवार अनुज और दीपक गंगवार ,अर्जुन गंगवार ,अतुल, अमित, मुनीश, और करन लाल के खिलाफ रिपोट दर्ज हुई है।

क्योलड़िया में घर के बाहर अलाव ताप रहे दंपति को शराबी युवक ने पहले गालियां दी फिर उनकी पिटाई कर दी। आवाज सुनकर बेटियां बचाने आईं तो उन्हें भी पीट दिया गया।

पीड़ित की तहरीर पर शराब युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

भोजीपुरा में मॉर्डन विलेज में रविवार सुबह हुए विवाद में दंपति पर लाठी-डंडों से हमला किया गया। पीड़ित जयवीर सिंह ने बताया कि वह पत्नी के साथ घर जा रहे थे। उसी दौरान गांव के बाबू,चंद्रपाल व धर्मपाल पुत्रगण तेजपाल ने रास्ता रोक लिया और डंडों से हमला कर दिया, जिसमें उन्हें और उनकी पत्नी को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सम्बन्ध विच्छेद
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्यामवती पत्नी स्व. रोशनलाल नि. आदर्श नगर गली नं. 3 जिला बदायूं अपने पुत्र अमित, जितेन्द्र एवं पुत्रवधू पूजा, सीमा के दुर्व्यवहार एवं गलत आचरण के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। भविष्य में इनके किसी कृत्य एवं दुस्कृत की मैं व मेरा परिवार जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना
मै आदित्य भारती पुत्र जीत सिंह भारती, नि. C-265/2 राजेंद्रनगर, बरेली सूचित करता हूं कि मेरे उक्त मकान का आवास विकास द्वारा निर्गत मूल आवंटन पत्र व कब्जा पत्र दिनांकित 16.5.1987 व 3.8.1987 वास्तव मे कही खो गये है। मो. 8630498558

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारी एक फर्म मैसर्स राम बक्श गोमती फ्यूल प्वाइंट पता निकसुआ फरीदपुर बरेली जिसका पंजीकरण संख्या B-11787 है जोकि दिनांक 20.12.2008 से सुचारू रूप से कार्य कर रही थी उसे अब हम दोनों साझेदारों 1. मीरा देवी पुत्री श्री सिया राम सागर 2. मुरारी लाल पुत्र श्री मदन लाल ने रजामंदी से सदैव के लिए 29.10.2025 को बन्द कर दिया है। **मीरा देवी पुत्री श्री सिया राम सागर निवासी 19 बजरंग एन्क्लेव बीसलपुर रोड, बरेली (उ.प्र.)**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

फंदे पर झूलता मिला युवक का शव

फरीदपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के उगनपुर गौटिया (इनायतपुर) गांव में सोमवार सुबह महेश,(35) पुत्र रामपाल जैसे ही परिजनों की नज़र पड़ी, पूरे घर में कोहराम मच गया। परिजनों ने डायल 112 को सूचना दी, पुलिस ने कार्यवाही करते हुए शव पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आत्म हत्या के मामले को जांच कर रहीं है।

419 ग्राम अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

भमोरा, अमृत विचार : चेकिंग के दौरान पुलिस ने व्यक्ति को पकड़ा। तलाशी में उसके पास से अफीम मिली है। सोमवार दोपहर खेड़ा नगला रोड़ पर चेकिंग कर रहे दरोगा श्याम सिंह ने आकाश मौर्य निवासी सिंघा को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से 419 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

दुकान में लगी आग लाखों का नुकसान

सिरौली, अमृत विचार : बीती रात जामा मस्जिद मोहल्ला के समीप परचून की दुकान में लगी भीषण आग से एक लाख का सामान जलकर राख हो गया। दुकान स्वामी नाजिम खां ने बताया कि वह रात 11 बजे दुकान बंदकर गए थे। सुबह चार बजे सफाई कर्मी मुकेश वाल्मीकि ने दुकान में आग जलती देखी और सूचना दी। मोहल्ले के लोगों की मदद से उसे बुझाया लेकिन तब तक सारा सामान राख हो चुका था। पुलिस ने जांच में पाया कि दुकान में बिजली का कनेक्शन नहीं था।

शराब पीने से इन्कार पर युवक को पीटा

भोजीपुरा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम हंसा में एक युवक ने शराब पीने से मना किया तो युवकों ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। पीड़ित के पिता की तहरीर पर एक नामजद व तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित के पिता शंकर लाल ने बताया कि 23 नवंबर को गांव के ही अमित कुमार ने अपने चार अन्य साथियों के साथ शराब पी रहा था। उनके पुत्र राजपाल ने शराब पीने से मना कर दिया। तभी गांव के बाहर चारो युवकों ने राजपाल को घेर लिया तथा लाठी डंडों से बुरी तरह मारा पीटा। आरोपियों की पिटाई से राजपाल बेहोश हो गया। दस दिन बाद तीन दिसंबर को राजपाल होश में आया तो उसने जानकारी दी। पीड़ित के पिता ने 7 दिसंबर को घटना की तहरीर भोजीपुरा थाने में दी तो रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

लाल निशान के विरोध में विधायक से मिलेंगे

मीरगंज, अमृत विचार : अतिक्रमण चिन्हित करते हुए दुकानों पर लाल निशान लगाए जाने का विरोध व्यापारियों ने शुरु कर दिया है मीरगंज कस्बा निवासी मोहम्मद आरिफ ने नगर के दिवना रोड पर अतिक्रमण की शिकायत मुख्यमंत्री के जनता दरबार और पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता से की थी। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के निर्देश पर अमीन ने रोड के दोनों ओर 75 फीट की दूरी को आधार मान कर अतिक्रमण चिह्नित कर लाल निशान लगाए थे। अब दिवना रोड के व्यापारियों के समर्थन में व्यापार मंडल खड़ा हो गया है। एई सलमान खान ने बताया कि बिजली घर से दिवना मार्ग पर करीब 300 दुकानें और मकानों का चिन्हीकरण कराया गया है। व्यापारी रोड के दोनों ओर बने नालों को मानक मानकर अतिक्रमण चिह्नित करने की मांग कर रहे हैं।

नैनीताल रोड पर रेडियम टेप लगाएं

देवरनियां, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के लोगों ने बरेली नैनीताल रोड पर रिछा स्टेशन के मुख्य चौराहे पर रेडियम टेप लगाने की मांग की है। क्षेत्रीय निवासी कालीचरण और शांतिपाल आदि लोगों ने बताया कि मुख्य चौराहे पर रेडियम या पर्याप्त रोशनी न होने के कारण रात में वाहनों को आने-जाने में परेशानी होती है। उन्होंने प्रशासन से इस जल्द कार्रवाई की मांग की है।

विकास कार्यों में भ्रष्टाचार और अनियमितता हुई

सभासदों और ग्रामीणों ने शपथ पत्र देकर मंडलायुक्त और डीएम से की शिकायत, आंवला और मीरगंज में पहुंची टीम

पाइप लाइन की गहराई कम, पोल के वजन भी कम मिले

- केशवपुर नाले की मरम्मत करना दिखाया लेकिन जांच टीम को दस्तावेज नहीं दिखा सके
- सीसी रोड की नपाई के दौरान ठेकेदार से हुई नोंकझोंक, पुलिस बुलानी पड़ी

संवाददाता, आंवला

आंवला में पाइप लाइन की गहराई जांचती टीम। ● अमृत विचार

अमृत विचार : आंवला नगर पालिका परिषद में विकास कार्यों में अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच टीएसी टीम द्वारा सोमवार को की गई पुनः जांच में कई खामियां सामने आईं। नगर के विशम्भर दयाल, सभासद सूरजपाल मौर्य, रानी देवी, सचिन गुप्ता, माया सहित कई लोगों ने 8 सितंबर को मंडलायुक्त बरेली को शपथपत्र देकर 25 बिंदुओं पर जांच की मांग की थी। शिकायत के आधार पर 28 नवंबर से टीएसी टीम ने विकास कार्यों की जांच शुरू की थी, जो सोमवार को दोबारा जारी रही।

टीम नाला निर्माण, स्ट्रीट लाइट पोल, सीसी रोड, मोहब्बतगंज गौटिया मोहल्ले में अंत्येष्टि स्थल पर बिछाई गई इंटरलॉकिंग, वॉटर कूलर आदि की जांच पहले ही कर चुकी है। सोमवार को प्राविधिक परीक्षक राजेश कुमार तथा सहायक नीरज सक्सेना ने मिर्जापुर, तेली मोहल्ला और पक्का कटरा में सीसी रोड की मोटाई व गुणवत्ता परखी। बदायूं रोड स्थित निजी कालोनी के सामने नाले और दो डिपों का निरीक्षण भी किया गया। आरोप है कि यह निर्माण चेयरमैन ने निजी स्वार्थ में कराया, क्योंकि उक्त क्षेत्र कस्बे का न होकर आसपुर गांव की भूमि में आता है।

केशवधाम कॉलोनी के पास नाले की मरम्मत का दावा किया गया, परंतु संबंधित दस्तावेज टीम को उपलब्ध नहीं कराए गए। विलायतगंज मोहल्ले में पाइप लाइन की गहराई मानक से कम पाई गई। वजीरगंज चौराहे से मनौना पेट्रोल पंप तक 30 नए व 10 पुराने तथा सरगम रिसॉर्ट से राज गार्डन बरातघर तक 33 नए व 27 पुराने पोल लगाए जाने की बात कही गई। वहीं सभासदों के घरों के पास लगाए गए साइनबोर्ड का वजन लगभग 16 किलो बताया गया, लेकिन मौके पर रानी देवी के बोर्ड का वजन मात्र 13 किलो 250 ग्राम मिला। कुल 25 सभासदों के घरों पर ऐसे बोर्ड लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता विशम्भर दयाल ने बताया कि मिर्जापुर और तेली मोहल्ले में सीसी रोड की खुदाई के दौरान मोटाई मानक से कम निकली और रोड़ा भी नाममात्र का मिला। बजरिया मोहल्ले में स्ट्रीट लाइट के पुराने पोल लगे मिले जबकि 15 पोल नए दिखाए गए थे। पालिका ने 300 पोल का टेंडर किया था, पर अब तक सिर्फ 240 पोल का ही ब्योरा प्रस्तुत किया गया है। मिर्जापुर में जांच के दौरान शिकायत कर्ता और ठेकेदार पक्ष में नोकझोंक हुई, जिसके बाद डायल 112 को बुलाना पड़ा।

टीम पोल जांच अधूरी छोड़कर पुनः आने का आश्वासन देकर लौट गई। मौके पर अधिशासी अधिकारी जितेंद्र कुमार, जेई प्रमोद कुमार, पंकज चंद्रा, दीपक चंद्रा, लालाराम सहित शिकायतकर्ता मौजूद रहे। जांच प्रक्रिया फिलहाल जारी है।

> टीएसी टीम द्वारा दो दिन की गयी जांच में सभी कार्य ठीक पाये गये हैं। पालिका द्वारा किसी भी तरह की कोई अनियमितता नहीं बरती गयी है।
>
> **-जितेंद्र कुमार,** अधिशासी अधिकारी नगरपालिका परिषद आंवला

> 28 नवंबर और 8 दिसंबर को कई विंदुओं पर जांच की गयी है। पालिका से रिकॉर्ड मांगे गये हैं। अबतक की जांच में कई कमियां नजर आ रहीं हैं। रिकॉर्ड से मिलान करने और जांच पूर्ण करने पर स्थित स्पष्ट हो सकेगी। **-नीरज सक्सेना,** सहायक प्रावधिक परीक्षक ग्राम्य विकास विभाग

टीम ने सड़क खुदवाकर देखी विकास कार्य की गुणवत्ता

नगरिया कल्याणपुर में सीसी रोड की जांच के लिए खुदाई कराते डीपीआरओ।

संवाददाता, मीरगंज

अमृत विचार : शपथ पत्र देकर गांव के विकास कार्य में अनियमितता बरतने की डीएम को भेजी शिकायत पर सोमवार को डीपीआरओ और एई ने नगरिया कल्याणपुर गांव पहुंचकर कई बिदुओं पर जांच की। सीसी सड़क की मोटाई बिना मानक के डालना बताई गई थी। इस पर गड्ढा कराकर उसकी मोटाई नापी तो पूरी निकली है। शिकायतकर्ता जितेंद्र गौड़ एवं अन्य ग्रामीणों ने शपथ पत्र के साथ जिलाधिकारी से गांव में सीसी रोड मानक के अनुसार नहीं बनाने, मनरेगा नाला निर्माण में फर्जी पेमेंट निकालने, ग्राम समाज की जमीन पर कब्जा करने, एवं हैंडपंप रिबोर करने के बाद नल खराब होने आदि की शिकायत की थी।

शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने डीपीआरओ कमल किशोर और एई सलमान खान को जांच अधिकारी नामित किया था। सोमवार को जांच अधिकारी ने विकास खंड मीरगंज के गांव नगरिया कल्याणपुर में पहुंचकर कई बिंदुओं पर जांच की। इस दौरान शिकायतकर्ता भी मौजूद रहे।

जांच टीम ने सबसे पहले गांव में बने नाले, सीसी रोड, और गलियों को देखा। कुछ मकान ग्राम समाज की जमीन पर बनना बताए गए थे। जांच की तो पता चला कि उनका कोर्ट में वाद चल रहा था। गांव में बने कुएं को पाटना बताया गया था। जांच में कुएं पर स्लैब और उसकी बाउंड्री पाई गई। इस दौरान एडीओ पंचायत वीपी सिंह, प्रधान अजहरुद्दीन, सचिव प्रियंका, रोजगार सेवक, सफाई कर्मी सहित ग्रामीण आदि उपस्थित रहे।

बंदी के दिन बाजार खुलने की डीएम से शिकायत

रिठौरा, अमृत विचार : कस्बे की बाजारों में चल रही दुकानों के दुकानदार अपने कर्मचारियों का उत्पीड़न करने में संलग्न है। वह साप्ताहिक बंदी को भी दुकान खोलकर कर्मचारियों से काम करा रहे हैं लेकिन उसका भुगतान नहीं कर रहे हैं।

जिम्मेदार विभाग के अफसर भी सरकार द्वारा कर्मचारियों को मिलने वाल सुविधा को दिलाने में नाकाम हैं और व्यापारियों के साथ साथ खुद भी सरकार के आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। सरकार के आदेश की अनदेखी करने वाले अफसरों और दुकानदारों की शिकायत की गई है।

युवा व्यापारी , राकेश कुमार गुप्ता, अप्पू गुप्ता, बादल गुप्ता, श्रीराम गुप्ता, गुड्डू, गोविंद, अनमोल गुप्ता,अशरफ अंसारी,शिवा कुमार, शिवम् शर्मा, अनिल कुर्मी,अमित कुमार,नौशाद हुसैन,रजत शर्मा, अंकुश गुप्ता ने बताया उन्होंने बंदी की अनदेखी करने वाले व्यापारियों के खिलाफ जिलाधिकारी कार्यालय, एसडीएम सदर से भी शिकायत की है। लेकिन फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। सोमवार को 112 पर काल कर पुलिस बुलाई गयी, पुलिस ने कुछ दुकानदारों को दुकानें तुरंत बंद करवा दी गई। लेकिन थोड़ी ही देर में फिर से दुकानें खोल ली गईं। युवा व्यापारियों का कहना है कि सरकार की मंशा के विपरीत कार्य में मशीनरी सहयोग कर रही।

भाई और भतीजे पर हमला, चार पर रिपोर्ट

संवाददाता, कैंट

- जमीन के अधिग्रहण करने पर मिलने वाली धनराशि में मांगा था हिस्सा

अमृत विचार : सरकार द्वारा अधिग्रहण की गई जमीन की रकम को बांटने की बात कहने पर ताऊ ने अपने पुत्रों के साथ मिलकर भतीजों तथा भाई पर घर में घुसकर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। मारपीट में तीन लोग गंभीर घायल हो गए। कैंट पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रविवार को चार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

थाना कैंट क्षेत्र के चौबारी निवासी मोहित सिंह ने बताया, कि उनके पिता जितेंद्र पाल सिंह तथा उनके ताऊ प्रेमपाल सिंह जमीन के सह खातेदार हैं। उक्त जमीन का कुछ हिस्सा सरकार द्वारा सड़क बनाने के लिए अधिग्रहण किया गया था। जिसकी रकम सात लाख रुपए मोहित के ताऊ प्रेमपाल सिंह के बैंक खाते में पहुंची थी। रकम को बांटने के लिए मोहित ने प्रेमपाल से कहा, तो वह आनाकानी करने लगा। 7 दिसंबर की सुबह रकम का हिस्सा मांगने पर आरोपी प्रेमपाल अपने बेटे प्रमोद सिंह, राजकुमार सिंह तथा विनोद सिंह को साथ लेकर उनके घर में घुस आए और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर जान से मारने की नीयत से लोहे की रॉड से जितेंद्र पाल सिंह पर हमला कर दिया। पिता को बचाने पहुंचे मोहित सिंह व उनके भाई अनुज सिंह को भी बुरी तरह पीटा। मारपीट में मोहित, उनका भाई अनुज तथा पिता जितेंद्र पाल सिंह गंभीर घायल हो गए। चीखने चिल्लाने की आवाज पर मोहल्ले के लोग आ गए। आरोपी धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सुरक्षा गार्ड ने बताए थे प्रबंधन के गलत नाम

संवाददाता, फरीदपुर

फरीदपुर कोतवाली में बैठे मृतक शिवनन्दन के परिजन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : हरियाली बाजार के ठेकेदार को जहर देकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने सोमवार को पीड़ित परिवार को कोतवाली बुलाकर परिवार के अलग अलग बयान दर्ज किये। बयान दर्ज करने के बाद पुलिस मृतक के भतीजे गुरुपाल को फैक्ट्री में भी ले गई। जहां शिवनंदन के कमरे और सीसीटीवी फुटेज भी दिखाए।

फरीदपुर थाना क्षेत्र के हरियाली बाजार के सामने स्थित इंडस्ट्रीज एरिया में संतोष पॉलिफेब फैक्ट्री में शुक्रवार को ठेकेदार शिवनंदन को जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया गया था। मामले में हत्या का मुकदमा दर्ज करने के बाद सोमवार को पुलिस ने पीड़ित परिवार को बुलाकर शिवनंदन के भतीजे गुरुपाल व मृतक की पत्नी सहित परिजनों के बयान दर्ज किए। गुरुपाल का बयान दर्ज करने के बाद पुलिस उसे संतोष पॉलिफेब फैक्ट्री ले गई।

गुरुपाल ने पुलिस को बताया कि उसे फैक्ट्री के गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड द्वारा फैक्ट्री प्रबंधन के गलत नाम बता दिए गए थे, जिससे मुकदमे में गलत नाम दर्ज हो गए। रविवार को प्रबंधन के सही नाम दे दिये गये हैं।

गुरुपाल के चाचा मृतक शिवनंदन ने उसे बताया कि उसे फैक्ट्री के मालिकों द्वारा ज़हर दिया गया है। अस्पताल में शिवनंदन की मौत होने के बाद फैक्ट्री की तरफ से कोई भी उनसे हाल लेने नहीं पहुंचा। बल्कि पुलिस से दबाव बनवाने का काम शुरू दिया ताकि मुकदमा पंजीकृत न हो।

सीओ फरीदपुर संदीप कुमार ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत होने के बाद जरूरी नहीं कि गिरफ्तारी हो। जांच और साक्ष्य इकट्ठा होने के बाद कार्यवाही होगी। अभी जांच पड़ताल चल रही है। पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से जांच कर रही है।

सुंदरी व करुआ के प्रधान को किया सम्मानित

प्रधान को चेक देतीं जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल। ● अमृत विचार

संवाददाता, क्योलड़िया

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश खादी ग्रामीण उद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने भदपुरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत सुंदरी की प्रधान सुनीता सागर को ग्राम पंचायत स्तर पर अच्छा कार्य करने के लिए दो हजार का चेक देकर सम्मानित किया। ग्राम पंचायत करुआ साहबगंज के प्रधान मोहम्मद अजीम ने अपनी ग्राम पंचायत में खादी ग्राम उद्योग के कैंप लगवा कर प्रचार प्रसार करवाया था। इसके लिए जिला पंचायत अध्यक्ष एवं खादी ग्रामीण उद्योग के अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने दो हजार का चेक देकर सम्मानित किया इस दौरान बंटू सागर, मोहम्मद अजीम आदि लोग कार्यक्रम में मौजूदरहे।

कैंट थाना पुलिस ने नौ जुआरियों को पकड़ा

कैंट, अमृत विचार : कैंट थाना पुलिस ने ठिरिया निजावत खां के जंगल से रविवार देर रात जुआ खेल रहे नौ जुआरियों को पकड़ा और रिपोर्ट दर्ज की है।

नकटिया चौकी इंचार्ज रोहित तोमर ने बताया कि उन्हें ठिरिया निजावत खां में जुआं खेलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर टीम के साथ घेराबंदी करके नौ लोगों को पकड़ा। पकड़े गए आरोपियों की पहचान पदारथपुर निवासी नत्थूलाल, मोहम्मद अली उर्फ रोड़ी, ठिरिया निजावत खां निवासी शाकुम, सदर बाजार निवासी मो. शाहीन व सचिन यादव, अशोक कुमार, भूड़ निवासी आफताब, शहदाना निवासी लक्ष्मी नारायण, शोभित अग्रवाल के रूप में हुई।

बीएलए को बताई मृतक मतदाताओं की हकीकत

नगरिया कलां में बैठक करते बीएलओ। ● अमृत विचार

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : एसआईआर अभियान को लेकर राजनीतिक दलों के बीएलए और बीएलओ के साथ हुई बैठक में बीएलओ ने शिफ्टेड, मृतक, विवाहित, अनुपस्थित आदि मतदाताओं का ब्योरा पेश किया। नगरिया कलां में पंचायत सचिवालय पर हुई बैठक में पूरे दिन चहल पहल रही। बैठक में बीएलओ ने बीएलए को बारी-बारी से मृतक, विवाहित, शिफ्टेड, अनुपस्थित, डुप्लीकेट तथा हस्ताक्षर नहीं करने वाले मतदाताओं की सूची दिखाई। इस दौरान मतदाताओं ने शंकाओं का समाधान किया। इस अवसर पर रमेश चंद्र शर्मा, दीपक गंगवार,शोहरत खान, सोहिल खान, जाहिद खां, प्रमोद गुप्ता, धर्मेंद्र गंगवार, शुभम गंगवार, राजकपूर, अमित कुमार, महेंद्र पाल, राजीव गंगवार,पंचायत सहायक श्रद्धा श्रीवास्तव,निहारिका सिंह रहीं।

बीमार नंदी का इलाज कराकर गोशाला भेजा

शीशगढ़, अमृत विचार: कस्बे के मन्दिर के पास पिछले चार दिन से मरणासन्न हालत मे पड़े नंदी का गौ रक्षक ने इलाज करवाया और फिर उसे रामपुर गोशाला भेजा।

गौ रक्षक शिव कुमार ठाकुर ने बताया कि पिछले पांच दिनों से एक नंदी महाराज कस्बे के प्राचीन शिव मन्दिर के सामने लेटे हुए थे। मोहल्ले वालो ने चारा पानी दिया मगर नंदी ने सूंघा तक नहीं। सूचना पर वे मौके पर गए तो देखा कि नंदी का शरीर ठंड से जकड़ा है। आग जलाई तो कुछ राहत मिली। सीएचसी में जानकारी दी। डा. जयदीप ने विंटर डायरिया से पीड़ित बताया। इलाज के बाद उसे रामपुर स्थित खजुरिया गोशाला भेजा।

विवादित बयान के विरोध में मदनी का फूंका पुतला

पुतला दहन करने ले जाते विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, अलीगंज

अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को मौलाना मदनी द्वारा दिए गए कथित विवादित बयान को लेकर कड़ा विरोध जताया। संगठन ने नगर में मौलाना मदनी का पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया।

प्रखंड उपाध्यक्ष नवीन ठाकुर ने बताया कि मौलाना मदनी ने राम मंदिर, कृष्ण जन्मभूमि और राष्ट्रगीत को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है, इसी के विरोध में पुतला दहन किया गया। नगर अध्यक्ष ऋतिक गुप्ता, हर्ष गुप्ता,भोला मौर्य, गंगा सिंह, विवेक, प्रदीप शर्मा आदि रहे।

ठगों ने तीन खातों से एक लाख की रकम उड़ाई

शेरगढ़, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में तीन अलग-अलग गांवों के तीन लोगों के बैंक खातों से एक लाख रुपए की रकम साइबर ठगों ने उड़ा ली। पुलिस ने मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव मोहिद्दीनपुर निवासी एक युवती ने बताया कि उनके पास एक ओटीपी आया जिसको छेड़ते ही उनके खाते से 42001 रुपए की रकम उड़ गई। थाना क्षेत्र के ही शाहपुर निवासी प्रेम शंकर के खाते से 42780 हजार रुपए ठगों ने उड़ा लिये। वहीं जसनपुर गांव निवासी एक व्यक्ति के खाते से ठगों ने 12000 उड़ा लिए। इंस्पेक्टर क्राइम सत्य सिंह ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

कैंट थाना प्रभारी पर अपराधियों को बचाने का आरोप

संवाददाता, कैंट

- बेटे के हत्यारोपियों की गिरफ्तारी 30 दिन बाद भी नहीं, परिजनों ने एडीजी को दिया ज्ञापन

ज्ञापन देने को जाने से पहले एकत्र हुए मृतक के परिजन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : चौबारी मेले में हुई व्यक्ति के मौत के प्रकरण में हत्यारोपियों की एक महीने बाद भी गिरफ्तारी न होने के मामले में सोमवार को परिजन एडीजी कार्यालय पहुंचे और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपते हुए कैंट थाना प्रभारी पर अपराधियों की मदद करने और उन्हें बचाने का आरोप भी लगाया।

थाना फरीदपुर क्षेत्र के ग्राम महमूदपुर, मोहल्ला मिर्धान निवासी रामवीर परिजन तथा मोदी राठौर युवा सेना के पदाधिकारियों के साथ सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में एकत्र हुए। बताया कि कैंट के चौबारी मेले में उनके बेटे राजेश राठौर की हत्या हुए 30 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। 4 नवंबर को गांव के केशरी, नरवीर, बब्लू तथा रविन्द्र उनके पुत्र को हल्द्वानी से चौबारी मेला ले गए थे। जब उनका बेटा वापस नहीं आया, तो उन्होंने 7 नवंबर को थाना फरीदपुर में गुमशुदगी दर्ज कराई। बेटे को मेला ले गये युवकों से पूछा तो उन्होंने जानकारी नहीं दी। अगले दिन बेटे का शव मिला था। इसकी रिपोर्ट भी दर्ज कराई। आरोप है कि रिपोर्ट दर्ज होने के एक माह बाद भी थाना कैंट प्रभारी ने किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया, बल्कि वे अपराधियों को बचाने में लगे हुए हैं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बेटे के सिर में फ्रैक्चर तथा दायीं आंख में गंभीर चोट हत्या की ओर संकेत करती है।

गिरवी जेवर वापस नहीं कर रहा सराफ

सिरौली,अमृत विचार: सराफ के पास गिरवी रखे जेवरों को वापस करने में आनाकानी की जा रही है। अब एसएसपी से शिकायत की गई है।

थाना क्षेत्र के गांव शिखा झांगला निवासी अमरपाल ने पत्र में आरोप लगाया कि 2017 में सराफ के पास ढाई लाख रुपये में सोने चांदी के जेवराज गिरवी रखे थे। 2019 में जब उसे छुड़ाने गये तो सराफ ने परिवार में बंटवारा होने की बात कही अब जेवरात नहीं लौटाए जा रहे हैं।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY, BAREILLY
REQUIREMENT
- Senior/Junior Accountants
- Computer Operator
Proficient in MS-Office,English and Hindi Typing
- Salesman (Pharmacy)
- Experienced Technician (CSSD), BOTT/DOTT
Experience- 5 Year
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road, Bareilly -243006 (U.P)
Resume may be sent within 15 days from the date of Advertisement at :
e-mail : hrrmch@gmail.com Whatsapp : 9548624286

शिकायत पहुंची तो पता चला एक साल से बंद है एड मेंबर का विकल्प

- एक पंचायत सहायक ने आयुष्मान कार्ड में जोड़ लिए थे कई सदस्य

बरेली, अमृत विचार : बीते वर्ष तक आयुष्मान लाभार्थी को जारी होने वाले गोल्डन कार्ड में एड मेंबर का विकल्प होता था, जिससे वह खुद अपने परिवार के सदस्यों को कार्ड से जोड़ सकता था लेकिन फर्जीवाड़े की आशंका के चलते एक साल पहले ही शासन ने इस पोर्टल को अपडेट करते हुए इस विकल्प को बंद कर दिया है। इस संबंध में एक शिकायत आने पर जांच की गई तो विकल्प बंद होने की जानकारी हुई।

दरअसल, पोर्टल पर एड मेंबर विकल्प को बंद करने की सूचना विभागीय अधिकारियों को भी नहीं थी, लेकिन हाल ही में स्वास्थ्य विभाग के जिला अस्पताल स्थित आयुष्मान कार्यालय में एक शिकायत आई। एक पंचायत सहायक ने शिकायती पत्र दिया और बताया कि उसने आयुष्मान कार्ड में परिवार के सदस्यों को जोड़ने के ऑनलाइन विकल्प से 50 रिश्तेदारों के नाम जोड़ लिए थे। उसे नियमों की जानकारी नहीं थी। उसके कार्ड ये नाम हटाए जाएं। जब अधिकारियों ने विकल्प संबंधी जानकारी ली तो पता चला कि ये विकल्प अब बंद कर दिया गया है।

पांच साल तक के बच्चे को मिलेगा इलाज

आयुष्मान भारत योजना के जिला समन्वयक डॉ. अनुराग अग्रवाल ने बताया कि एड मेंबर विकल्प को एक साल पहले शासन स्तर से बंद कर दिया गया है। अगर किसी का पिता लाभार्थी है तो उसके पांच साल तक बच्चे को योजना में कवर मिलेगा। इलाज के दौरान बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र दिखाना अनिवार्य है। अन्य सदस्यों के लिए अब आयुष्मान कार्यालय में आकर ही नियमानुसार जोड़ा जाएगा।

दिव्यांग शिविर के काट रहे चक्कर, नहीं दूर हो रही समस्या

प्रमाण पत्र बनाने को कई दिव्यांग आ चुके दो से तीन बार, बोले, आने-जाने में किराया खर्च होता, मगर जिम्मेदारों को परवाह नहीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सीएमओ कार्यालय में सोमवार को आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में दिव्यांग सुबह आठ बजे से ही एकत्र हुए, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी कई दिव्यांग जमीन पर बैठे निराश नजर आए। कुछ ने कहा कि कई चक्कर लगाने में सैकड़ों रुपये खर्च हो गए, लेकिन समस्या जस की तस है। कई बार अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है।

दरअसल, शिविर में अधिकांश दिव्यांग देहात क्षेत्रों से आते हैं, ऐसे में सीएमओ कार्यालय तक आने में 100 से 200 रुपये तक खर्च होते हैं। सोमवार को करीब 50 दिव्यांग पहुंचे थे। इस दौरान कुछ दिव्यांग जमीन पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। कुछ ही दिव्यांगों की समस्या दूर हो पाई। अन्य को मायूस होकर घर लौटना पड़ा।

दिव्यांगों का छलका दर्द

यहां तक आने में 100 से 200 रुपये खर्चा होते हैं, दूसरी बार शिविर में आया हूं, पिछली बार ऑनलाइन आवेदन करने को कहा तो करा लिया, अब बोल रहे हैं कि ठीक से नहीं कराया है। सप्ताह में एक दिन शिविर लगता है, उच्चाधिकारी सुनते नहीं है।

– **रिंकू**, निवासी बहेड़ी

बीते साल रीढ़ संबंधी गंभीर बीमारी हुई, चलने फिरने में अक्षम हो गए, तीन बार शिविर के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन अभी तक दिव्यांग प्रमाण पत्र बनने की प्रक्रिया आरंभ नहीं हुई है।

–**विपिन**, निवासी बिशारतगंज

तीन बार शिविर में आ चुके हैं, प्रमाण पत्र बना है, लेकिन कुछ प्रतिशत कम है, हर बार कोई न कोई आपत्ति लगाकर टरका दिया जाता है, आने–जाने में किराया खर्च होता है।

– **छत्रपाल**, निवासी फरीदपुर

जिला अपस्पातल की ओपीडी में लगी मरीजों की कतार। ● अमृत विचार

ओपीडी पर ठंड का असर, घटी मरीजों की संख्या

बरेली, अमृत विचार : जिला अस्पताल की ओपीडी में भी ठंड का असर दिखने लगा है। मरीजों की संख्या घटने लगी है। हर रोज औसतन 1500 से 1700 नए रोगी इलाज के लिए पहुंच रहे थे, लेकिन बीते एक सप्ताह से यह आंकड़ा घटने लगा है। सोमवार को करीब 1465 नए रोगी आए, मगर पर्चा काउंटर पर अव्यवस्था दिखी। पहले पर्चा बनाने के चलते कुछ मरीजों के बीच नोकझोंक भी हुई। जिला अस्पताल के प्रभारी एडीएसआईसी डॉ. एएम अग्रवाल के अनुसार मौसम में अचानक बढ़ी ठंड से मरीजों में सांस संबंधी बीमारियां और वायरल बुखार के लक्षण अधिक मिल रहे हैं। इन दिनों सफाई व्यवस्था की अनदेखी करने से त्वचा रोग भी तेजी से बढ़ते हैं। ओपीडी में त्वचा रोग भी बढ़े हैं। फिलहाल, वायरल बुखार और त्वचा रोगियों की संख्या अधिक रही। वहीं, बच्चा वार्ड में भर्ती हुए दो बच्चों में निमोनिया के लक्षण मिलने पर उन्हें नेबुलाइजर से भाप दिलाई गई। हालांकि, दोनों बच्चों की हालत स्थिर है।

कार्यालय ग्रा.पं. कमुआ कलां, वि.खं. बिथरीचैनपुर (बरेली)

निविदा सूचना

सभी अधिकृत फर्मों व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कमुआ कलां, वि.खं. बिथरी चैनपुर में ग्राम निधि, राज्य वित्त व केन्द्रीय वित्त/SBM व OSR से वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार उच्च कोटि की ईट, सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, ईट की रोड़ी आदि सामग्री की सलबन्द निविदाएं दिनांक 12.12.2025 को दोपहर 12 बजे तक पंचायत कार्यालय में डाली जा सकती है। मोहरबंद निविदाएं निविदादाता व उसके प्रतिनिधि के समक्ष दिनांक 12.12.2025 को सार्वजनिक रूप से ग्राम पंचायत सचिव की अध्यक्षता में दोपहर 2 बजे खोली जायेगी। कराये जाने वाले कार्यो का विवरण इस प्रकार है

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	मनपुरिया जानकी प्रसाद में अमरजीत के नव निर्मित पेट्रोल पम्प से मुकेश के सामने बनी पुलिया तक नाला/नाली निर्माण कार्य	1,75,000

ग्राम प्रधान–बालकराम सचिव–चन्द्रभान सिंह

कार्यालय एकता महिला प्रेरणा संकुल संघ ग्राम पं0 मोहनपुर, विकास खण्ड-बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड स्तर पर सामुदायिक प्रबंधित प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किए जाने हेतु सामग्री जैसे प्रोजेक्टर, लैपटॉप, फर्नीचर आदि जिसका विवरण व शर्ते संकुल संघ कार्यालय पर उपलब्ध है। गुणवत्तानुसार उच्च कोटि की सामग्री प्रशिक्षण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहरबन्द निविदाएं दिनांक 15.12.2025 तक आमंत्रित की हैं। निविदा संकुल मुख्यालय पर दिनांक 15.12.2025 दोपहर 01:00 बजे तक डाली जा सकती है। मोहरबन्द निविदाएं उसी कार्यदिवस में सांय काल 04:00 बजे निविदादाता व निर्धारित कमेटी के समक्ष संकुल कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा पत्रक, निविदा खोले जाने से पूर्व कार्यदिवस में निर्धारित शुल्क जमा कर संकुल कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। किसी भी समस्त निविदाओं को स्वीकार एवं निरस्त करने का अधिकार सचिव, संकुल कार्यालय में निहित होगा। निविदा से सम्बंधित कोई भी विवाद माननीय न्यायालय बरेली में ही मान्य होगा।

श्रीमती राधा रानी, सचिव — श्रीमती रीना पटेल, अध्यक्ष

कार्यालय ग्राम पंचायत परसेहरा विकास खंड मितौली खीरी

पत्रांक– मेमो/निविदा सूचना प्रकाशन/वर्ष 2025–26 दिनांक– 08–12–2025

अति अल्पकालिन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मितौली में पंचम राज्य वित्त व 15वां वित्त योजना के अंतर्गत निम्न निर्माण कार्य कराया जाना है। जिसमें सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मो के स्थाई फर्म जिसका आयकर/वाणिज्य कर विभाग में पंजीकृत हो, से मोहर बंद निविदा दिनांक 09.12.2025 से 22.12.2025 को अपरान्ह 2:00 बजे तक डाक द्वारा अथवा ग्राम पंचायत मितौली के पंचायत कार्यालय में निविदा पेटिका में आमंत्रित की जाती हैं। प्राप्त हुई निविदा पंचायत कार्यालय में दिनांक 22/12/2025 अपरान्ह 4:00 बजे खोली जाएंगी। निम्नलिखित कार्य हेतु एक या सभी निविदा निरस्त करने का और आपूर्ति सामग्री की मात्रा घटाने और बढ़ाने का सम्पूर्ण अधिकारी अधोहस्ताक्षरी को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	लम्बाई	अनुमानित लागत
1.	ग्राम पंचायत में रामकुमार के मकान से महेश के तिराहे तक खडंजा मरम्मत और मिट्टी कार्य	220 मीटर	305707.66

रीता देवी, ग्राम प्रधान — ब्रह्म प्रकाश तिवारी, सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत खेड़ा जलालपुर पुख्ता विकास खण्ड उसावां (बदायूं)

पत्रांक: मैमो. **निविदा सूचना** दिनांक: 06.12.2025

ग्राम पंचायत खेड़ा जलालपुर पुख्ता विकास खण्ड उसावां (बदायूं) में राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग (टाइड/अनटाइड), मनरेगा योजनान्तर्गत वर्ष 2025–26 में उपलब्ध धनराशि एवं धन आने की प्रत्याशा में निम्नानुसार निर्धारित मानक/गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की सामग्री (ईट, इण्टरलॉक, सीमेन्ट मौरंग, बजरी, रेता, सरिया, टाईल, बजरफुट, सेनेटरी आईटम, हैण्डपम्प का मैटेरियल आदि) निर्माण स्थल पर आपूर्ति करने हेतु मोहर बन्द निविदायें/कुटेशन आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्मे एवं आपूर्तिकर्ता दिनांक 06.12.2025 से दिनांक 15.12.2025 दोपहर 12 बजे तक ग्राम पंचायत सचिवालय में रखे बॉक्स में सीलबन्द लिफाफे में जमा करें, तथा दिनांक 15.12.2025 को अद्योहस्ताक्षरी के समक्ष दिन के 2 बजे खोली जायेगी। स्वीकृत निविदा/कुटेशन को सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि में स्वीकृत दर पर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत की जानी अनिवार्य है। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नही पायी जाने की स्थिति में भुगतान की धनराशि में नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.	कार्य का नाम	साइज	अनु. लागत
1	वंगश नगला में मुखवीर के घर से प्रदीप के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	70 मी.	350000.00
2.	सोवरन नगला में सुरेश के घर से मदनपाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	80 मी.	450000.00
3.	सोवरन नगला में कल्लू के घर से हुकुम सिंह के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	82 मी.	460000.00
4	सोवरन नगला में अनार सिंह के घर से लडैते के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	70 मी.	310000.00
5.	डंडिया नगला में नाहर सिंह के घर राजेन्द्र के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	70 मी.	320000.00
6.	डंडिया नगला में रामभरोसे के घर से अशोक के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	70 मी.	350000.00
7.	म्योरा में सी.सी. रोड से वीरपाल के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	60 मी.	250000.00
8.	कम्ले नगला में सी.सी. रोड से भगवान सिंह दिवारी के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	60 मी.	250000.00
9.	नरपत नगला में विनोद के घर से महीपाल के घर तक नाली नाला का निर्माण	60 मी.	250000.00
10.	प्रा. वि. नरपत नगला में मॉडल शौचालय निर्माण कार्य।	1 नग	450000.00

अलख निरंजन (सचिव) — ध्यानपाल सिंह (प्रधान)

कार्यालय स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, बरेली

ई–निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्रांक : 820/स्वा.वि./न.स्वा.अधि./2025–26 दिनांक 08.12.25

ई–निविदा सूचना ठेकेदारों से 05 वार्डो की सफाई कार्य हेतु निविदायें टू बिड पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई–प्रोक्योरमेन्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है।

पुनः ई–निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं. 01 से 05 तक)	
ई–निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	10.12.2025 - (03:00 PM)
ई–निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	10.12.2025 - (04:00 PM)
ई–निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	24.12.2025 - (03:00 PM)
ई–निविदा खोली जाने की तिथि/समय	24.12.2025 - (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई–निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

कार्यो का विवरण, नियम व शर्ते नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई–निविदा लिंक एवं ई–पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम, बरेली

करदाताओं को बेहतर सेवाएं देना ही हमारा उद्देश्य : राधेश्याम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

संवाद कार्यक्रम में मौजूद प्रधान आयुक्त, उद्यमी व अन्य। ● अमृत विचार

- प्रधान आयकर आयुक्त ने संवाद कार्यक्रम में सुनीं आयकर से जुड़ी समस्याएं

अमृत विचार : आयकर भवन में सोमवार को करदाता सेवाओं एवं अग्रिम कर भुगतान पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। अध्यक्षता करते हुए प्रधान आयकर आयुक्त राधेश्याम ने करदाताओं की समस्याओं को सुलझाने के लिए विभाग की ओर से किए जा रहे उपायों के बारे में बताया और कहा कि आयकर विभाग का उद्देश्य करदाताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है और उनकी समस्याओं का समाधान करना है।

प्रधान आयकर आयुक्त ने बताया कि इस वर्ष के दौरान बरेली प्रभार के करदाताओं की लगभग 11 हजार समस्याओं का निराकरण किया गया। आयकर अधिकारी ऋचा श्रीवास्तव ने अग्रिम कर एवं आयकर के नए प्रावधानों के प्रति जागरूक करने के लिए पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। सुनील कुमार मिश्र ने कहा कि कार्यक्रम का मकसद उद्यमियों, व्यापारियों, चार्टर्ड अकाउंटेंट आदि की बात एक मंच पर सुनने के साथ ही उनकी समस्याओं का निराकरण करना रहा। चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजीव सिंघल, आईआईए के अध्यक्ष मयूर धीरवानी, आयकर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जीएस चावला, चार्टर्ड एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य नीतिश टंडन, उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय संयुक्त महामंत्री राजेश जसोरिया, भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, महामंत्री जसपाल सिंह बग्गा आदि उपस्थित रहे।

हर्ष फायरिंग में मौत मामले में रिपोर्ट, दो को हिरासत में लिया

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- आरोपी को पकड़ने को एसओजी सर्विलांस टीम को लगाया
- सिरौली में हर्ष फायरिंग में युवक की गोली लगने से हुई थी मौत

अमृत विचार : निकाह के दौरान हर्ष फायरिंग में गोली लगने से युवक की मौत मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसओजी और सर्विलांस टीम को भी लगाया गया है।

सुभाषनगर थाना क्षेत्र के सिठौरा से रविवार रात सिरौली थाना क्षेत्र के गांव शिवपुरी में बरात गई थी। इसी बीच अरविंद ने हर्ष फायरिंग कर दी। जिसमें सड़क पार खड़े रिजवान निवासी सिठौरा के माथे में गोली जा लगी। जिसके बाद वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। घटना के बाद फायरिंग करने वाला मौके से भाग गया और बरात में भी भगदड़ मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस घायल को लेकर अस्पताल गई लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को रिजवान का पोस्टमार्टम होने के बाद पुलिस की मौजूदगी में उसे गांव के कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक कर दिया, जबकि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

चाचा ने लगाया रंजिश में हत्या का आरोप

पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे रिजवान के चाचा इरशाद ने बताया कि उनके पड़ोस से बरात गई थी। बरात में रिजवान, अरविंद समेत चार से पांच लोग साथ में गए थे। अरविंद की कार से ही सभी लोग बारात में गए थे। बरात पहुंच भी नहीं सकी थी कि गाड़ी से उतरते ही अरविंद ने गोली चला दी। आरोप है कि अरविंद के पास अवैध हथियार था। उन्होंने किसी रंजिश के चलते गोली मारने का आरोप लगाया है। इरशाद ने बताया कि आरोपी ने रास्ते में शराब भी पी थी।

हर्ष फायरिंग में गोली चलने से रिजवान की मौत हो गई। अरविंद ने हर्ष फायरिंग की थी। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज करके आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसओजी और सर्विलांस की टीम को लगाया गया है। राशिद और दानिश से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

–अंशिका वर्मा, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी

शासन की टीम ने परखीं चिकित्सा व्यवस्थाएं, मरीजों से लिया फीडबैक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- कायाकल्प योजना के तहत टीम ने जिला महिला अस्पताल का निरीक्षण किया
- दवा काउंटर, ओपीडी, फार्मेसी, लेबर रूम समेत अन्य वार्डों को देखा

अमृत विचार : कायाकल्प योजना के तहत शासन से आई तीन सदस्यीय टीम ने सोमवार को जिला महिला अस्पताल का निरीक्षण किया। ओपीडी, दवा काउंटर, टीकाकरण कक्ष, वार्डों में भर्ती मरीजों की जांच व इलाज संबंधी फीडबैक लिया। टीम ने अफसरों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर दिशा-निर्देश दिए।

टीम में शामिल लखनऊ से डॉ. सलमान खान, मुरादाबाद से शमशेर अली और रामपुर से याकूब सोमवार सुबह 11 बजे जिला महिला अस्पताल पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने अस्पताल के सीएमएस डॉ. त्रिभुवन प्रसाद से सुविधा संबंधी जानकारी ली। इसके बाद अल्ट्रासाउंड कक्ष, पैथलॉजी, दवा काउंटर, पंजीकरण कक्ष, लेबर रूम की व्यवस्थाओं को देखा।

टीम ने ओपीडी में मरीजों से बात की। इसके बाद टीम के सदस्य वापस लौट गए। जिला महिला अस्पताल की क्वालिटी मैनेजर डा. निशा राणा ने बताया कि अस्पतालों में मरीजों को किस तरह की सुविधाएं मिल रही हैं। जांच, इलाज में क्या कमियां हैं। किस तरह के सुधार की गुंजाइश है। मरीजों की जरूरत क्या है। इन सब के मूल्यांकन के लिए ही प्रदेश से टीम अस्पतालों का दौरा कर रिपोर्ट देती है। रिपोर्ट के आधार पर अस्पतालों को नंबर मिलते हैं। इसके आधार पर सुविधाओं की घोषणा की जाती है।

बदला नजर आया अस्पताल, सफाई व्यवस्था मिली दुरुस्त

जिला महिला अस्पताल सोमवार को बदला नजर आया। प्रवेश द्वार के सामने सड़कों पर चूना पड़ा था। सभी कर्मचारी यूनीफार्म में दिखे। कायाकल्प की टीम को सफाई व्यवस्था चाक चौबंद मिली। इस पर टीम के सदस्यों ने अस्पताल की सफाई व्यवस्था की सराहना भी की।

जिले में अपना दल एस ने की सह प्रभारियों की घोषणा

बरेली, अमृत विचार : अपना दल एस ने सोमवार को जिले में सह प्रभारियों की घोषणा की है, जिसमें विधानसभा बहेड़ी में अजय प्रताप गंगवार, भोजीपुरा में मनीष, मीरगंज में अतुल, नवागबंज में परितोष विजेता, फरीदपुर में योगेन्द्र, बिथरी में देवानंद पटेल, आंवला में महेश कन्नौजिया, शहर में कंचनलता मिश्रा, कैंट में निशांत सक्सेना को सहप्रभारी का दायित्व दिया। यह जानकारी जिलाध्यक्ष अनुज गंगवार ने दी है।

कार्यालय शाहजहाँपुर विकास प्राधिकरण, शाहजहाँपुर

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ऑनलाइन पत्रावली संख्या- SJDA/BP/25-26/0015, दिनांक 04.09.2025 के माध्यम से मो.- लोधीपुर, तहसील सदर के गाटा सं0–318, 319, 320 एवं 321 (कुल क्षेत्रफल 5489 वर्गमीटर) पर मल्टीप्लेक्स भवन के निर्माण हेतु मानचित्र प्रस्तुत किया गया है। शाहजहाँपुर महायोजना–2031 के अनुसार स्थल का भू–उपयोग आवासीय क्षेत्र में दर्शित है। उत्तर प्रदेश के विकास प्राधिकरणों हेतु मॉडल भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन–2025 के प्रस्तर–15.3.1 के क्रम संख्या–2.4 के अंतर्गत मल्टीप्लेक्स/शॉपिंग मॉल क्रिया अनुमन्य है। आदर्श (मॉडल) जोनिंग रेगुलेशन–2025 के प्रस्तर–15.1.3 के बिन्दु संख्या- (iv) में उल्लेख है कि महायोजना भू–उपयोग अथवा अनुमोदित ले–आउट में परिभाषित भू–उपयोग के अतिरिक्त अन्य क्रियाओं की अनुज्ञा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जनता से आपत्ति सुझाव आमंत्रित करने के उपरान्त दी जायेगी। उक्त के क्रम में जन सामान्य को कोई आपत्ति/सुझाव देने हैं तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर प्राधिकरण कार्यालय स्थित ककरा काकर कुण्ड, निकट ककरा पुल, अजीजगंज में प्राप्त करा सकते हैं। नियत अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाली किसी भी आपत्ति/सुझाव को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

सचिव, शाहजहाँपुर विकास प्राधिकरण, शाहजहाँपुर

न्यूज डायरी

रोग निदान और नियंत्रण में नवीनतम प्रगति पर दिया प्रशिक्षण

बरेली, अमृत विचार : आईवीआरआई में ओडिशा के पशु चिकित्सा अधिकारियों के लिए 'रोग निदान एवं नियंत्रण में नवीनतम प्रगति' विषय पर मंगलवार को पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण जैविक उत्पाद विभाग और संयुक्त निदेशालय (प्रसार शिक्षा) ने आयोजित किया। मुख्य अतिथि डॉ. रूपसी तिवारी ने बताया कि संस्थान पशु रोग नियंत्रण एवं उन्मूलन के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। जैविक उत्पाद विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रविकांत अग्रवाल ने बताया कि विभाग की स्थापना 1936 में की गई थी और यह संस्थान का सबसे प्राचीन विभाग है। विभाग पशुओं और कुक्कुट के आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रोगों के लिए टीकों व नैदानिक उत्पादों के अनुसंधान, विकास, उत्पादन एवं प्रशिक्षण में निरंतर कार्यरत है। प्रारंभिक वर्षों में विभाग ने घातक जीवाणु एवं विषाणुजनित रोगों के नियंत्रण पर कार्य किया और एंटी–सीरम व हाइब्रिड सीरम का बड़े पैमाने पर उत्पादन किया, जिसे ब्रिटिशकाल में पूरे भारत और विदेशों में आपूर्ति की जाती थी। स्वतंत्रता के बाद प्रभाग का नाम परिवर्तित हुआ और हमारा दायरा एंटीसिरम उत्पादन से बढ़कर वैक्सीन उत्पादन तक विस्तारित हुआ। संचालन डॉ. अजय कुमार यादव ने किया। डॉ. कौशल किशोर ने आभार जताया।

छुट्टा पशुओं की समस्या से निजात दिलाई जाए

बरेली, अमृत विचार : भाकियू टिकैत की तहसील स्तरीय मासिक पंचायत सोमवार को गन्ना समिति में राकेश सिंह की अध्यक्षता में हुई। जिला प्रवक्ता हाजी एम. इकबाल एडवोकेट ने कहा कि फसलों और बागों को आवारा पशुओं से बचाया जाए। छुट्टा व पालतू पशु फसलें बर्बाद कर रहे हैं। किसान परेशान हैं। इस समस्या से निजात दिलाई जाए। कहा कि नाले और नालियां गंदगी से चोक हैं। सफाई कर्मचारी नियमित सफाई नहीं करते हैं, जिससे संचारी रोग फैल रहे हैं। तहसील अध्यक्ष बरेली काशिफ रजा ने कहा कि प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। विकास कार्य तेजी से नहीं हो पा रहे हैं। जल निगम, गैस पाइपलाइन और अन्य विभागों के बीच ताल–मेल नहीं है, जिससे समस्याएं बढ़ रही हैं। नेत्रपाल ने कहा कि हरियाली और पौधों को बचाने के लिए पालतू जानवरों को नियंत्रित करना होगा। वन विभाग को सख्त कार्रवाई करनी होगी। आमिर रजा ने कहा कि जंगली सुअर और नीलगाय के लिए शूटिंग परमिट जारी करने के लिए शासनादेश है, लेकिन अफसर टालमटोल कर रहे हैं। शरीफ अहमद ने भी विचार रखे। पंचायत के बाद कमिश्नर को 13 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। नईम, शाहिद, आरिस, राकेश, नेत्रपाल, हसीन अहमद, रियासत आदि मौजूद रहे।

हरियाणवी लोक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोहा

बरेली, अमृत विचार : ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से बिशप मंडल इंटर कॉलेज के मैदान पर आयोजित खादी एवं स्वावलंबन उत्सव में सोमवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं ग्राम प्रधानों का सम्मान समारोह हुआ। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने किया। कार्यक्रम में महावीर प्रसाद सक्सेना कन्या इंटर कालेज की छात्राओं ने हरियाणवी लोक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। प्रदर्शनी में खादी एवं ग्रामोद्योग विकास एवं सतत रोजगार प्रोत्साहन नीति के तहत ग्रामीण क्षेत्र में स्वरोजगार के लिए अधिक से अधिक खादी ग्रामोद्योग इकाइयों की स्थापना कराने के लिए जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड से चयनित दो ग्राम पंचायत के प्रधान को सम्मानित किया गया। प्रतिभागी छात्राओं को प्रशस्ति–पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने अतिथियों को सम्मानित किया। अरुण कश्यप, शुभम, विनय कुमार आदि उपस्थित रहे। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कह कि प्रदर्शनी में पहुंचकर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी कर कारीगरों एवं बुनकरों को प्रोत्साहित करें।

वंदेमातरम् से अन्याय के साथ शुरू हुआ तुष्टीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि 'वंदेमातरम्' के साथ हुआ 'अन्याय' कोई अलग-थलग घटना नहीं, बल्कि 'तुष्टीकरण की राजनीति' की शुरुआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया था और इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया। लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा में भाग लेते हुए सिंह ने कहा कि यह सच स्वीकार करना पड़ेगा कि वंदे मातरम के साथ जो न्याय होना चाहिए था, वह नहीं हुआ।

रक्षामंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि आजाद भारत में राष्ट्र गान और राष्ट्रीय गीत को एक समान दर्जा देने की बात थी, लेकिन (राष्ट्रीय गीत) वंदे मातरम् को 'खंडित' किया गया। सिंह ने कहा कि वह धरती, (बंगाल) जिस पर वंदे मातरम् की रचना हुई, उसी धरती पर कांग्रेस ने इसे खंडित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम के साथ हुआ अन्याय अलग-थलग घटना नहीं थी, यह तुष्टीकरण की राजनीति की शुरूआत थी, जिसे कांग्रेस ने अपनाया। इसी राजनीति ने देश का विभाजन कराया।

सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् स्वयं में पूर्ण है लेकिन इसे अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि इसका गौरव लौटाना समय की मांग और नैतिकता का तकाजा है। हम सभी को मिलकर सोचना चाहिए कि क्या संविधान में नया दायित्व नहीं जोड़ा जा सकता कि राष्ट्रगान की तरह राष्ट्रगीत को सम्मान दिया जाए। सिंह ने कहा कि वंदे मातरम् और बंकिमचंद्र चटर्जी की पुस्तक 'आनंद मठ' कभी भी इस्लाम के विरुद्ध नहीं था। उन्होंने दावा किया कि आज पश्चिम बंगाल से बहुत से परिवारों को पलायन करना पड़ रहा है और ऐसा तृणमूल कांग्रेस की विभाजनकारी राजनीति, घुसपैठियों को शरण देने की राजनीति के कारण हुआ है।

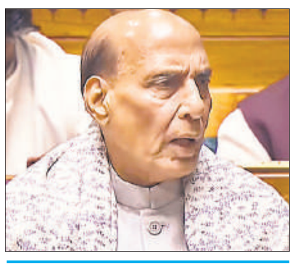

● राजनाथ बोले- राष्ट्रगान व राष्ट्रीय गीत को समान दर्जा देना था, पर वंदे मातरम् को किया गया खंडित

वंदे मातरम् से हमें एनर्जी, कांग्रेस को एलर्जी : ठाकुर

भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि वंदे मातरम से हमें एनर्जी मिलती है, वहीं विपक्षी दल को इससे एलर्जी होती है। लोकसभा में ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने वंदे मातरम् के शताब्दी वर्ष पर आपातकाल लगाकर देश को अंधेरे में पहुंचाया। आज स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे मातरम् के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को देश के सामने रखा। उन्होंने प्रधानमंत्री के संबोधन के दौरान, सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी के अनुपस्थित रहने का जिक्र करते हुए कहा कि वंदे मातरम् गीत नहीं राष्ट्रीय प्रीत है इसलिए कांग्रेस इससे भयभीत है। जब चर्चा शुरू हुई तो उस परिवार के दो सदस्य सदन में ही उपस्थित नहीं थे जिसे दशकों तक नेतृत्व का मौका मिला।

कोई कोशिश करें मोदी, नेहरू पर दाग नहीं लगा सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर वंदे मातरम् पर चर्चा को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री और भाजपा के लोग जितनी भी कोशिश कर लें, पंडित जवाहरलाल नेहरू के योगदान पर दाग नहीं लगा सकते। उन्होंने सदन में चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा, भाजपा के राजनीतिक पूर्वजों का आजादी की लड़ाई में कोई योगदान नहीं रहा।

गोगोई ने कहा कि कांग्रेस ने सबसे पहले वंदे मातरम् का उद्घोष किया था। कांग्रेस सांसद ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री के भाषण को गौर से सुना। उनके दो उद्देश्य थे। उनका पहला उद्देश्य यह बताने का प्रयास करने का था कि आपके (सत्तापक्ष) राजनीतिक पूर्वज अंग्रेजों के खिलाफ लड़ रहे थे। उनका दूसरा उद्देश्य इस चर्चा को राजनीतिक रंग देने का था। गोगोई ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने हर वक्तव्य में कांग्रेस और नेहरू का बार-बार उल्लेख करते हैं। गोगोई का कहना था कि इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा के दौरान नेहरू का नाम 14 बार लिया और कांग्रेस का नाम 50 बार लिया।

उन्होंने कहा, आप जितनी कोशिश कर लें, आप उनके योगदान पर एक भी काला दाग लगाने में सफल नहीं होंगे। कांग्रेस नेता ने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा, मुस्लिम लीग यह कहना चाहती थी कि पूरे वंदे मातरम् का बहिष्कार करना चाहिए और उस समय मौलाना अबुल कलाम आजाद ने स्वयं कहा था कि उन्हें वंदे मातरम् में कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अपने एक अधिवेशन में यह फैसला किया कि जहां भी कोई आयोजन होगा हम वंदे मातरम् गाएंगे। गोगोई का कहना था, इसका विरोध मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने किया था तथा कांग्रेस की आलोचना की थी।

● लोकसभा में गोगोई ने कहा- मुस्लिम लीग और हिंदू महासभा ने किया था वंदे मातरम् का विरोध

आडवाणी, जसवंत ने की थी जिन्ना की तारीफ

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, पंडित नेहरू पर तुष्टिकरण के आरोप लगाए जा रहे हैं। लेकिन क्या प्रधानमंत्री, जो इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने में माहिर हैं, इन सवालों का जवाब देंगे। उन्होंने कहा, वह कौन-से भारतीय नेता थे जिन्होंने 1940 के दशक की शुरुआत में बंगाल में उस व्यक्ति के साथ गठबंधन सरकार बनाई थी, जिसने मार्च 1940 में लाहौर में पाकिस्तान प्रस्ताव पेश किया था, जवाब है श्यामा प्रसाद मुखर्जी। रमेश ने कहा, वह कौन से भारतीय नेता थे जिन्होंने जून 2005 में कराची में जिन्ना की ख़ुलकर तारीफ़ की थी, जवाब- लाल कृष्ण आडवाणी। वह कौन-से भारतीय नेता थे जिन्होंने अपनी 2009 में प्रकाशित पुस्तक में जिन्ना की प्रशंसा की थी, जवाब- जसवंत सिंह।

नेशनल ब्रीफ

हार में लगे जीपीएस की मदद से लापता बुजुर्ग महिला मिली

मुंबई। दक्षिण मुंबई में शाम की सैर के दौरान 79 वर्षीय एक महिला अचानक लापता हो गयी थी। महिला के पोते ने उनके हार में जीपीएस ट्रैकर लगाया हुआ था, जिसकी बदौलत उन्हें एक अस्पताल में ढूंढ लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि तीन दिसंबर को सेवरी इलाके में एक दोपहिया वाहन ने सायरा बी ताजुद्दीन मुल्ला को टक्कर मार दी, जिसके बाद कुछ राहगीरों ने उन्हें नगर निगम द्वारा संचालित केईएम अस्पताल पहुंचाया। जब महिला घर नहीं पहुंची तो उनके परिवार वाले घबरा गये। उनके पोते मोहम्मद वसीम अयूब मुल्ला ने उनके हार में लगाए गए जीपीएस उपकरण को सक्रिय कर दिया, जिससे पता चला कि महिला सेवरी से पांच किमी दूर परेल के केईएम अस्पताल में है। वसीम और परिवार के अन्य सदस्य तुरंत अस्पताल पहुंचे।

कश्मीर: नाबालिग से बलात्कार के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक नाबालिग से कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में सोमवार को एक मदरसा शिक्षक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि आरोपी की पहचान चैल्लर गांव के नासिर मजीद के रूप में हुई है, जिसे गंदोह इलाके में मदरसा दार-उल-कुरान में कथित घटना के संबंध में शिकायत मिलने के तीन घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारी ने कहा कि जांच शुरू करने के लिए एक विशेष दल का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि अपराध को अंजाम देने के बाद आरोपी छिप गया।

बार काउंसिल चुनावों में 30% सीटें महिलाओं के लिए की जाएं आरक्षित

सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक समानता कायम रखने के लिए राज्यों को दिया निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कानूनी पेशे में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़े कदम के तहत सोमवार को कहा कि जिन राज्यों की बार काउंसिलों में चुनाव अभी अधिसूचित नहीं हुये हैं, उनमें 30 प्रतिशत सीटें महिला वकीलों के लिए आरक्षित होनी चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि मौजूदा चुनाव प्रक्रिया के लिए 20% सीटें चुनी हुई महिला सदस्यों द्वारा भरी जाएंगी और 10% सह विकल्प से भरी जायेंगी।

न्यायालय ने कहा कि जिन मामलों में महिला उम्मीदवारों की संख्या कम है, वहां सह विकल्प का प्रस्ताव उसके सामने रखा जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने हालांकि स्पष्ट किया कि उन छह राज्य बार काउंसिल में कोई आरक्षण लागू नहीं होगा, जहां चुनाव प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। ये राज्य आंध्र प्रदेश, पंजाब और हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और छत्तीसगढ़ हैं। इसके बावजूद, पीठ ने इन राज्यों के अधिवक्ता मतदाताओं से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि महिलाओं को उनके वोटों के माध्यम से पर्याप्त और सार्थक प्रतिनिधित्व मिले। न्यायालय ने कानूनी पेशे में महिलाओं को ऊपर उठाने के लिए सक्रिय कदम उठाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया।

सोनम वांगचुक ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश होने की मांगी अनुमति, केंद्र का विरोध

केंद्र ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की ओर से दाखिल उस अर्जी का विरोध किया जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत उनकी हिरासत से संबंधित मामले में जोधपुर जेल से वीडियो कांफ्रेंस (वीसी) के जरिये पेश होने का अनुरोध किया है। शीर्ष अदालत वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अंगमो के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि कार्यकर्ता जेल से वीसी से जुड़ना चाहते हैं और इसकी अनुमति मांगी है।

आसमान में भी दिखाई नौसेना ने जांबाजी

नौसेना के जवानों ने सोमवार को मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर नौसेना दिवस बीटिंग रिट्रीट और टैटू समारोह से पहले रिहर्सल में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने हैरतअंगेज करतब दिखाए।

यौन उत्पीड़न के मामलों में असंवेदनशील न्यायिक टिप्पणियों पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि यौन उत्पीड़न के मामलों में असंवेदनशील न्यायिक टिप्पणियों का पीड़ितों, उनके परिवारों और समग्र समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। न्यायालय ने कहा कि वह उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ अदालतों को ऐसे मामलों में टिप्पणियां करने और आदेश पारित करने को लेकर व्यापक दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर सकता है।

सीजेई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 17 मार्च के आदेश में की गई असंवेदनशील टिप्पणियों का संज्ञान लेने के बाद शुरू की गई स्वत: संज्ञान कार्यवाही की सुनवाई की। इस दौरान वकीलों ने बताया कि कई उच्च न्यायालयों ने हाल ही में यौन उत्पीड़न के मामलों में इसी तरह की मौखिक और लिखित टिप्पणियां की हैं।

● कहा- नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है ऐसी टिप्पणियों का

एक हस्तक्षेपकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने कहा कि हाल ही में एक अन्य मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने टिप्पणी की थी कि चूंकि रात हो चुकी थी, इसलिए यह अभियुक्तों के लिए आमंत्रण था। उन्होंने कलकत्ता और राजस्थान उच्च न्यायालयों के ऐसे ही अन्य मामलों का भी हवाला दिया। एक अन्य वकील ने सोमवार को एक निचली अदालत की एक ताजा घटना की ओर इशारा किया, जहां बंद कमरे में सुनाई के बावजूद कई लोग मौजूद थे और सुनवाई के दौरान पीड़िता को कथित तौर पर परेशान किया गया।

यूपी के डीआईजी संजीव त्यागी के ऑडियो क्लिप की जांच का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक ऑडियो क्लिप की फॉरेंसिक जांच का आदेश दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश के एक पुलिस अधिकारी को मुसलमानों के खिलाफ सांप्रदायिक टिप्पणी करते हुए सुना जा सकता है। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने उस वरिष्ठ मुस्लिम नागरिक के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही भी रद्द कर दी, जिसने इस क्लिप को प्रसारित करके इसकी प्रामाणिकता की पुष्टि की मांग की थी। यह ऑडियो क्लिप कथित तौर पर संजीव त्यागी की है जो वर्तमान में डीआईजी के रूप में कार्यरत हैं। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता इस्लामुद्दीन अंसारी के खिलाफ मुकदमा चलाना पूरी तरह पुलिस प्राधिकार और न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। यूपी सरकार ने नोटिस जारी करने के बाद स्वयं ही मामले को वापस लेने की मांग की थी।

अनंत अंबानी को ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड मिला

नई दिल्ली/वॉशिंगटन। वन्यजीवों की सुरक्षा और जानवरों की देखभाल में महत्वपूर्ण काम के लिए अनंत अंबानी को अमेरिका में 'ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड' दिया गया है। इस अवॉर्ड को पाने वाले वह सबसे युवा और पहले एशियाई व्यक्ति हैं।

इससे पहले यह सम्मान जॉन एफ कैनेडी और बिल क्लिंटन जैसे बड़े नेताओं को मिला है। यह सम्मान अनंत अंबानी को उनके प्रोजेक्ट 'वनतारा' के जरिए जानवरों के बचाव, इलाज और संरक्षण के काम के लिए दिया गया। वनतारा दुनिया के सबसे बड़े और अनोखे वन्यजीव संरक्षण केंद्रों में गिना जाता है। यहां घायल या संकट में पड़े जानवरों को नई जिंदगी देने का काम होता है। कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि वनतारा ने पशु कल्याण का नया ग्लोबल बेंचमार्क बनाया है। उनके अनुसार, यह सिर्फ रेस्क्यू सेंटर नहीं, बल्कि जानवरों की पूरी देखभाल का मॉडल है, जिसे दुनिया मिसाल के तौर पर देख रही है। अनंत अंबानी ने कहा, यह सम्मान मुझे सभी जीवों के हित में और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

नवजोत कौर की प्राथमिक सदस्यता की गई निलंबित

चंडीगढ़। 'मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपये' वाली टिप्पणी करके राजनीतिक विवाद खड़ा करने वालीं नवजोत कौर सिद्धू की पंजाब कांग्रेस ने प्राथमिक सदस्यतासोमवार शाम निलंबित कर दी। नवजोत कौर पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिद्धू की पत्नी हैं।

पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने एक आदेश में कहा, नवजोत कौर सिद्धू को तत्काल प्रभाव से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित किया जाता है। शनिवार शाम पत्रकारों से बात करते हुए नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि अगर कांग्रेस उनके पति को पंजाब में पार्टी का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करती है तो वह सक्रिय राजनीति में लौट आएंगे। उन्होंने आगे कहा कि उनके पास किसी पार्टी को देने के लिए पैसा नहीं है, लेकिन वे पंजाब को एक स्वर्णिम राज्य में बदल सकते हैं। राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था सहित अन्य मुद्दों पर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात के बाद शनिवार को उन्होंने कहा, हम हमेशा पंजाब और पंजाबियत की बात करते हैं, लेकिन हमारे पास 500 करोड़ रुपये नहीं हैं, जो हम मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के लिए दे सकें।

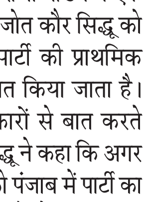

उम्मीद पर 5.17 लाख वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण, 2.16 लाख को मंजूरी

नई दिल्ली। वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को तैयार किए गए 'उम्मीद' पोर्टल पर 5.17 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हुआ, जिनमें से छह महीने की समय सीमा के दौरान 2,16,905 संपत्तियों को नामित अनुमोदकों द्वारा मंजूरी दे दी गई है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने छह जून 2025 को इस केंद्रीय पोर्टल की शुरुआत की थी और वक्फ अधिनियम, 1995 तथा उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, संपत्तियों का विवरण अपलोड करने की छह महीने की समय सीमा छह दिसंबर 2025 को आधिकारिक रूप से समाप्त हो गई। मंत्रालय ने बताया कि अंतिम समय सीमा नजदीक आते ही पंजीकरण की गति में काफी तेजी आई।

अमेरिका के वकील ने मांगा अहमदाबाद विमान हादसे का फ्लाइट रिकॉर्डर डेटा

अहमदाबाद, एजेंसी

अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे में अपने परिजनों को खोने वाले 130 परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाले अमेरिकी विमानन वकील माइक एंड्रयूज ने केंद्र सरकार से फ्लाइट रिकॉर्डर डेटा जारी करने का आग्रह किया है।उन्होंने कहा है कि इससे पारदर्शिता आएगी और परिवारों को कानूनी विकल्पों पर विचार करने में मदद मिलेगी।

एंड्रयूज ने हाल में हादसे में एकमात्र जीवित बचे शख्स विश्वास कुमार रमेश के 'बीबीसी' को दिए एक साक्षात्कार का हवाला दिया।

● कहा- पारदर्शिता आएगी, प्रभावित परिवारों की कानूनी मदद होगी

उन्होंने कहा कि दुर्घटना से ठीक पहले हरी हुई विमान के अंदर टिमटिमाती लाइट बताती हैं कि मुख्य विद्युत प्रणाली अज्ञात कारणों से आपातकालीन या बैकअप सिस्टम पर स्विच हो गई थी। एअर इंडिया की लंदन गैटविक जा रही उड़ान संख्या एआई 171 सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। दुर्घटना में विमान में सवार 242 लोगों में से 241 लोग मारे गए। जमीन पर 19 लोग मारे गए। विश्वास एकमात्र यात्री थे, जो हादसे में बच गए।

माइक एंड्रयूज ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना के बाद गुजरात की अपनी दूसरी यात्रा के दौरान सोमवार को कहा, मैं भारत सरकार से फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर जारी करने की अपील करता हूं, ताकि हमारे विशेषज्ञ स्वतंत्र मूल्यांकन कर सकें। मुझे लगता है कि इन परिवारों के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात पारदर्शिता है। उन्होंने अगस्त में अहमदाबाद, वडोदरा और सूरत शहरों का दौरा किया था और अपनी पहली यात्रा के दौरान कुछ दुर्घटना के पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात की थी।

सिवनी में प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त

सिवनी। मध्यप्रदेश की सुकतारा हवाई पट्टी से करीब दो किलोमीटर दूर एक प्रशिक्षण विमान सोमवार शाम दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर आमगांव के खेतों के पास 33 केवी वाले बिजली के तार से टकराने के बाद विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अकादमी के प्रतिनिधियों ने पुलिस को बताया कि विमान का इंजन उड़ान के लिए जरूरी ऊर्जा नहीं बना पा रहा था, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। घटना शाम छह बजकर 25 मिनट पर हुई जब जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर सिवनी-नागपुर मार्ग पर सुकतारा हवाई पट्टी से दो किमी दूर आमगांव के खेतों के पास हुई।

जासूसी के शक में पकड़े गए चीनी का फोन जांच को भेजा

श्रीनगर। वीजा नियमों का उल्लंघन कर लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में सामरिक महत्व के स्थानों का दौरा करने के आरोप में हिरासत में लिए गए एक चीनी नागरिक के मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। हू कांगताई नाम के 29 वर्षीय इस शख्स को हिरासत में रखा गया है क्योंकि उसने अपनी यात्रा का कारण नहीं बताया।

कांगताई को तब हिरासत में लिया गया जब सेना की एक इकाई ने इंटरनेट पर एक असामान्य बातचीत देखी। अधिकारियों ने पाया कि उसकी 'ब्राउजिंग हिस्ट्री' से कश्मीर घाटी में अर्धसैनिक बलों की तैनाती में रुचि का संकेत है, जिससे उन्हें पिछले महीने के अंत में लद्दाख में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जांस्कर क्षेत्र की उसकी यात्रा के उद्देश्य का पता लगाने में मदद मिली। उन्होंने बताया कि जांच एजेंसियां यह सुनिश्चित करना चाहती हैं कि कांगताई ने श्रीनगर आने से पहले अपने फोन में दर्ज जानकारी तो नहीं हटाई है।

वह 19 नवंबर को पर्यटक वीजा पर भारत आया था। अधिकारियों के अनुसार, उसने खुले बाजार से एक भारतीय सिम कार्ड का इंतजाम किया था। वह श्रीनगर में भी एक अपंजीकृत गेस्ट हाउस में ठहरा था और हरवान में एक बौद्ध धार्मिक स्थल पर गया था जहां पिछले साल एक मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकवादी मारा गया था।

नाइट क्लब हादसे के बाद फुकेत भागे सौरभ-गौरव

पणजी, एजेंसी

गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना के कुछ घंटे बाद ही उसके मालिक और मुख्य आरोपी सौरभ और गौरव लूथरा फुकेत भाग गए थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गोवा पुलिस ने सौरभ और गौरव लूथरा को पकड़ने के लिए सीबीआई के इंटरपोल प्रभाग से समन्वय स्थापित किया हैं।

गोवा पुलिस के अनुरोध पर खुफिया ब्यूरो (बीओआई) ने 7 दिसंबर तक उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। अधिकारी ने कहा कि मुंबई स्थित आव्रजन ब्यूरो से संपर्क किया गया और पाया गया कि दोनों घटना के तुरंत 7 दिसंबर को सुबह 5.30 बजे फुकेत भाग गए थे। गोवा पुलिस गौरव और सौरभ के दिल्ली वाले घर पहुंची, चूंकि वे नहीं थे, इसलिए के गेट पर कानून की उचित धाराओं के तहत नोटिस चिपका दिया गया।

गोवा अग्निकांड

जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

सरकार ने नाइट क्लब की घटना की जांच करने के लिए सोमवार को मजिस्ट्रेट जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की। अवर सचिव (गृह) मंथन मनोज नाइक ने उत्तरी गोवा के जिलाधिकारी अंकित यादव की अध्यक्षता में जांच समिति गठित करने का आदेश जारी किया। समिति के सदस्यों में दक्षिण गोवा के पुलिस अधीक्षक टीकम सिंह वर्मा, फोरेंसिक विज्ञान निदेशक आशुतोष आप्टे और अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं के उप निदेशक राजेंद्र हलर्नकर शामिल हैं।

घर सार्वजनिक स्थान नहीं, एससी एसटी का केस रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी/ एसटी)अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत अपराध के आरोपियों के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि शिकायतकर्ता के घर को सार्वजनिक स्थल नहीं माना जा सकता।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने आरोपियों द्वारा इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस वर्ष जुलाई के आदेश को चुनौती देने के लिए दाखिल अपील पर फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान अधीनस्थ अदालत के आदेश को बरकरार रखा था।

राज्यसभा में उठाया गया गुमराह करने वाले विज्ञापनों का मुद्दा

स्वाति मालीवाल ने देश में खाद्य पदार्थों में जानलेवा होने तक की हद मिलावट का उठाया मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) की सदस्य स्वाति मालीवाल ने खाद्य पदार्थों के गुमराह करने वाले विज्ञापनों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि ऐसे विज्ञापनों में जो दावे किए जाते हैं, उत्पादों की स्थिति अक्सर उनके उलट होती है। इससे लोग बीमारियों के शिकार होते हैं और कई बार उनकी जिंदगी तक दांव पर लग जाती है।

मालीवाल ने विशेष उल्लेख के जरिए यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, हम रोज टीवी पर गुमराह करने वाले विज्ञापन देखते हैं। विज्ञापन में कहा जाता है कि चॉकलेट हेल्थ ड्रिंक बच्चों को मजबूत बनाता है लेकिन सच्चाई यह है इसके 100 ग्राम पाउडर में 40 ग्राम चीनी होती है। मतलब करीब आधा डिब्बा शुगर होता है। उन्होंने कहा कि मां 'हेल्थ ड्रिंक' समझकर अपने बच्चों को चीनी का घोल पिला रही हैं। उन्होंने कहा कि इसी तरह आटा नूडल्स भी है जिसमें आटे के स्थान पर मैदा और पाम आयल होता है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार जूस में फल नहीं सिर्फ चीनी और रंग होता है। उन्होंने काजू बिस्कुट और बुजुर्गों के लिए बने प्रोटीन पाउडर का भी जिक्र किया और कहा कि इनके बारे में भ्रामक विज्ञापन होता है।

मालीवाल ने कहा कि इन उत्पादों को लोग स्वास्थ्यवर्धक समझ कर खा रहे हैं लेकिन वही धीरे-धीरे उन्हें धीरे-धीरे डायबिटीज, हृदय रोग, मोटापा और उक्त रक्तचाप आदि का कारण बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पान मसाला में भी यही तकनीक अपनाई जाती है और पैकेट में केसर एवं चांदी होने की बात की जाती है। उन्होंने कहा कि मशहूर हस्तियां करोड़ों रुपए लेकर इनका विज्ञापन करती है लेकिन शायद ही वे इनका उपयोग करती हों। उन्होंने कहा कि ऐसे धोखे के कारण ही देश में मुंह के कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है।

मेडिकल शिक्षा के लिए 13 लाख छात्र पात्र, देश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीटें सिर्फ एक लाख

विशेष उल्लेख के जरिए ही कांग्रेस सदस्य नीरज डांगी ने मेडिकल शिक्षा से जुड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि नीट-यूजी का आयोजन करने वाली संस्था एनटीए ने 2024 में कहा कि 13 लाख से अधिक छात्र मेडिकल शिक्षा के लिए पात्र पाए गए। कांग्रेस सदस्य ने कहा कि देश में 702 सरकारी मेडिकल कॉलेज हैं जिनमें कुल सीटों की संख्या करीब एक लाख है। उन्होंने कहा कि शेष 12 लाख छात्रों में से कई छात्र मेडिकल पढ़ाई के लिए निजी मेडिकल कॉलेजों का सहारा लेते हैं जहां पढ़ाई का खर्च प्रति सीट डेढ़ करोड़ रुपये तक होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में छात्र रूस, यूक्रेन, जार्जिया सहित अन्य देशों का रुख करते हैं जहां मेडिकल पढ़ाई का खर्च निजी कॉलेजों की तुलना में काफी कम है।

अमृत विचार

मंगलवार, 9 दिसंबर 2025

सिर्फ वही समाधान सार्थक होते हैं, जो लोग स्वयं खोज लेते हैं।

-सत्यजीत रे, फिल्मकार

लापरवाही की आग

गोवा के एक नाइट क्लब में हुआ भीषण अग्निकांड, जिसने 25 निरपराध लोगों की जान ले ली, जिसमें प्रदेश के दो लोग भी शामिल हैं, केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासनिक उदासीनता, नियमों की अवहेलना और लालच में अंधे व्यावसायिक मॉडल का भयावह परिणाम है। असली दोषी केवल इलेक्ट्रॉनिक पटाखे या क्लब प्रबंधन नहीं, बल्कि वह पूरा तंत्र है, जिसने अवैधता को वर्षों तक पनपने दिया और निरीक्षण की मूल जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा। हैरत की बात है कि यह हादसा पर्यटक सीजन के चरम पर हुआ, जब सरकार को विशेष सतर्कता बरतनी चाहिए थी।

गोवा की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पर्यटन पर निर्भर है, अतः भीड़भाड़, नाइट लाइफ़ और मौसमी गतिविधियों के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का और अधिक कठोरता से पालन स्वाभाविक अपेक्षा है, लेकिन हुआ इसका उलटा। निरीक्षण शिथिल, निगरानी सतही और अवैध प्रतिष्ठानों की भरमार। यह तथ्य कि क्लब के पास न तो कंस्ट्रक्शन लाइसेंस था, न फायर एनओसी और पंचायत ने अवैध निर्माण का नोटिस भी थमा रखा था, फिर भी क्लब निर्बाध रूप से संचालित होता रहा- पूरे प्रशासनिक ढांचे पर गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या कारण था कि कार्रवाई नहीं हुई? क्या यह ढिलाई जानबूझकर बरती गई? या स्थानीय प्रभाव, राजनीतिक संरक्षण और व्यावसायिक हितों के चलते नियमों को हवा में उड़ा दिया गया? कोई भी उत्तर हो- जिम्मेदारी शासन तंत्र पर ही आती है। क्लब का पणजी से 25 किलोमीटर दूर होना शायद क्लब प्रबंधन को यह गलत भरोसा दे गया कि निरीक्षण टीमें इतनी दूर तक बार-बार नहीं आएंगी। यह मानसिकता कि नियमों की पकड़ कमजोर है, भारत में ऐसी दुर्घटनाओं की जड़ है। बैकवॉटर किनारे स्थित इस क्लब में संकरे एंट्री-एग्ज़िट गेट और बेसमेंट में बिना वेंटिलेशन के निर्माण की अनुमति कैसे मिली? दमघोंटू धुएं के कारण हुई मौतें साफ बताती हैं कि भवन निर्माण और आंतरिक सज्जा के मानकों को बर्बर ढंग से नजरअंदाज किया गया था। कई प्रतिष्ठान संगीत, नृत्य, शराब परोसने और बड़े आयोजन चलाने के लिए आवश्यक लाइसेंस लिए बिना ही 'छद्म' व्यापार चलाते हैं। सरकार का यह कहना कि अब सभी क्लबों का सुरक्षा ऑडिट किया जाएगा- एक त्रासदी के बाद जागने जैसा हास्यास्पद और अस्वीकार्य है।

सामान्यतः सुरक्षित माना जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक पटाखों को भीड़भाड़, संकरी जगहें और ज्वलनशील सजावट जोखिमपूर्ण बना सकती है, ऐसे में विवाह समारोहों और बंद हॉल में इनके इस्तेमाल पर गंभीर पुनर्विचार होना चाहिए। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि इस घटना का प्रभाव गोवा की साख पर कितना पड़ेगा? यदि सुरक्षा को लेकर राज्य की यह उदासीनता बनी रही, तो पर्यटकों की संख्या और गिरना अवश्यंभावी है, जिसका व्यापक आर्थिक असर पड़ेगा। सुरक्षा बैरियर, निरीक्षण प्रणाली, लाइसेंस सत्यापन और आपातकालीन प्रतिक्रिया- इन सबका कड़ाई से पालन ही जीवन बचाता है। यह घटना कड़ी चेतावनी है कि किसी भी राज्य को यह भूल नहीं करनी चाहिए कि मनोरंजन या राजस्व कभी भी मानव जीवन से बड़ा नहीं हो सकता। उम्मीद है, सरकारें इस पर ध्यान देंगी।

इंडिगो का संकट और 'गुडाकेश' सिंड्रोम

अनिल यादव

वरिष्ठ पत्रकार

महाभारत में असाधारण वीरता की कथाओं की भूमिका में अर्जुन को 'गुडाकेश' कहकर संबोधित किया गया है, जिसका अर्थ है निद्रा पर विजय प्राप्त करने वाला। योगबल से अर्जुन ने यह शक्ति अर्जित की थी, जब उनके शत्रु नींद से भ्रमित, विक्षिप्त, स्मृति-शिथिल होने लगते थे, विजय सामने आ खड़ी होती थी। ऐसा लगता है कि भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो भी इस 'गुडाकेश' सिंड्रोम की शिकार हो गई है, जो हालिया संकट के प्रमुख कारक के रूप में सामने आया है, जिसके कारण हवाई सेवाएं ठप हुईं, एयरपोर्टों पर अराजकता और अफरातफरी का आलम हुआ, तीन लाख से अधिक यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ीं। किसी एयरपोर्ट पर एक पत्नी अपने पति का शव लेकर कई दिन इंतजार करती दिखी, कहीं इंडिगों संकट में दूल्हे के फंस जाने के कारण मुहूर्त बीत गया और शादी टालनी पड़ी।

महानायक अर्जुन पर देवताओं की जैसी कृपा थी और उन्होंने जो सफलताएं अर्जित कीं, उनकी तुलना इंडिगो की चमत्कारिक उपलब्धियों से की जा सकती है, क्योंकि यह लंबे समय से निवेशकों को मुनाफा देने वाली प्रिय कंपनी बनी हुई है। उड्डयन को संसार के काफी मुश्किल सेक्टर्स में गिना जाता है, जहां बिरले ही कोई कंपनी लगातार मुनाफे में बनी रह पाती है। आए दिन दुनिया की बड़ी-बड़ी एयरलाइन कंपनियों के संकट में होने की खबरें सामने आती रहती हैं। इस परिस्थिति में भी आर्थिक विशेषज्ञ दावे करते रहते हैं कि इंडिगो जिस हिसाब से इस कदर स्पर्धा वाले बाजार में भी साल दर साल मुनाफा बना रही है, वह आने वाले समय में विश्व की सबसे बड़ी एयरलाइंस कंपनी बन सकती है।

> ऐसा लगता है कि भारत की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो 'गुडाकेश' सिंड्रोम की शिकार हो गई है, जिसके कारण हवाई सेवाएं ठप हुईं। तीन लाख से अधिक यात्रियों को परेशानियां उठानी पड़ीं।

इंडिगो के मुनाफे का राज उसके अति सख्त और हठी-प्रबंधन में छिपा है। एक ही एयरक्राफ्ट को दिल्ली-मुंबई जैसे व्यस्त रूट पर अधिकतम चक्कर लगवाना, कुशल ईंधन प्रबंधन, पायलट और क्रू मेंबर्स से बहुत अधिक काम लेना और हर मामले में अधिकतम बचत का सिद्धांत लागू करना। अब हवाई यात्रा में पहले की तरह बिना मांगे पानी नहीं मिलता और उर्जा की बचत के लिए ठंडा खाना बेचा जाता है। यह कोई नया प्रबंधन नहीं है, पुरानी साहूकारी शैली में भी ज्यादा चतुर और कंजूस प्रबंधक यही तरीका अपनाते थे, चूंकि इससे निवेशकों को फायदा मिल रहा है, इसलिए मैनेजमेंट गुरु कामयाबी के गुण गा रहे हैं। कल कोई इससे अधिक कामयाब कंपनी आएगी उसकी जय होगी।

अभी तो जब से सरकार की मुक्त आकाश नीति के तहत उड्डयन का निजीकरण शुरू हुआ, कई कंपनियां अपनी किस्मत आजमाने आईं, लेकिन बंद हो गईं। वहीं इंडिगो का व्यापार बढ़ता गया और भारत जैसे विशाल देश के एविएशन सेक्टर में वो मोनोपॉली स्थापित करने में कामयाब रही। यहां याद रखने लायक है कि इंडिगो का यह विस्तार मुक्त अर्थव्यवस्था के उस बुनियादी सिद्धांत के विपरीत था, जिसमें यह कहा गया था कि कंपटीशन इतना होगा कि ग्राहक को अधिकतम लाभ पहुंचेगा और हवाई चप्पल पहनने वाले गरीब लोग भी हवाई यात्रा कर सकेंगे। सरकार ने जानबूझकर एविएशन सेक्टर में एकाधिकार को बनने दिया। ऐसा क्यों हुआ, कोई छिपी बात नहीं है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश के बाद एयर इंडिया की साख पर जो बट्टा लगा, उसने बाजार में इंडिगो की स्थिति को बहुत मजबूत किया, लेकिन यह भी तथ्य है कि इस हादसे के बाद फ्लाइट सुरक्षा को लेकर चिंताएं गहरी होती गईं। इसी का ध्यान रखते हुए सरकार ने पायलटों के साप्ताहिक आराम की सीमा को बढ़ाकर 36 घंटे से 48 घंटे कर दिया। यह एक जरूरी काम था। जिस तरह दूसरे वाहनों के चालकों को नींद परेशान करती है, पायलटों की भी क्षमताओं पर असर डालती है, तब मानवीय चूक की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस मामले में हुआ यह है कि सरकार ने यह फैसला करने से पहले यह जानने की कोशिश नहीं की कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन के पास कितने पायलट हैं और काम के घंटे अचानक घटाए जाने से एयर ट्रैफिक संकटग्रस्त तो नहीं हो जाएगा?

ज़ाहिर है, सरकार को इंडिगो की वास्तविक स्थिति का अंदाज़ा नहीं था और उसने एयरलाइन को तैयारी का मौका दिए बिना अचानक फैसले का एलान कर दिया। इन दिनों विमानन का जो हाल है लोग जानते हैं, लेकिन इस संकट से लोगों का ध्यान एक बार फिर इस ओर गया कि पैंसेजर ट्रेन और रोडवेज की बसों में ठूंसकर इस देश के आम नागरिक अपने गंतव्य तक कैसे पहुंचते हैं और मुनाफे की होड़ में उड्डयन के बुनियादी सिस्टम की उपेक्षा कितनी भारी पड़ सकती है। इस मामले में अंतिम नतीजा निराशाजनक रहा कि सरकार को पायलटों के काम के घंटों से संबंधित फैसला वापस लेना पड़ा है, लेकिन उसने यात्रियों को नुकसान से बचाने के लिए कंपनी पर जुर्माना लगाया है।

इस राष्ट्रीय संकट जैसी स्थिति में किसी सकारात्मक और हल निकालने वाली सोच का परिचय देने के बजाय विमानन कंपनियों का जोर लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर तिगुने-चौगुने महंगे टिकट बेचकर माल बटोरने वाला रहा। मांग और आपूर्ति के बीच के अंतर का जमकर फायदा उठाया गया, जिसे कारपोरेट की भाषा में आपदा में अवसर भी कहा जाता है, लेकिन मुख्य प्रश्न वही है, इंडिगो जैसी विमानन कंपनियां पायलटों और अन्य स्टॉफ से उतना काम ले रही हैं, जिससे अधिक ले पाना जैविक रूप से संभव नहीं और उन सभी को अर्जुन की तरह गुडाकेश भी नहीं बनाया जा सकता। ऐसे में कोई व्यावहारिक रास्ता खोजना पड़ेगा।

आमने सामने

गहलोत जी आप हर बार की तरह पचपदरा रिफाइनरी पर राजनीति तो खूब कर रहे हैं, लेकिन सच यह है कि देरी और अव्यवस्था की असली नींव आपकी ही सरकार ने रखी थी। भाजपा सरकार ने प्रोजेक्ट को फिर से गति दी, तब आपको यह विकास दिखाई नहीं दे रहा।

-राजेंद्र राठौड़
भाजपा नेता, राजस्थान

राठौड़ जी 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' वाली कहावत आप पर बिल्कुल सटीक बैठती है। रिफाइनरी पर बोलने से पहले आपको अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। चार साल तक 'रिव्यू' के नाम पर आपने राजस्थान के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है।

-टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

राष्ट्रमंडल खेल, विश्व ओलंपिक का अवसर

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 2036 के विश्व-ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक 'अग्रदूत' हैं। यह आयोजन भारत की सांस्कृतिक-शक्ति (सॉफ्ट पॉवर) को नई ऊंचाई दे सकता है, परंतु किसी भी प्रकार की प्रशासनिक कमी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा सकती है। विशाल खेल आयोजन किसी भी राष्ट्र के लिए मात्र खेल-प्रतियोगिताएं नहीं होते, बल्कि वे उस देश की राजनीतिक इच्छा-शक्ति, आर्थिक सामर्थ्य, सांस्कृतिक पहचान और प्रशासनिक परिपक्वता का सार्वजनिक प्रदर्शन भी होते हैं। आधुनिक समय में खेल कूटनीति एक प्रकार की सांस्कृतिक-शक्ति बन चुकी है, ऐसी शक्ति जो बिना किसी सैन्य बल के, विश्व समुदाय को अपने अनुकूल प्रभावित कर सकती है। भारत लंबे समय से विश्व-स्तर पर अपनी प्रतिष्ठा के विविध आयामों को सुदृढ़ करने का प्रयास करता आया है और 2036 के विश्व-ओलंपिक आयोजन की महत्वाकांक्षा इसी दिशा का अगला स्वाभाविक चरण है।

ओलंपिक जैसे विराट आयोजन से पहले 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी को भारत एक प्रकार के 'पूर्वाभ्यास', 'पूर्व-ओलंपिक नमूने' और 'वैश्विक विश्वास की परीक्षा' के रूप में देख रहा है। यह रणनीति जितनी आकर्षक संभावनाएं प्रदान करती है, उतनी ही गंभीर आर्थिक, प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियां भी प्रस्तुत करती है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में इस प्रकार के आयोजनों की तैयारी केवल खेल मंत्रालय का नहीं, बल्कि केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, नगर निकायों, सुरक्षा संस्थाओं, निजी क्षेत्र, तकनीकी विशेषज्ञों, खेल संघों और व्यापक समाज—सभी का संयुक्त प्रयास मांगती है। यदि भारत 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को सफलतापूर्वक आयोजित कर लेता है, तो विश्व में यह संदेश जाएगा कि देश 2036 के विश्व-ओलंपिक जैसे महाकाय आयोजन को संभालने में सक्षम है। यही कारण है कि यह आयोजन भारत की विश्वसनीयता के लिए एक निर्णायक पड़ाव साबित हो सकता है।

> 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि 2036 के विश्व-ओलंपिक प्रस्ताव का निर्णायक 'अग्रदूत' हैं।

भारत की सबसे बड़ी प्रेरणा सांस्कृतिक-शक्ति को सुदृढ़ करना है। आज वैश्विक राजनीति में खेल आयोजन एक सांस्कृतिक उत्सव से आगे बढ़कर राष्ट्र की क्षमताओं की खुली परीक्षा बन चुके हैं। राष्ट्र अपनी तकनीकी दक्षता, शहर-प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक समावेशन, पर्यावरण-जागरूकता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास का विश्व मंच पर प्रदर्शन करते हैं। भारत यदि 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों को उच्च स्तर पर संपन्न करता है, तो यह निःसंदेह भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

इस प्रतिष्ठा की कीमत क्या होगी? यह वह कठिन प्रश्न है, जिसे अनदेखा करना भारत के लिए नुकसानदेह हो सकता है। विशाल खेल आयोजनों का सबसे विवादास्पद पहलू उनकी भारी आर्थिक लागत है। 2010 के राष्ट्रमंडल खेल अभी तक भारत की प्रशासनिक छवि पर एक दाग की तरह मौजूद हैं। अत्यधिक खर्च, भ्रष्टाचार, समय पर कार्य न होना और आयोजन स्थल की कमजोर गुणवत्ता ने भारत की छवि को काफी प्रभावित किया था। यदि वर्ष 2030 में फिर ऐसी ही कोई कमी सामने आती है, तो 2036 विश्व-ओलंपिक का सपना लगभग असंभव हो सकता है, इसलिए आर्थिक अनुशासन, पारदर्शिता, बहु-स्तरीय जांच और जवाबदेह व्यवस्था को आज से ही प्राथमिकता देनी होगी।

इस सबके साथ-साथ 2030 का आयोजन भारत के लिए एक प्रयोगशाला भी सिद्ध हो सकता है। यह अवसर होगा- शहरी अधोसंरचना, यातायात प्रबंधन, आपदा-प्रतिक्रिया, हरित ऊर्जा, जल-निकास प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं, सार्वजनिक सुरक्षा, और खेल विज्ञान को अंतर्राष्ट्रीय मानक पर परखने का। इस स्तर के आयोजनों में क्षण भर की चूक भी बड़े संकट उत्पन्न कर सकती है, इसलिए वर्ष 2030 का आयोजन भारत के लिए पूर्ण स्तर वाला अभ्यास सिद्ध हो सकता है, जिसमें न केवल खेल प्रबंधन बल्कि संपूर्ण शासन प्रणाली की परीक्षा होगी।

इसके अतिरिक्त, शहरी प्रशासन को सबसे कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। कोई भी विशाल खेल आयोजन केवल खेल-स्थल और खिलाड़ियों के निवास-स्थल तक सीमित नहीं रहता। यह पूरे नगर के परिवहन, मार्ग-संरचना, हवाई अड्डों की क्षमता, स्वच्छता प्रणाली, जल प्रबंधन, रात्रिकालीन प्रकाश व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारी, भीड़ नियंत्रण, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग का तनाव परीक्षण बन जाता है।

यह तैयारी अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि इससे नगरों का बुनियादी ढांचा विश्व-स्तर पर पहुंच सकता है। चुनौती इसलिए कि कहीं ऐसा न हो कि यह निवेश केवल 'दिखावे की अधोसंरचना' में बदल जाए, जो आयोजन—उपरांत उपयोगहीन रह जाए। दुनिया में अनेक उदाहरण हैं, जहां खेल आयोजनों में बनाए गए स्टेडियम और भवन बाद में 'मरे हुए ढांचे' बन गए। भारत में भी यह समस्या पहले देखी जा चुकी है, इसलिए यह अनिवार्य है कि जो भी अवसंरचना बनाई जाए, वह आयोजन के बाद भी जनसाधारण, खेल प्रशिक्षण संस्थानों और नगर-विकास के लिए उपयोगी बनी रहे।

प्रसंगवश

सामूहिक बुद्धिमत्ता का मानचित्र

भारत का भू-सांस्कृतिक मानचित्र केवल एक नक्शा नहीं, बल्कि मिट्टी, जल, खेती, परंपराओं, समुदायों और सांस्कृतिक व्यवहारों की सामूहिक बुद्धिमत्ता का मानचित्र है। यह उस भारत का प्रतिरूप है, जिसकी बनावट केवल भौगोलिक सीमाओं से नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से विकसित एक जीवंत सांस्कृतिक पारिस्थितिकी से होती है। जिस समय दुनिया जलवायु संकट, जैव विविधता के क्षरण और असंतुलित शहरीकरण की मार झेल रही है, उस समय भारत का यह भू—सांस्कृतिक दृष्टिकोण विकास की नई दिशा का आधार बन सकता है।

कुमार सिद्धार्थ

वरिष्ठ पत्रकार

आधुनिक विकास मॉडल ने प्रकृति और संस्कृति के बीच जन्मे उस संतुलन को लगातार पीछे धकेला, जो भारतीय जीवन पद्धति की आत्मा था। बीते दो शताब्दियों में आर्थिक वृद्धि के नाम पर वह दृष्टि हावी हुई, जिसने जल, भूमि और समुदायों को संसाधन भर मान लिया। परिणाम यह हुआ कि भारत की अर्थव्यवस्था में कभी 32 प्रतिशत तक योगदान देने वाला प्रकृति संस्कृति का साझा योग घटकर मात्र चार प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस पृष्ठभूमि में भू-सांस्कृतिक मानचित्रण का विचार न केवल वैज्ञानिक महत्त्व रखता है, बल्कि भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला सांस्कृतिक दस्तावेज भी बन सकता है।

भू-सांस्कृतिक मानचित्र की अवधारणा यह स्वीकार करती है कि भारत को सिर्फ 15 एग्रो—क्लाइमेटिक ज़ोन में बांटकर नहीं समझा जा सकता। देश की मिट्टी, नमी, स्थलरूप, ऋतु—चक्र, कृषि—पद्धति, बोली—भाषाएं, लोक—ज्ञान और सामुदायिक ढांचे इतनी विविधता लिए हुए हैं कि वास्तविकता में यहां 86 से अधिक भू-सांस्कृतिक क्षेत्र मौजूद हैं। इन क्षेत्रों की पहचान सात प्रमुख मानकों के आधार पर की जाती है। मिट्टी का प्रकार, जल—उपलब्धता, खेती, प्राकृतिक वनस्पतियां, पारंपरिक पेशे, सांस्कृतिक व्यवहार और सामुदायिक जल—प्रबंधन। इन सभी तत्वों के संगम से बनने वाले प्रत्येक क्षेत्र का चरित्र विशिष्ट होता है और वही इसे भू—सांस्कृतिक इकाई बनाता है।

इस अवधारणा की चर्चा हाल ही में नई दिल्ली स्थित इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी में आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला में हुई, जहां देशभर के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, अर्थशास्त्रियों, डिज़ाइन विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे भारत के भविष्य की दिशा के रूप में रेखांकित किया। विकास बनाम पुनर्जनन के संदर्भ में नये नजरिए को विकसित करने के लिए जल चेतना वाहक एवं जानकार डॉ. राजेंद्र सिंह ने भू—सांस्कृतिक मानचित्र की संकल्पनना का एक खाका सामने रखा, जो विकास की पुरानी दृष्टि से बाहर आकर प्रकृति और संस्कृति के पुनर्जनन को केंद्र में होने की पैरवी करता है। ये आत्मनिर्भर भारत का मूल मार्ग होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर मधुलिका बैनर्जी बताती हैं कि शिक्षा व्यवस्था ने लोक ज्ञान को उपेक्षित किया है, जबकि भारतीय समाज प्रकृति और संस्कृति के सह अस्तित्व पर टिका है। एनसीईआरटी के विशेषज्ञों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि स्थानीय भू-सांस्कृतिक अध्ययन को पाठ्यक्रम में शामिल किए बिना शिक्षा को वास्तविक जीवन से नहीं जोड़ा जा सकता। पर्यावरणीय अर्थशास्त्री विजय परांजपे का मानना है कि भारत के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां संस्कृति और पारिस्थितिकी के पारंपरिक तालमेल को फिर से समझने की आवश्यकता है। हमें भू-सांस्कृतिक दृष्टि के आर्थिक पक्ष को भी देखने की जरूरत होगी। भारत के कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां संस्कृति और पारिस्थितिकी के पारंपरिक तालमेल को फिर से समझने की आवश्यकता है।

सोशल फोरम

अपने बच्चे की सुंदरता पर मोहित मां बन गई खूनी

हरियाणा के पानीपत और सोनीपत जिलों से जुड़ी घटना है। एक शादी समारोह में छह साल की बच्ची विधि की मौत को दुर्घटना समझा जा रहा था। विधि अपने परिवार के साथ नौल्था गांव में एक विवाह समारोह में आई थी। देर रात जब बारात निकलने की तैयारी हो रही थी, तब बच्ची के लापता होने की सूचना मिली। परिवार के लोग उसे ढूंढते रहे, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। तड़के जब उसकी दादी ऊपर की मंजिल पर पहुंचीं, तो एक स्टोर रूम का दरवाजा बाहर से बंद मिला। दरवाजा खोलने पर बच्ची का शव एक प्लास्टिक के टब में औंधे मुंह पड़ा मिला, जिसमें सिर्फ उसका सिर पानी में डूबा था। शुरुआत में परिवार इसे हादसा मान रहा था, लेकिन पुलिस को स्थिति संदिग्ध लगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में हत्या की आशंका जाहिर हुई, जिसके बाद मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया।

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

जांच के दौरान पुलिस की नजर बच्ची की मौसी पूनम पर गई, जिसकी बातों में विरोधाभास थे। पूछताछ में जो सच सामने आया, उसने सबको सन्न कर दिया। 34 वर्षीय पूनम ने स्वीकार किया कि वह सिर्फ विधि ही नहीं, बल्कि कुल चार बच्चों की हत्याएं कर चुकी है, जिनमें उसका अपना ढाई-तीन साल का बेटा भी शामिल था। पुलिस के अनुसार पूनम को अपने बच्चे से ज्यादा सुंदर दिखने वाले बच्चों को मारने की इच्छा होती थी। उसने जनवरी 2023 में अपनी सगी भाभी की नौ साल की बेटी को पानी की टंकी में डुबोकर मार डाला। इसके बाद उसने अपने बेटे की भी हत्या कर दी, क्योंकि उसे डर था कि बच्चा सच्चाई बता सकता है।

अगस्त 2024 में उसने अपनी मौसेरी बहन की छह साल की बेटी की हत्या की, जिसे भी परिवार ने दुर्घटना मान लिया। हर बार मौत का तरीका एक ही था, पानी में डुबोना। सालों तक इन हत्याओं को संयोग और हादसा समझा जाता रहा, जब तक कि विधि की हत्या ने पूरी परतें नहीं खोल दीं। यह घटना हमें अचानक झकझोर कर यह पूछने पर मजबूर करती है कि क्या हम अपराध को केवल कानून की भाषा में समझकर संतुष्ट हो सकते हैं, या हमें उसके भीतर छिपे उस अंधेरे को भी देखना होगा जो धीरे-धीरे मनुष्य को मनुष्य से काट देता है। चार-चार बच्चों की हत्या कोई क्षणिक उन्माद नहीं होती। वह लंबी मानसिक यात्रा का परिणाम होती है, जिसमें समाज, परिवार और व्यक्ति तीनों की चुप्पियां शामिल होती हैं।

सामयिकी

घर की चुप्पी में दम तोड़ती आधी आबादी

देश में घरेलू महिला हिंसा की ताज़ा तस्वीर बेहद चिंताजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट बताती है कि भारत में लगभग हर तीसरी महिला अपने जीवन के किसी न किसी पड़ाव पर अपने ही जीवनसाथी द्वारा की गई हिंसा का सामना करती है। यह आंकड़ा केवल एक सांख्यिक संकेत नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संवेदना पर एक गहरा प्रश्न है। एक ऐसा दस्तावेज़, जो घर की चारदीवारी में दबा दिया जाता है और बाहर की मुस्कान के पीछे छुपा रहता है।

यह तस्वीर हमारे सामाजिक ढांचे में मौजूद उस दरार को भी उजागर करती है, जहां रिश्तों के नाम पर सहनशीलता को संस्कार बताया जाता है और संरक्षण के नाम पर स्त्री के हिस्से में मौन का बंधन आता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत की 15 से 49 वर्ष आयु-वर्ग की लगभग बीस प्रतिशत महिलाओं ने केवल वर्ष 2023 में ही अपने अंतरंग साथी द्वारा की गई हिंसा का अनुभव किया। अपने ही घर में, अपने ही विश्वस्त साथी द्वारा की गई हिंसा किसी भी सभ्य समाज की असफलता का सबसे स्पष्ट प्रमाण है। यह हमारे उन नैतिक और पारिवारिक मूल्यों पर भी प्रश्न खड़ा करती है, जिन्हें हम गर्व से 'भारतीय संस्कार' कहते हैं।

संध्या राजपुरोहित

शिक्षिका

घरेलू हिंसा को आमतौर पर शारीरिक उत्पीड़न की संकीर्ण परिभाषा में बांध दिया जाता है, जबकि सच्चाई इससे कहीं आगे जाती है। अपमान, उपेक्षा, अविश्वास ये मानसिक हिंसा हैं। आवाज़ दबा देने वाली तिरस्कारपूर्ण चुप्पी, आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाले ताने ये भावनात्मक हिंसा हैं। आर्थिक निर्भरता को हथियार बनाना यह वित्तीय हिंसा है और सहमति को महत्व न देना यौनिक हिंसा है। कई बार यह हिंसा सामाजिक रूप ले लेती है, जब महिला को अपनों से अलग कर दिया जाता है या उसे परिवार के बीच ही अपमानित किया जाता है। यह धीमी, भीतर से तोड़ने वाली प्रक्रिया स्त्री के भीतर ऐसी दरारें पैदा कर देती है।

ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए वर्ष 2005 में लागू हुआ घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इस कानून ने पहली बार स्पष्ट किया कि घरेलू हिंसा केवल मारपीट नहीं, बल्कि मानसिक, आर्थिक, भावनात्मक और यौन हिंसा भी है। इसने पीड़िता को संरक्षण आदेश, निवास के अधिकार, भरण-पोषण, मेडिकल सहायता, काउंसलिंग और आवश्यक होने पर सुरक्षा कर्मी उपलब्ध कराने की व्यवस्था दी। कई राज्यों में प्रोटेक्शन ऑफिसर, वन-स्टॉप सेंटर और हेल्पलाइन सेवाओं ने हजारों महिलाओं तक पहुंच बनाई है। अनेक मामलों में यह कानून उनके लिए जीवन और मृत्यु के बीच निर्णायक सहारा साबित हुआ है।

कानून अपनी जगह है और समाज अपनी जगह। घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम ने जो ढांचा पेश किया, वह जितना आश्वासक है, उसका क्रियान्वयन उतना ही सीमित। प्रोटेक्शन ऑफिसरों की कमी, पुलिस और न्यायिक तंत्र की सुस्ती और पितृसत्तात्मक रवैये ने इस कानून की प्रभावशीलता को बाधित किया है। कई महिलाएं शिकायत तक दर्ज नहीं कर पातीं और जो करती हैं, उन्हें कानूनी प्रक्रिया की जटिलता और सामाजिक आलोचना का सामना करना पड़ता है, इसलिए कानून ने रास्ता तो खोला है, पर उस रास्ते पर चलने के लिए अभी भी साहस से अधिक व्यवस्था की आवश्यकता है। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक कोई भी कानून पूरी तरह कारगर नहीं हो सकता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्वभर में लगभग 84 करोड़ महिलाएं अपने जीवन में कभी न कभी शारीरिक या यौन हिंसा का शिकार हो चुकी हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

विनम्रता का जीवंत प्रतीक

सूपा देउराली मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति और विनम्रता का जीवंत प्रतीक है। यह स्थान हमें यह सिखाता है कि विश्वास और नम्रता में ही शक्ति निहित है। अर्घाखांची की यह पवित्र धरा आज भी भक्तों के लिए आस्था का दीप प्रज्ज्वलित किए हुए है, जहां हर कदम पर भक्ति की सुगंध और देवी की कृपा की अनुभूति होती है।

ऐसे पहुंचे मंदिर

सुपा देउराली मंदिर श्रद्धा, विश्वास और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत संगम है। समुद्र तल से लगभग 1,500 मीटर की ऊंचाई पर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है । यहां तक पहुंचने के लिए नेपाल के अंदर अर्घाखांची वाया बुटवल आना होता है, जबकि भारतीय सीमा के बढ़नी, खुनुवा, ककरहवा आदि से होकर आना होता है। बढ़नी, खुनुवा से इसकी दूरी 75 से 100 किमी की है, जबकि ककरहवा से यह दूरी थोड़ी बढ़ जाती है। साधन की जहां तक बात है, तो यदि अपने साधन से हैं, तो प्रतिदिन के हिसाब से भारतीय मुद्रा में 350 रुपये खर्चा आता है और यदि आप नेपाली साधन से जाना चाहें तो दांग, नेपालगंज से अर्घाखांची जाने नेपाली बस या बिंगर हमेशा उपलब्ध है।

सूपा देउराली नेपाल के सुदूर पहाड़ी पर स्थित देवी भगवती के एक रूप का मंदिर है, जहां नेपाल के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं। भारत के यूपी, बिहार, भूटान से भी हजारों श्रद्धालु जाते रहते हैं। सूपा देउराली की ख्याति नेपाल के प्रमुख धार्मिक स्थल के रूप में तो है ही, साथ ही इसकी पहचान प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में भी है। सूपा देउराली देवी स्थल से करीब तीन किलोमीटर दूर नरपानी नामक एक पहाड़ी स्थल जहां के रिसोर्ट लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां भारतीय टूरिस्टों की भीड़ सदैव रहती है। यह स्थल नेपाल के लुम्बिनी प्रदेश के अर्घाखांची जिले के संधिखर्क नगरपालिका में स्थित है।

सूपा देउराली मंदिर

आस्था, चमत्कार और सौंदर्य का संगम

उत्पत्ति और पौराणिकता

कहा जाता है कि प्राचीन समय में यह इलाका केवल जंगल और पहाड़ियों से घिरा एक निर्जन स्थान था। एक दिन एक ग्वाला अपनी गायें चराते हुए यहां आया और देखा कि अपने आप एक पत्थर से दूध बह रहा है। वह हैरान होकर गांव लौट गया और सबको इस बात की जानकारी दी। ग्रामीण लोग ने वहां पहुंचकर पूजा-अर्चना आरंभ कर दी। धीरे-धीरे वहीं से देवी का दिव्य स्वरूप प्रकट हुआ और उस स्थान को सूपा देउराली नाम से जाना जाने लगा। स्थानीय भाषा में 'सूपा' का अर्थ 'उच्च' या 'शानदार' और 'देउराली' का अर्थ 'पहाड़ी दर्रा' या 'विश्राम स्थल' होता है। यानी 'ऊंचे पहाड़ी पर विराजमान देवी का मंदिर।' इस मंदिर पर आकर पूजा-अर्चना करने से यूं तो तमाम प्रकार की मन्नतें पूरी होती हैं, लेकिन कहते हैं कि कुमारी लड़कियां सुंदर व खुशहाल वर के लिए यहां आकर पूजा अर्चना करती हैं।

यशोदा श्रीवास्तव
लेखक

प्राकृतिक सौंदर्य

मंदिर के चारों ओर हरियाली, पर्वत श्रृंखलाएं और दूर-दूर तक फैले हिमालय के दृश्य इस स्थल को अद्भुत बनाते हैं। सुबह के समय धुंध से घिरी पहाड़ियों के बीच से उगता सूरज और मंदिर की घंटियों की गूंज वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।

विनम्रता का संदेश

स्थानीय लोककथाओं में एक चमत्कारिक घटना आज भी प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि कई वर्ष पहले एक नेपाली जवान, जो ब्रिटिश सेना में सेवा कर चुका था, छुट्टी लेकर अपने गांव लौट रहा था। गर्व से भरा हुआ वह जब सूपा देउराली के पास पहुंचा, तो गांव वालों ने उसे देवी के दर्शन करने की सलाह दी, लेकिन घमंडी सेना का जवान हंसकर बोला, "मैं सैनिक हूं, मेरा कोई देवी-देवता क्या कर सकते हैं?" फिर वह मंदिर के पास जाकर उपहास पूर्वक एक पत्थर पर पैर रखकर कुछ व्यंग्य भरे शब्द बोला। तभी अचानक उसका शरीर उसी पत्थर से चिपक गया। गांव वाले भयभीत हो उठे और पुजारी को बुलाया गया। पुजारी ने देवी से क्षमायाचना करते हुए पूजा की और घंटों की प्रार्थना के बाद ही वह जवान पत्थर से अलग हो सका। वह रोते हुए देवी के चरणों में गिर पड़ा और क्षमा मांगते हुए अपनी भूल का पश्चाताप किया। आज भी उस स्थान को "सैनिक टासेको ढुंगा" यानी "जहां सैनिक चिपक गया था" कहा जाता है। वहां भी आने वाले श्रद्धालु फूल, धूप और दीप अर्पित कर देवी से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

बोधकथा

पिंकी का स्वाभिमान

पिंकी एक छोटे से कस्बे के साधारण परिवार की लड़की थी। उसके पिता सिलाई का काम करते थे और माता एक निजी स्कूल में सहायिका थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य थी, किंतु पिंकी आत्मसम्मान की भावना से पूर्णतया समृद्ध थी। उसे अपने परिवार की ईमानदारी पर गर्व था और अपनी मेहनत की बदौलत आगे बढ़ने का विश्वास भी। पिंकी पढ़ाई में होशियार थी और उसकी आवाज़ में आत्मविश्वास झलकता था। स्कूल की प्रतियोगिताओं में वह अक्सर भाग लिया करती थी, चाहे संसाधन कम हों या सुविधाएं। कई बार उसके सहपाठी उसकी साधारण वेशभूषा का मज़ाक भी उड़ाते थे। वे कहते, "देखो, पिंकी फिर वही पुरानी फ्रॉक पहनकर आ गई। इसको तो स्कूल की गतिविधियों में हिस्सा ही नहीं लेना चाहिए।" पिंकी इन बातों को मन में रखती जरूर थी, पर टूटती नहीं थी। उसे मालूम था कि मनुष्य का मूल्य चमकते कपड़ों से नहीं, बल्कि उज्ज्वल विचारों से तय होता है।

एक दिन स्कूल में वाद-विवाद प्रतियोगिता की घोषणा हुई। विषय था-"स्वाभिमान ही वास्तविक संपत्ति है।" पिंकी के मन में तो जैसे कोई दीपक जल उठा। उसने निश्चय कर लिया कि चाहे कुछ भी हो जाए, वह इस प्रतियोगिता में अवश्य भाग लेगी, लेकिन समस्याएं यहीं से शुरू हो गईं। प्रतियोगिता के दिन उसके पिता को काम पर जाना था और माता स्कूल से देर से लौटती थीं। पिंकी को स्वयं तैयारी करनी थी। उसके पास नया पहनने को कुछ नहीं था, जबकि बाकी छात्र-छात्राएं मंच पर जाने के लिए नए कपड़े सिलवा रहे थे। जब वह फ़ॉर्म भरकर कक्षा में लौटी, तो कुछ लड़कियों ने व्यंग्य से कहा, "पिंकी, मंच पर जाने के लिए नए कपड़े नहीं होंगे तो सब मज़ाक समझेंगे! छोड़ दे, तुझे क्या ज़रूरत है?"

पिंकी के भीतर उस क्षण हल्की-सी टीस उठी, लेकिन उसने दृढ़ता से उत्तर दिया, "मंच पर कपड़े नहीं, आत्मविश्वास चमकता है। मैं भाग लूंगी।" शाम को जब पिंकी घर पहुंची, तो उसने पिता को बताया कि वह प्रतियोगिता में भाग लेने वाली है। पिता ने मुस्कराते हुए कहा, "बिटिया, नए कपड़े तो इस बार नहीं दिला पाए, परंतु हमारा आशीर्वाद तेरे साथ है।" पिंकी ने सिर हिलाया और कहा, "मुझे बस इसी की आवश्यकता है, पिताजी।"

अगले दो दिन वह पूरी लगन से अपने भाषण की तैयारी करती रही। भाषण की हर पंक्ति में उसने अपने जीवन के अनुभवों को गूंथ दिया। कैसे स्वाभिमान किसी भी कठिनाई में मनुष्य का सहारा बनता है, कैसे आत्मसम्मान के बल पर मनुष्य विपरीत परिस्थितियों में भी टिककर खड़ा रहता है, यह सब कुछ उसके भाषण में झलक रहा था।

प्रतियोगिता का दिन आया। स्कूल पहुंचते ही पिंकी की अभिन्न मित्र रेखा ने अपनी महंगी पोशाक उसे देते हुए कहा,"पिंकी, आज तुम इसे पहनकर मंच पर जाओगी। मैं नहीं चाहती कि कोई तुम्हारा ज़रा भी मज़ाक बनाए।" लेकिन पिंकी के स्वाभिमान ने उसे ऐसा नहीं करने दिया। पिंकी बोली,"रेखा, मैं तेरी भावनाएं समझती हूं, लेकिन अगर आज मैंने तुम्हारी बात मान ली, तो मेरे भीतर से मेरी स्वाभिमान की दौलत खत्म हो जाएगी।" पिंकी ने अपनी साफ-सुथरी मगर पुरानी फ्रॉक ही पहनी और बालों को साधारण तरीके से बांध लिया। उसके कुछ सहपाठियों ने हंसकर कहा, "इस रूप में भी कोई मंच पर जाता है?" लेकिन पिंकी बिना कोई प्रतिक्रिया दिए आगे बढ़ गई। उसके कदम भले हल्के थे, पर मन भीतर से दृढ़ था। जब मंच पर उसका नाम पुकारा गया, तो सभागार शांत हो गया। पिंकी ने माइक पकड़ा और बोलना शुरू किया, "स्वाभिमान वह शक्ति है, जो किसी भी व्यक्ति को झुकने नहीं देती।गरीबी हो या कठिनाई, यदि मन में आत्मसम्मान है तो मनुष्य हर बाधा पर विजय पा सकता है" उसके शब्दों ने मानो पूरे सभागार पर जादू कर दिया हो। पिंकी के शब्दों में सच्चाई थी, अनुभव था और संघर्ष की चमक भी। उसके भाषण ने यह संदेश दे दिया था कि इंसान की असली सजावट उसके मूल्यों में होती है, न कि महंगे वस्त्रों में। भाषण समाप्त होते ही पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

वह पल पिंकी कभी नहीं भूल पाई, जबकि अनगिनत लोग सिर्फ उसकी बातों के लिए, उसके साहस के लिए और उसके स्वाभिमान के लिए ताली बजा रहे थे। जब परिणाम घोषित हुए, तो पिंकी प्रथम स्थान पर रही। प्रिंसिपल ने ट्रॉफी देते हुए कहा, "पिंकी, आज तुमने सिद्ध कर दिया कि सफलता दिखावे की नहीं, विश्वास की मोहताज होती है।" मंच से उतरते हुए पिंकी के वही सहपाठी, जो उसके कपड़ों पर हंसते थे, आज सर नीचा किए खड़े थे। घर लौटकर पिंकी ने ट्रॉफी पिता की गोद में रख दी और कहा, "पिताजी, आज मैंने जो जीता है, वह आपसे मिली हुई सीख की वजह से। उसके पिता की आंखें भर आईं। उन्होंने पिंकी को हृदय से लगा लिया।

प्रेरणा अवस्थी, लखीमपुर खीरी

पौराणिक कथा

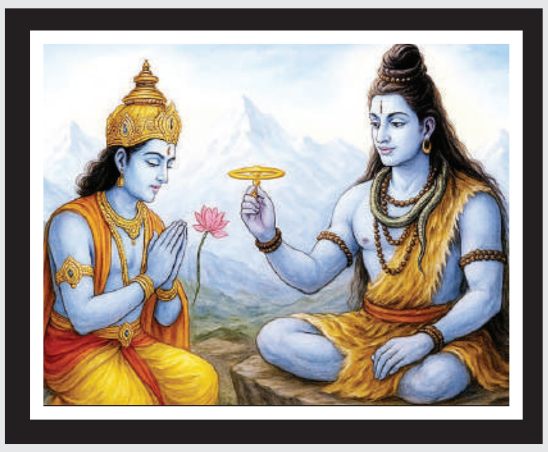

सुदर्शन चक्र की उत्पत्ति

एक समय ऐसा आया जब धरती पर राक्षसों का अत्याचार अपनी चरम सीमा पर पहुंच गया। उनके आतंक से न केवल मनुष्य त्रस्त थे, बल्कि देवताओं के लिए भी धार्मिक कार्य करना कठिन हो गया था। राक्षसों का उद्देश्य केवल पृथ्वी को ही नहीं, बल्कि स्वर्गलोक को भी अपने अधीन करना था। देवराज इंद्र चिंतित थे, राक्षसों की शक्ति प्रतिदिन बढ़ रही थी और देवताओं का सामर्थ्य उनके सामने क्षीण पड़ रहा था। अंततः स्वर्ग के सभी देवगण इंद्र के नेतृत्व में भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे और व्याकुल स्वर में बोले- "हे नारायण, राक्षसों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। कृपा कर हमें इस संकट से मुक्ति दें।" भगवान विष्णु देवताओं की व्यथा सुनकर गंभीर हुए। वे जानते थे कि इस विनाशकारी स्थिति का समाधान स्वयं वे नहीं, बल्कि भगवान शिव कर सकते हैं। विष्णुजी शिवजी को अपना आराध्य मानते थे और शिवजी विष्णुजी को अपना इष्ट। इसलिए देवताओं की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने हिमालय की पर्वत शृंखलाओं पर जाकर भगवान शिव की तपस्या करने का निश्चय किया।

विष्णुजी ने शिव के सहस्त्र नामों का जाप आरंभ किया। उनका संकल्प था कि प्रत्येक नाम के साथ एक कमल का फूल अर्पित करेंगे। तप की अग्नि में लीन होकर वे निरंतर एक-एक नाम का उच्चारण करते और कमल अर्पित करते गए। इस अद्भुत भक्ति को देखकर भगवान शिव ने मन ही मन सोचा-"क्यों न आज मैं अपने आराध्य की भक्ति की परीक्षा लूं?" यही सोचकर शिव ने अपनी दिव्य शक्ति से एक कमल का फूल अदृश्य कर दिया।

तप में लीन भगवान विष्णु को इसका आभास तक न हुआ। जब सहस्त्र नामों के अंतिम नाम का उच्चारण करने का समय आया, तब उन्होंने देखा कि कमल एक कम है। यदि कमल चढ़ाया नहीं गया, तो उनका संकल्प भी अधूरा रह जाएगा और तपस्या भंग हो जाएगी। परंतु भगवान विष्णु का मन तनिक भी विचलित न हुआ। विष्णुजी कमल नयन कहलाते हैं, इसलिए उन्होंने निश्चय किया कि कमल के स्थान पर वे अपनी आंख अर्पित करेंगे। बिना किसी संकोच के अपनी एक आंख भगवान शिव को समर्पित कर दी।

विष्णुजी की इस निष्ठा और त्याग को देखकर भगवान शिव अत्यंत प्रसन्न हुए और तुरंत प्रकट होकर बोले- "हे विष्णु, तुम्हारी भक्ति से मैं अत्यंत प्रसन्न हूं। मांगो, क्या वर चाहते हो?" विष्णुजी ने विनम्र होकर कहा- "प्रभो, राक्षसों के अत्याचार से देवता और मनुष्य सभी कष्ट में हैं। उनका अंत करने हेतु आप ही अजेय शस्त्र दे सकते हैं। वही वर प्रदान कीजिए।" भगवान शिव ने मुस्कुराते हुए अपने परम दिव्य और अजेय शस्त्र सुदर्शन चक्र विष्णुजी को अर्पित किया। इस चक्र की शक्ति से भगवान विष्णु ने समस्त राक्षसों का संहार कर संसार को पुनः धर्म और शांति के मार्ग पर स्थापित किया। *–फीचर डेस्क*

किचन का गलत वास्तु बढ़ा सकता है मेडिकल बिल!

किचन में अगर आग, पानी और दिशाओं का संतुलन बिगड़ा हो तो सबसे ज्यादा असर पाचन शक्ति, ब्लड प्रेशर, तनाव, हार्मोनल और स्त्री-रोगों पर देखा जाता है। आसान उपायों से बिना तोड़-फोड़ के भी किचन के वास्तु को काफी हद तक संतुलित किया जा सकता है। जिससे आप और आपका परिवार खुशहाल जीवन बिता सकता है।

कौन सी बीमारियां संभव हैं

- अगर किचन उत्तर-पूर्व (ईशान) दिशा में हो तो गैस, एसिडिटी, कब्ज, पाचन गड़बड़ी, मानसिक तनाव और चिंता जैसे रोग बढ़ सकते हैं, क्योंकि यहां जल तत्त्व पर अग्नि हावी हो जाती है।
- दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य) में किचन होने पर घर के पुरुषों को ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, दुर्घटना, क्रॉनिक स्ट्रेस और डिप्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ने की संभावना मानी जाती है।
- दक्षिण-पश्चिम किचन या आग तत्त्व की गड़बड़ी से घर की महिलाओं को पैरों में दर्द, कमजोरी और स्त्री-रोग, हार्मोनल इंबैलेंस की दिक्कतें भी बताई गई हैं।
- किचन में रंग और ऊर्जा गलत हों (जैसे बहुत गहरा लाल या नीला/जल तत्त्व वाले रंग) तो सिरदर्द, माइग्रेन और चिड़चिड़ापन बढ़ सकता है।

क्या है आदर्श वास्तु

- किचन की सबसे शुभ दिशा दक्षिण-पूर्व (अग्नि कोन) मानी जाती है, इसके बाद उत्तर-पश्चिम दिशा ठीक रहती है।

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
वास्तु विशेषज्ञ

- गैस-चूल्हा या कुकटॉप दक्षिण-पूर्व कोने में हो और खाना बनाते समय आपका मुख पूर्व दिशा की ओर हो तो स्वास्थ्य और ऊर्जा दोनों के लिए अच्छा रहता है।
- सिंक, वॉश-बेसिन, ड्रेनेज आदि उत्तर या उत्तर-पूर्व साइड में रखें, ताकि पानी और आग तत्त्व आपस में टकराएं नहीं।

आसान घरेलू उपाय

- जहां पर भी चूल्हा लगा है, उस ज़ोन को साफ-सुथरा रखें, रोज़ दीया या छोटी लौ जलाकर 2-3 मिनट मंत्र/प्रार्थना करें, इससे अग्नि तत्त्व संतुलित होता है और नकारात्मक ऊर्जा कम होती है।
- अगर किचन उत्तर-पूर्व में है, तो वहां हमेशा सफाई रखें, हल्के पीले/क्रीम रंग का पेंट या स्टिकर लगाएं, आग के ठीक आसपास लाल रंग कम से कम रखें, और उस कोने में ज्यादा भारी सामान न रखें।
- दक्षिण-पश्चिम किचन होने पर उस कोने में भारी स्टोरेज (अनाज, डिब्बे) रखें, खूब अर्थी टोन (ब्राउन, बेज) के रंग प्रयोग करें और रोज़ मोटा सेंधा नमक छोटे कटोरे में रखकर बदलते रहें, इससे तनाव और विवाद की ऊर्जा कम होती मानी जाती है।
- किचन में पीला, हल्का नारंगी, ब्राउन जैसे गर्म लेकिन सॉफ्ट रंग दीवारों/टाइल्स/कर्टेन में रखें, नीला/डार्क ब्लू और काला रंग कम से कम रखें, खासकर गैस के पीछे या आसपास।
- अगर किचन में कोई कोना डेड या बहुत बंद है, वहां हल्का क्वाट्र्ज/मेटल पिरामिड या छोटा फव्वारा/पौधा रखने से रुकी हुई ऊर्जा को चलायमान करने में मदद मिलती है (कॉमर्शियल पिरामिड भी बहुत लोग इसी उद्देश्य से लगाते हैं)।

स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त टिप्स

- किचन हमेशा साफ, सूखा और हवादार रखें, एग्ज़ॉस्ट या चिमनी से धुआं और गर्मी बाहर निकलने दें, इससे सांस और सिरदर्द से जुड़ी दिक्कतें भी घटती हैं।
- अनाज, दाल, तेल आदि के भारी डिब्बे दक्षिण या पश्चिम साइड रखें, उत्तर-पूर्व में भारी स्टोरेज से बचें, इससे स्वास्थ्य और समृद्धि दोनों बेहतर मानी जाती हैं।
- रात को सोने से पहले किचन साफ करके गैस-स्टोव पोंछें, गंदे बर्तन न छोड़ें और एक छोटी कटोरी में थोड़ा पानी और या तो कपूर/लौंग/इलायची जला कर सुगंध फैलाएं, इससे मानसिक शांति और सकारात्मकता बढ़ती है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000–18000, धनिया 9000–11000, अजवायान 13500–20000, मेथी 6000–8000 सौंफ 9000–13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800–1000, बादाम 780–1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300–400, मखाना 800–1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1–5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000–13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7550–8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000–9000, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800–10400, चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900–8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000–10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, बहेड़ी 4320

मुनाफावसूली से सेंसेक्स 610 अंक लुढ़का

दो सत्रों की बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार में आई तेज गिरावट, निफ्टी भी 26 हजार के नीचे पहुंची

- विदेशी निवेशकों की बिकवाली से बाजार पर बढ़ा दबाव
- फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले निवेशकों ने अपनाया सतर्क रुख

मुंबई, एजेंसी

लगातार दो सत्रों की बढ़त के बाद सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में तेज गिरावट हुई और सेंसेक्स 610 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 26,000 के स्तर से नीचे आ गया। ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली और विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से बाजार पर दबाव बढ़ गया। इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इससे बाजार धारणा और कमजोर हुई।

बीएसई का सेंसेक्स 609.68 अंक गिरकर 85,102.69 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 836.78 अंक टूटकर 84,875.59 पर आ गया था। एनएसई का निफ्टी भी 225.90 अंक गिरकर 25,960.55 अंक पर आ गया। एक समय यह 294.2 अंक टूटा था। सेंसेक्स की कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, इटर्नल, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व, भारतीय स्टेट बैंक, पावरग्रिड, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, टाइटन, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, लार्सन एंड टूब्रो और भारती एयरटेल में गिरावट हुई। वहीं, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। शेयर बाजार के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 438.90 करोड़ के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 4,189.17 करोड़ के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.61 प्रतिशत गिरकर 63.37 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि चौतरफा गिरावट देखने को मिली और निफ्टी 26,000 के स्तर के नीचे आ गया। निवेशक फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक से पहले सतर्क हो गए। मजबूत घरेलू वृद्धि आंकड़ों और आरबीआई की हालिया ब्याज दर कटौती के बावजूद छोटी अवधि की धारणा दबाव में है। ऐसा वैश्विक मौद्रिक नीति को लेकर चिंताओं, एफआईआई की लगातार बिकवाली और मुद्रा के कमजोर होने के चलते है। जापानी बॉण्ड प्रतिफल के उच्च स्तर तक उछल जाने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ा, जिससे येन कैरी ट्रेड के वापस होने की आशंकाएं बढ़ीं।

मिड व स्मॉलकैप सहित सभी सेक्टरों में गिरावट

मझोली कंपनियों के बीएसई मिडकैप सूचकांक में 1.73 और छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप सूचकांक में 2.20 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,348 शेयरों में गिरावट रही जबकि 950 शेयरों में तेजी रही और 187 अपरिवर्तित रहे। क्षेत्रवार सूचकांकों में सेवा खंड में 3.70, रियल्टी में 3.50, पूंजीगत वस्तुओं में 2.83, दूरसंचार में 2.53, औद्योगिकी वस्तुओं में 2.21, उपयोगिताओं में 2.10, धातु में 1.96 और बिजली में 1.84 प्रतिशत की गिरावट रही।

निवेशकों के 7.12 लाख करोड़ रुपये डूबे

दो कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद सोमवार को मुनाफावसूली होने से शेयर बाजारों में भारी गिरावट आने से निवेशकों की संपत्ति 7.12 लाख करोड़ रुपये कम हो गई। इस गिरावट के बीच बीएसई की कंपनियों का बाजार पूंजी 7,12,514.68 करोड़ से घटकर 4,64,19,108.91 करोड़ रुपये यानी 5.15 लाख करोड़ डॉलर रह गई।

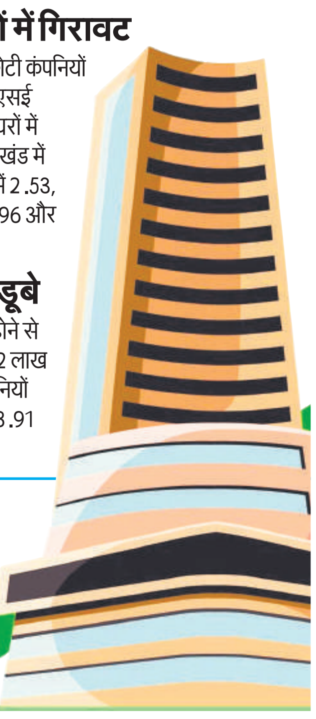

भारत अपने स्त्रोतों से तेल खरीदने को आजाद : रूस

मॉस्को, एजेंसी

- रूस ने भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर रहेगा कायम

रूस ने सोमवार को कहा कि भारत एक संप्रभु राष्ट्र है और वह उन स्रोतों से तेल खरीदने के लिए आजाद है, जिन्हें वह लाभकारी मानता है। इसके साथ ही रूस सरकार ने पूरा भरोसा जताया कि भारत अपने आर्थिक हित सुनिश्चित करने की नीति पर कायम रहेगा।

अमेरिका ने रूस से तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया है। अगस्त के अंत में भारतीय वस्तुओं और सेवाओं के आयात पर कुल अमेरिकी शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया। रूसी शासन मुख्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि भारत, एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में विदेशी व्यापार करता है और ऊर्जा संसाधन वहीं से खरीदेगा है, जहां से उसे लाभ मिलेगा। वह पिछले शुक्रवार को नयी दिल्ली में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई शिखर वार्ता के संदर्भ में संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

ऐसी रिपोर्ट हैं कि भारत पश्चिमी दबाव के चलते अपने तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी धीरे-धीरे घटा रहा है। क्रेमलिन के आर्थिक सहयोगी मक्सिम ओरेश्किन ने कहा कि प्रतिबंधों को दरकिनार करने का रूस के पास लंबा अनुभव है। यदि भारत तैयार है, तो हम कच्चे तेल की आपूर्ति जारी रखने का रास्ता खोज लेंगे।

आरएसआई: एक महत्वपूर्ण तकनीकी इंडिकेटर

आरएसआई यानी रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स एक महत्वपूर्ण तकनीकी इंडिकेटर है, जिसका उपयोग शेयर, क्रिप्टो या किसी भी वित्तीय संपत्ति के ट्रेंड और मोमेंटम को समझने के लिए किया जाता है। यह 0 से 100 के पैमाने पर काम करता है और बताता है कि कोई शेयर ओवरबॉट (अधिक खरीदा गया) है या ओवरसोल्ड (अधिक बेचा गया)। यदि आरएसआई 70 के ऊपर जाता है तो यह संकेत देता है कि कीमतें अधिक बढ़ चुकी हैं और गिरावट की संभावना बढ़ सकती है, वहीं आरएसआई 30 के नीचे आने पर तेजी की उम्मीद बढ़ती है। यह इंडिकेटर ट्रेडर्स को एंट्री और एग्जिट का सही समय समझने में मदद करता है।

क्या है आरएसआई : आरएसआई एक मोमेंटम ऑसिलेटर है, जो पिछले मूल्य परिवर्तनों की गति और दिशा को मापता है। इसे 1978 में वाइल्डर ने विकसित किया था और आज लगभग हर ट्रेडर इसे चार्ट विश्लेषण का प्रमुख आधार मानता है। यह 14-दिन की औसत कीमतों पर आधारित होता है और इसके जरिए यह पता चलता है कि बाजार में खरीदारी अधिक हो रही है या बिकवाली हावी है।

कैसे करता है काम : आरएसआई की गणना शेयर के औसत लाभ और औसत नुकसान के आधार पर की जाती है। इसके बाद एक फॉर्मूले के जरिए स्कोर 0–100 के बीच निकलता है।

ट्रेंड, रिवर्सल और सिग्नल : आरएसआई शेयर बाजार में मोमेंटम समझने का एक शक्तिशाली संकेतक है, जो निवेशकों और ट्रेडर्स को ट्रेंड, रिवर्सल और सिग्नल की शुरुआती झलक देता है। हालांकि इसे अकेले इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, लेकिन सही विश्लेषण के साथ यह ट्रेडिंग निर्णयों को अधिक सटीक बनाता है।

इसकी सीमाएं

बहुत तेज़ ट्रेंड में आरएसआई कई बार गलत संकेत दे देता है। केवल आरएसआई देखकर निर्णय लेना जोखिमपूर्ण है, इसलिए इसे एमएसीडी, मूविंग एवरेज आदि के साथ उपयोग करना बेहतर है। ओवरबॉट ज़ोन में कीमतें लम्बे समय तक बनी रह सकती हैं, जिससे सिग्नल देर से मिलता है।

- **70 से ऊपर :** संकेत कि कीमतें ऊंचे स्तर पर हैं, मुनाफावसूली की संभावना।
- **30 से नीचे :** संकेत कि कीमतें कमजोर हैं, रिवर्सल यानी तेजी आने का मौका।
- **50 के आसपास :** बाजार संतुलित है, न खरीदारी, न बिकवाली।

इसके फायदे

- ट्रेंड कमजोर या मजबूत है, यह जल्दी पहचान लेता है।
- एंट्री और एग्जिट का समय तय करने में मदद करता है।
- डाइवर्जेन्स से ट्रेंड रिवर्सल का अंदाजा लगाया जा सकता है।
- नई और पुरानी दोनों रणनीतियों में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

भारत, ईयू ने की व्यापार समझौते पर बात

- दोनों पक्षों में इस्पात, कार्बन कर, वाहन और गैर-शुल्क बाधाओं नहीं बन पाई है सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार आयुक्त मैरोस सेफ्कोविच ने सोमवार को प्रस्तावित व्यापार समझौते से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सेफ्कोविच व्यापार वार्ता के लिए भारत आए यूरोपीय संघ (ईयू) अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे हैं। यह बैठक इस लिहाज से अहम है कि दोनों पक्ष व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देना चाहते हैं। सेफ्कोविच ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हमारी व्यापार और निवेश बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए पीयूष गोयल के साथ दो दिन की मैराथन बैठकों के लिए भारत में हूं।

यूरोपीय संघ की टीम में व्यापार महानिदेशालय सेबाइन वेयंड, भारत में ईयू के राजदूत हर्वे डेल्फिन, ईयू के मुख्य वार्ताकार क्रिस्टोफ कीनर और भारत में ईयू प्रतिनिधिमंडल के व्यापार खंड के प्रमुख पेट्रोस सोरमेलिस शामिल हैं। दोनों पक्षों के बीच अभी तक इस्पात, कार्बन कर, वाहन और गैर-शुल्क बाधाओं जैसे कुछ क्षेत्रों में अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। भारत और 27 देशों के समूह ईयू ने आठ साल से ज़्यादा के अंतराल के बाद जून 2022 में व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए फिर से बातचीत शुरू की थी। बाजार खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण वर्ष 2013 में यह रुक गया था।

भारत, अमेरिका 10-11 दिसंबर को करेंगे वार्ता

अमेरिका के उप अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) रिक स्विट्जर की अगुवाई वाला प्रतिनिधिमंडल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए इस सप्ताह भारत का दौरा करेगा। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेगा। इस समझौते के लिए अमेरिका के मुख्य वार्ताकार (दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि) ब्रेंडन लिंच भारत के मुख्य वार्ताकार और वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव दर्पण जैन के साथ चर्चा करेंगे। यूएसटीआर के कार्यालय से उप व्यापार प्रतिनिधि दूत रिक स्विट्जर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल 9–11 दिसंबर तक भारत का दौरा करेगा। यह बातचीत व्यापार से संबंधित सभी मुद्दों पर होगी। दोनों ही देश व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। अमेरिकी अधिकारी पिछली बार 16 सितंबर को भारत आए थे। ये बातचीत इसलिए अहम है, क्योंकि वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा था कि भारत अमेरिका के साथ एक मसौदा व्यापार समझौते पर पहुंचने को लेकर आशावादी है।

वारी सोलर की मिला सौर पैनल का ठेका

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज की अमेरिकी इकाई वारी सोलर अमेरिकाज इंक को अमेरिका की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी सबांसी रिन्यूएबल्स से 288 मेगावाट के सौर पैनल का ठेका मिला है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि वह शेयर बाजार को यह ठेका मिलने की जानकारी पांच दिसंबर को पहले ही दे चुका है। इसमें कहा गया कि यह ठेका टेक्सास में दो बड़ी सौर ऊर्जा परियोजनाओं, वाको स्थित पेपर सौर परियोजना और ब्रैशियर स्थित लकी-7 सौर परियोजना में बांटा गया है।

आरबीआई 16 को करेगा 5 अरब डॉलर के डॉलर-रुपया की अदला-बदली

मुंबई, एजेंसी

- वित्तीय प्रणाली में अतिरिक्त नकदी डालने के लिए बैंक डॉलर के बदले एक तय समय के लिए आरबीआई से लेंगे रुपया

भारतीय रिजर्व बैंक ने सोमवार को कहा कि वह 16 दिसंबर को पांच अरब डॉलर (45,000 करोड़ रुपये) की डॉलर-रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली के लिए नीलामी करेगा। वित्तीय प्रणाली में अतिरिक्त नकदी डालने को ऐसा किया जाएगा। इसके तहत बैंक आरबीआई को डॉलर बेचेंगे और बदले में आरबीआई बैंकों को रुपया देगा। इससे व्यवस्था में रुपये की मात्रा बढ़ती है।

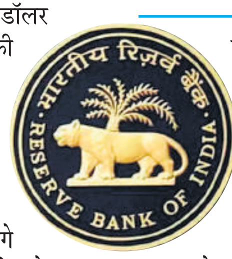

केंद्रीय बैंक ने कहा कि यह अदला-बदली रिजर्व बैंक की ओर से एक साधारण विदेशी मुद्रा खरीद/बिक्री अदला-बदली होगा। अदला-बदली अवधि खत्म होने पर बैंक उतनी ही मात्रा में डॉलर वापस खरीदने पर सहमत होते हैं। आरबीआई ने कहा कि रिजर्व बैंक 16 दिसंबर को 36 महीने की अवधि के लिए पांच अरब डॉलर का डॉलर-रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली नीलामी करेगा। इसके के तहत न्यूनतम बोली आकार एक करोड़ डॉलर होगा और उसके बाद 10 लाख डॉलर के गुणांक में बोली लगाई जा सकेगी। वहीं, आरबीआई 11 और 18 दिसंबर 2025 को दो चरणों में 50,000-50,000 करोड़ रुपये की कुल एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद नीलामी भी आयोजित करेगा। आरबीआई ने कहा कि वह बदलती नकदी स्थिति और बाजार हालात पर लगातार नजर रखेगा और नकदी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

चावल, चीनी और दालें मजबूत गेहूं नरम, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के अलावा चीनी और दालों में भी तेजी रही जबकि गेहूं टूट गया। वहीं, खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया।

- औसत दर्जे के चावल की कीमत 127 रुपये बढ़ी, गेहूं चार तो आटा 23 रुपये प्रति क्विंटल गिरा

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 127 रुपये बढ़कर 3,858.67 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं चार रुपये सस्ता हुआ और 2,858.82 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा 23 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। दाल-दलहनों में बढ़त रही। तुअर दाल 205 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गयी। मसूर दाल की कीमत 167 रुपये और चना दाल की 133 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मूंग दाल में 115 रुपये और उड़द दाल में 36 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल औसतन 76 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। सोया तेल 71 और सूरजमुखी तेल 66 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट में रहा। वनस्पति 112 और मूंगफली तेल 70 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल 31 रुपये बढ़ी। मीठे के बाजार में गुड़ 107 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। चीनी 16 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

उड़ानें रद्द होना इंडिगो के लिए नेगेटिव, वित्तीय हानि भी

नई दिल्ली, एजेंसी

- मूडीज रेटिंग एजेंसी बोली- एक साल से तय नियमों का सही से नहीं कर सकी पालन

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में व्यापक स्तर पर हुई अव्यवस्था राजस्व हानि के साथ ही उड़ानों के रद्द होने पर संभावित जुर्मानों की वजह से वित्तीय नुकसान का कारण बन सकती है। मूडीज रेटिंग्स ने सोमवार को यह बात कही।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि एयरलाइन एक साल से अधिक पहले विमानन उद्योग के लिए निर्धारित नियमों के लिए सही योजना नहीं बना पाई, जिसके चलते उसे इस विफलता का सामना करना पड़ा। मूडीज ने एक टिप्पणी में कहा कि ये अव्यवस्थाएं एयरलाइन की साख के लिए भी नकारात्मक हैं। इसमें कहा गया, अस्थायी राहत के बावजूद नए विमानन नियमों के लिए प्रभावी योजना न बना पाना एयरलाइन की साख के लिए नकारात्मक है। यह अव्यवस्था बेहद व्यस्त शीतकालीन उड़ान सत्र की वजह से और बिगड़ गई।

इस बार उड़ानें रद्द होने का सिलसिला दो दिसंबर से शुरू हुआ और एयरलाइन ने पांच दिसंबर को 1,600 से अधिक उड़ानों को रद्द किया। एयरलाइन अभी तक सामान्य स्थिति बहाल नहीं कर पाई है। सोमवार को भी 500 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। मूडीज ने कहा कि ये व्यवधान साख के लिए नकारात्मक हैं, क्योंकि इंडिगो को राजस्व हानि, उड़ान रद्दीकरण, रिफंड और प्रभावित यात्रियों को अन्य क्षतिपूर्ति के साथ ही डीजीसीए द्वारा लगाए जा सकने वाले जुर्मानों के कारण महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

मूडीज ने योजना, निगरानी और संसाधन प्रबंधन में एयरलाइन की महत्वपूर्ण चूक को इसका प्रमुख कारण बताया क्योंकि ये नियम उद्योग को एक साल से अधिक पहले बताए गए थे।

बीएसई ने इंडिगो से मांगा स्पष्टीकरण, शेयर 8% लुढ़का

- एक्सचेंज ने विमान सेवा कंपनी को कारण बताओ नोटिस किया जारी

मुंबई। शेयर बाजार बीएसई ने विमानन नियामक डीजीसीए द्वारा विमान सेवा कंपनी इंडिगो को कारण बताओ नोटिस की खबरों के संबंध में एयरलाइंस से स्पष्टीकरण मांगा है। बीएसई ने सोमवार को बताया कि एक वेबसाइट की खबर का लिंक देते हुए कहा कि इसमें कहा गया है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एलबर्स को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए और समय दिया है तथा इसमें विफल रहने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। शेयर बाजार ने इस खबर पर एयरलाइंस से जवाब मांगा है। इस बीच, बीएसई में इंडिगो का शेयर आज 444.75 रुपये (8.28 प्रतिशत) गिरकर 4,926.55 रुपये रह गया। कंपनी के शेयर में इस महीने 16.54 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। नवंबर के अंतिम कारोबारी दिवस पर एयरलाइंस का शेयर 5902.70 रुपये पर बंद हुआ था। इस प्रकार, यह 976.15 रुपये टूट चुका है।

सौर योजनाओं को लागू करने में समन्वय जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसदीय समिति ने कहा- चार एजेंसियों ने बिजली खरीद समझौते पर नहीं किए हस्ताक्षर

संसदीय समिति ने नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत संचालित सौर योजनाओं की धीमी प्रगति से जुड़े मुद्दों की पहचान और समाधान के लिए राज्यों और विकासकर्ताओं के बीच करीबी समन्वय पर बल दिया है। संसदीय समिति ने सोमवार को संसद में पेश रिपोर्ट में कहा कि ऊर्जा क्षेत्र की चार कार्यान्वयन एजेंसियों (एसईसीआई, एनएचपीसी, एसजेवीएन और एनटीपीसी) से जारी बोलियों में 30 जून, 2025 तक 44 गीगावाट के लिए बिजली खरीद समझौते पर हस्ताक्षर नहीं हुए हैं।

ऊर्जा पर गठित समिति की रिपोर्ट कहती है कि अधिकांश योजनाओं/कार्यक्रमों जैसे प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीः एमबीवाई), पीएम-कुसुम और सोलर पार्कों के विकास से संबंधित योजना की प्रगति धीमी रही है। मुफ्त बिजली योजना का लक्ष्य 2026-27 तक एक करोड़ घरों में छतों पर सौर इकाई लगाना है। समिति ने मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई जानकारी के आधार पर बताया कि जून 2025 तक 16 लाख छतों पर सौर इकाई लगाए गए हैं। इस योजना के तहत 84 लाख घरों में छतों पर सौर इकाई लगाने का काम 2025-2027 के सिर्फ दो वर्षों में करना होगा। समिति ने जागरूकता की कमी को योजना के क्रियान्वयन में सुस्ती का मुख्य कारण बताया है।

निर्णय — बोर्ड ने कहा– वित्तीय स्थिरता, जोखिम प्रबंधन तथा व्यापार को आसान बनाने को नए नियम

सेबी ने मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी

- नकदी वाली संपत्ति की जरूरत व स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को किया अनिवार्य

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत नकदी वाली शुद्ध संपत्ति की जरूरत होगी और स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा।

नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना तथा व्यापार को आसान बनाना है। बाजार नियामक सेबी ने तीन दिसंबर को जारी एक अधिसूचना में मर्चेंट बैंकर को एक ही कंपनी के अंतर्गत अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की गतिविधियां चलाने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दे दी है।

सेबी की अधिसूचना के मुताबिक, एक मर्चेंट बैंकर ऐसी गतिविधियां कर सकता है जो किसी अन्य वित्तीय क्षेत्र नियामक (एफएसआर) के दायरे में आती हैं। साथ ही सेबी या किसी अन्य वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के दायरे में नहीं आने वाली गतिविधियां शुल्क आधारित, गैर-निधि आधारित होनी चाहिए और वित्तीय सेवा क्षेत्र से संबंधित होनी चाहिए। यह निर्णय सेबी के निदेशक मंडल की दिसंबर, 2024 में हुई बैठक में गैर-विनियमित गतिविधियों को एक अलग कानूनी इकाई में स्थानांतरित करने की मंजूरी देने के बाद आया है।

एआईएफ को बदलने की प्रक्रिया जारी

सेबी ने मौजूदा वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) योजनाओं को केवल मान्यता प्राप्त निवेशकों या बड़े मूल्य कोष में परिवर्तित करने की प्रक्रिया जारी की। सेबी के परिपत्र के अनुसार, इस परिवर्तन के लिए सभी निवेशकों की सकारात्मक सहमति और संबंधित शर्तों का पालन करना आवश्यक है। नवंबर में सेबी ने नियमों में संशोधन किया था, जिसके तहत केवल मान्यता प्राप्त निवेशकों के लिए अलग एआईएफ योजनाओं की अनुमति थी।

निवेशकों को शिक्षित करने में ताजा आंकड़ों का प्रयोग नहीं होगा : सेबी चेयरमैन

मुंबई। बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि बाजार नियामक जल्द ही निवेशकों को शिक्षित करने के लिए बाजार के ताजा आंकड़ों के उपयोग पर रोक के लिए संबंधित नियमों में बदलाव करेगा। सेबी प्रमुख का यह बयान वित्तीय मामलों पर ऑनलाइन सामग्री साझा करने वाले इनफ्लुएंसर अवधूत साठे पर जुर्माना लगाने और उनसे 546 करोड़ की वसूली का आदेश आने के कुछ दिनों बाद आया है। पांडेय ने कहा कि निवेशकों की शिक्षा से जुड़े नियमों में कोई कमी नहीं है लेकिन इस मामले में केवल समझ की कमी हो सकती है। उन्होंने एनएसई में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही।

स्पेक्ट्रम शुल्क 5% करने का प्रस्ताव ट्राई ने नकारा

नई दिल्ली, एजेंसी

- शहरों में प्रति कनेक्शन 500 रुपये का शुल्क हटाने का प्रस्ताव भी दूरसंचार विभाग ने रखा

दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को दूरसंचार विभाग के उस प्रस्ताव को नकार दिया, जिसमें उपग्रह संचार (सैटकॉम) कंपनियों से चार की जगह पांच प्रतिशत वार्षिक स्पेक्ट्रम शुल्क वसूलने की बात कही गई थी। इसमें शहरी क्षेत्रों में प्रति कनेक्शन 500 रुपये का शुल्क हटाने का प्रस्ताव भी था।

दूरसंचार विभाग ने भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) की उन सिफारिशों में बदलाव की मांग की थी, जो एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक, भारती समूह समर्थित यूटेलसैट वनवेब और जियो एसईएस जैसी कंपनियों के लिए उपग्रह संचार स्पेक्ट्रम के आवंटन और शुल्क निर्धारण से जुड़ी हैं। ये सैटकॉम कंपनियां भारत में इंटरनेट सेवाएं शुरू करने की तैयारी में हैं। विभाग ने ट्राई से 4% वार्षिक स्पेक्ट्रम शुल्क पर पुनर्विचार कर 5% का सुझाव दिया था। यह सुझाव भी दिया था कि अगर कंपनी के एक वर्ष में 5% ग्राहक सीमावर्ती एवं पहाड़ी क्षेत्रों जैसे इलाकों से हों, तो 1% की छूट दी जाए, यदि लक्ष्य पूरा हो जाए तो प्रति ग्राहक 500 रुपये का शुल्क भी हटाया जाए।

ट्राई ने विभाग के प्रस्ताव पर कहा कि सरकार एफएसएस (फिक्स्ड सैटेलाइट सर्विसेज) का लाभ उठाने को अतिरिक्त योजना अपना सकती है, ताकि कठिन और दूरस्थ क्षेत्रों- जैसे पहाड़ी इलाकों, सीमाई क्षेत्रों और द्वीपों- में तेज और किफायती ब्रॉडबैंड सेवाओं का विस्तार किया जा सके।

वर्ल्ड ब्रीफ

जकार्ता में लुप्तप्राय जायंट पांडा के शावक ने लिया जन्म

जकार्ता। इंडोनेशिया के जावा प्रांत के वन्य जीव संरक्षण केंद्र तमन सफारी इंडोनेशिया (टीएसआई) में एक विशाल पांडा शावक ने जन्म लिया है। यह घटना देश के लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने के प्रयासों में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। टीएसआई के सोमवार के बयान के अनुसार, इस शावक को 27 नवंबर को मादा पांडा हचुन ने जन्म दिया। हचुन उन दो विशाल पांडाओं में से एक है जिन्हें चीन के साथ 10 साल के संरक्षण सहयोग कार्यक्रम के तहत 2017 में इंडोनेशिया भेजा गया था। टीएसआई ने कहा कि यह जन्म उसकी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित प्रजनन कार्यक्रम की प्रभावशीलता को दर्शाता है। इसमें चीन के विशेषज्ञों का भी सहयोग मिला है। शावक की हालत स्थिर है और उसे लगातार निगरानी में रखा जा रहा है।

पैरिस के लूव्र म्यूजियम की लाइब्रेरी में घुसा पानी 400 किताबें भीगीं

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस स्थित सुप्रसिद्ध लूव्र म्यूजियम में पानी भर जाने मिस्र विद्या या मिस्रविज्ञान (इजिप्टोलॉजी) लाइब्रेरी की सैकड़ों किताबें खराब हो गई हैं। फ्रांसीसी मीडिया ने रविवार को संग्रहालय के उप प्रबंधक फ्रांसिस स्टेनबॉक के हवाले से बताया कि 26 नवंबर को हुई इस घटना से 300 से 400 किताबें प्रभावित हुईं। इनमें मिस्र की पढ़ाई से संबंधित पत्रिकाएं और वैज्ञानिक प्रलेखन शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल शोधकर्ता नियमित रूप से करते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक कलाकृति या चीज को नुकसान नहीं हुआ है और कोई भी ऐसा नुकसान नहीं हुआ है जिसे ठीक न किया जा सके।

म्यामांर में 1178 चीनी साइबर अपराधियों को वापस भेजा गया

बीजिंग। चीन के जन सुरक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि इस महीने की शुरुआत से म्यांमार के म्यावाडी में टेलीकॉम धोखाधड़ी के मामलों में शामिल कुल 1,178 चीनी नागरिकों को वापस लाया गया है। मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि एक दिसंबर से संदिग्धों को चीनी पुलिस की निगरानी में थाईलैंड के रास्ते समूहों में सौंपा गया है। यह हस्तांतरण 14 नवंबर को चीन, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड, वियतनाम के बीच मंत्री स्तरीय बैठक के बाद हुआ। बैठक में शामिल देशों ने आपसी सहयोग से सीमा पार टेलीकॉम धोखाधड़ी पर कार्रवाई शुरू करने पर सहमति जताई।

प्रवासियों को आईसीई के आदेशों का पालन न करने का अधिकार

न्यूयार्क, एजेंसी

न्यूयॉर्क शहर के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर प्रवासियों से कहा कि उन्हें अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के एजेंट से बात करने या उनकी बात मानने से इन्कार करने का अधिकार है। यह वीडियो संघीय एजेंट की ओर से मैनहट्टन में की गई छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद साझा किया गया है।

ममदानी ने शहर के 30 लाख प्रवासियों की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए कहा, यदि आप अपने अधिकारों को जानते हैं तो हम सब मिलकर आईसीई का सामना कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया

कि लोग संघीय एजेंट के बात नहीं करने का विकल्प चुन सकते हैं, उनके वीडियो बना सकते हैं और यदि एजेंट के पास न्यायाधीश द्वारा हस्ताक्षरित न्यायिक वारंट नहीं है तो निजी स्थान में प्रवेश के उनका अनुरोध अस्वीकार कर सकते हैं। मेयर का यह बयान न्यूयॉर्क के चाइनाटाउन के पास कैनाल स्ट्रीट पर आईसीई द्वारा लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश किए जाने एक सप्ताह बाद आया, जहां प्रदर्शनकारियों ने विरोध जताया था।

आजादी के गीत पर राजनीतिक संग्राम

बंकिम चंद्र चटर्जी लिखित गीत वंदेमातरम् जो कभी आजादी की लड़ाई का प्रमुख हथियार बना था, आजाद भारत में अब उसी गीत पर राजनीतिक संग्राम छिड़ गया है। यह विवाद इसलिए शुरू हुआ है क्योंकि इस गीत के 150 साल पूरे होने पर संसद में विशेष चर्चा आयोजित की गई है और सत्ता पक्ष और विपक्ष ने 1937 में गीत के कुछ महत्वपूर्ण अंशों को हटाने के ऐतिहासिक फैसले पर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए हैं। इस सियासी विवाद की गहराई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लोकसभा में इस पर चर्चा की शुरुआत खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। विपक्ष भी इस पर कम आक्रामक नहीं है। वह उन ऐतिहासिक विशेषज्ञों का हवाला दे रहा है जिनके अनुसार 1937 में वंदे मातरम् के कुछ छंदों को हटाने का निर्णय राष्ट्रीय आंदोलन में समावेशिता बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया था।

वंदे मातरम् पर विवाद

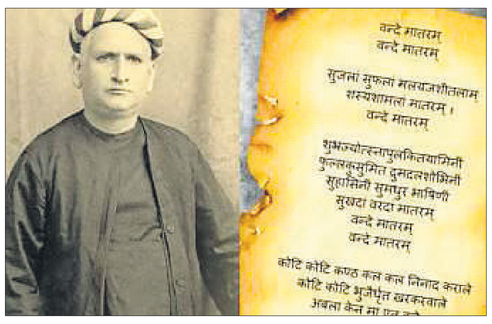

सत्तापक्ष के आरोप

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कांग्रेस ने 1937 में मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् के महत्वपूर्ण छंदों को हटा दिया, जिससे गीत की मूल भावना कमजोर हुई।
- प्रधानमंत्री ने दावा किया कि छंदों को हटाने का यह निर्णय तुष्टीकरण की राजनीति का हिस्सा था और इसी मानसिकता ने 1947 में देश के विभाजन के बीज बोए।
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ब्रिटिशों की फूट डालो और राज करो की नीति सांप्रदायिक आपत्ति के पीछे थी, जिसे तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बढ़ावा दिया।

विपक्ष का जवाब

- कांग्रेस ने कहा, यह निर्णय रवींद्रनाथ टैगोर सहित स्वतंत्रता संग्राम के शीर्ष नेताओं की सलाह पर लिया गया था, ताकि इसे एक साझा राष्ट्रीय गीत बनाया जा सके।
- प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर वास्तविक मुद्दों जैसे बेरोजगारी और असमानता से ध्यान भटकाने के लिए इस बहस को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।
- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा है, भाजपा-आरएसएस ने अपने कार्यक्रमों में कभी वंदे मातरम या राष्ट्रगान नहीं गाया है, कांग्रेस ही हमेशा से इसकी ध्वजवाहक रही है।

मद्रास हाईकोर्ट का आदेश

- मद्रास हाईकोर्ट ने जुलाई 2017 में एक महत्वपूर्ण फैसले में तमिलनाडु के सभी स्कूलों में वंदे मातरम् गाना अनिवार्य कर दिया था।
- अदालत का आदेश था सभी सरकारी-निजी स्कूलों में सप्ताह में कम से कम एक बार वंदे मातरम् गाया जाना अनिवार्य होना चाहिए।
- अदालत ने छात्रों को विवेक की स्वतंत्रता दी। कहा, यदि कोई गीत गाने में सहज महसूस नहीं करता है तो उसे बाध्य नहीं किया जाए।
- बाद में सुप्रीम कोर्ट ने वंदेमातरम् को अनिवार्य करने के आदेश पर रोक लगा दी और कहा- किसी को बाध्य नहीं किया जा सकता है।

क्या कहता है इतिहास

- मूल गीत के बाद के छंदों में हिंदू देवी-देवताओं के संदर्भ थे। मुस्लिम लीग ने इन्हें इस्लाम के एकेश्वरवाद के खिलाफ बताकर आपत्ति की थी।
- गांधी, नेहरू, पटेल, मौलाना आजाद, सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि स्वतंत्रता का आंदोलन समावेशी और धर्मनिरपेक्ष चरित्र बनाए रखे।
- टैगोर ने सुझाव दिया कि आपत्तिजनक संदर्भ से पहले दो छंद राष्ट्रीय समारोहों में गाने चाहिए जिनमें जिनमें मातृभूमि की सुंदरता का वर्णन है।
- कांग्रेस कार्यसमिति ने 29 अक्टूबर, 1937 को खुला निर्णय लिया कि पहले दो छंदों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।
- यह भी संज्ञान लिया गया था कि वंदेमातरम् के पहले दो छंद ही सबसे अधिक लोकप्रिय थे बाकी छंद आम तौर पर कम उपयोग किए जाते थे।

संविधान सभा की घोषणा

- संविधान सभा ने 24 जनवरी, 1950 को वंदे मातरम् को भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में औपचारिक रूप से अपनाया।
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि वंदे मातरम् को राष्ट्रीय आंदोलन में ऐतिहासिक महत्व के कारण राष्ट्रीय गान के समान दर्जा मिले।

भारत की अपने नागरिकों से अपील चीन यात्रा में समझदारी से काम लें

अरुणाचल की महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने के बाद परामर्श जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सोमवार को अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया कि वे चीन की यात्रा करते समय या किसी दूसरे गंतव्य पर जाने के लिए चीन से गुजरते समय पर्याप्त सावधानी बरतें। और समझदारी से काम लें। नई दिल्ली ने अपने नागरिकों के लिए यह परामर्श अरुणाचल प्रदेश की एक महिला को शंघाई हवाई अड्डे पर रोके जाने जाने के दो सप्ताह बाद दिया है। चीन के अधिकारियों ने पारगमन के दौरान इस महिला के भारतीय पासपोर्ट को वैध मानने से इन्कार कर दिया था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह आश्वासन देंगे कि चीनी हवाई अड्डों से पारगमन के दौरान भारतीय नागरिकों को चुनिंदा रूप से निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या उन्हें परेशान नहीं किया जाएगा तथा अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा संबंधी नियमों का चीनी पक्ष सम्मान करेगा। जायसवाल ने 21 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश की महिला से जुड़ी घटना के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यह बात कही। जायसवाल ने कहा, विदेश मंत्रालय भारतीय नागरिकों को सलाह देता है कि वे चीन की यात्रा करते समय पर्याप्त सावधानी बरतें।

- उम्मीद जताई भारतीय नागरिकों को परेशान नहीं करेगा चीन

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान दोहराया, अरुणाचल प्रदेश भारत का एक अटूट हिस्सा है और हमेशा रहेगा। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि शंघाई हवाई अड्डे पर हाल ही में हुई घटना के बाद उभरी चिंताओं से हम पूरी तरह सहमत हैं। हम उम्मीद करते हैं कि चीन के अधिकारी यह भरोसा देंगे कि चीन के एयरपोर्ट से गुजरने वाले भारतीय नागरिकों को खास तौर पर निशाना नहीं बनाया जाएगा, उन्हें मनमाने ढंग से हिरासत में नहीं लिया जाएगा या परेशान नहीं किया जाएगा और अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा को नियंत्रित करने वाले नियमों का चीन सम्मान करेगा।

18 घंटे हिरासत में रखा था पेम वांग थोंगडोक को

पिछले महीने अरुणाचल प्रदेश की एक महिला यात्री पेम वांग थोंगडोक को चीन से गुजरने के दौरान शंघाई हवाई अड्डे पर करीब 18 घंटों तक हिरासत में रखा गया था। उन्हें तब तक वहीं रखा गया जब तक भारतीय अधिकारी मामले को सुलझाने और उसकी यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए वहां नहीं पहुंच गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति के बाद चीन के साथ भारत के संबंध सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

पुतिन की भारत यात्रा के बाद चीन का त्रिपक्षीय सहयोग पर जोर

बीजिंग। चीन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया भारत यात्रा पर सोमवार को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उसने तीनों देशों को 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा करार देते हुए कहा कि मजबूत त्रिपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं स्थिरता के साथ उनके अपने राष्ट्रीय हितों के लिए भी फायदेमंद हैं।

- कहा- तीनों देशों रिश्ते साझा हितों के अनुरूप

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बीजिंग में संवाददाताओं से कहा, चीन, रूस और भारत न सिर्फ उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि 'ग्लोबल साउथ' का अहम हिस्सा भी हैं। यह पिछले हफ्ते पुतिन की भारत यात्रा और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत पर चीन की ओर से पहली प्रतिक्रिया है। गुओ ने कहा कि तीनों देशों के बीच मजबूत रिश्ते न केवल उनके अपने हितों के अनुरूप हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता एवं समृद्धि के लिए भी फायदेमंद हैं। रूस के साथ चीन के मजबूत संबंधों के मद्देनजर बीजिंग की पुतिन की भारत यात्रा पर करीबी नजर थी। भारत यात्रा से पहले पुतिन की ओर से नई दिल्ली और बीजिंग के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़े सवाल पर गुओ ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए रूस और भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। रूसी राष्ट्रपति ने अपनी भारत यात्रा से पहले एक भारतीय समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार में कहा था, भारत और चीन हमारे सबसे करीबी मित्र हैं। हम इस रिश्ते को बहुत महत्व देते हैं।

तनाव बढ़ा, थाईलैंड ने कंबोडिया सीमा पर शुरू किए हवाई हमले

बैंकॉक, एजेंसी

थाईलैंड ने सोमवार को कंबोडिया से लगती विवादित सीमा पर हवाई हमले शुरू किए। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर उस संघर्ष विराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया, जिसके कारण पहले हुई लड़ाई रुक गई थी। यह संघर्ष विराम समझौता अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से अक्टूबर में कराया गया था लेकिन इसके बाद भी दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है।

इससे पहले दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों के बीच क्षेत्रीय विवाद के कारण जुलाई में पांच दिनों तक संघर्ष हुआ था, जिसमें कई सैनिक और आम नागरिक मारे गए थे। थाई रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 50,000 से अधिक लोग सीमा के निकटवर्ती क्षेत्रों को छोड़कर आश्रय स्थलों में चले गए हैं तथा

- दांव पर लगा ट्रंप की मध्यस्थता में हुआ संघर्ष विराम, सीमाई इलाकों से 50,000 लोग विस्थापित

माना जा रहा है कि और भी लोग अपने रिश्तेदारों के यहां अन्यत्रचले गए हैं। वहीं, कंबोडिया के सूचना मंत्री नेथ फेकट्रा ने कहा कि सीमा के निकट के कई गांवों के निवासियों को वहां से निकाल लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ताजा झड़पों में एक थाई सैनिक और चार कंबोडियाई नागरिक मारे गए हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने टेलीविजन पर एक भाषण में कहा कि देश की रक्षा और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए आवश्यकतानुसार सैन्य अभियान चलाए जाएंगे।

रविवार को सीमा पर एक और झड़प हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई गोलीबारी में उसके दो सैनिक घायल हुए और उसके जवाब में थाई सैनिकों ने पलटवार किया। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी का यह सिलसिला लगभग 20 मिनट तक चला। कंबोडिया ने कहा कि पहले गोलीबारी थाई पक्ष ने की और उसके सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई नहीं की। सोमवार को थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवरी ने कहा कि कंबोडियाई सैनिकों ने थाईलैंड के कई इलाकों में पहले गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि एक थाई सैनिक मारा गया और चार अन्य घायल हुए तथा प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को निकाला जा रहा है।

नाइजीरिया की मदद से नाकाम हुई बेनिन में तख्तापलट की कोशिश

अबुजा। पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन में नाइजीरियाई सेना ने वहां के सुरक्षा बलों की सहायता करते हुए तख्तापलट की कोशिश को नाकाम किया है। बेनिन के राष्ट्रपति कार्यालय ने रविवार को एक बयान में बताया कि बेनिन ने नाइजीरिया से तुरंत हवाई सहायता देने और नाइजीरियाई सैनिकों को भेजने की मदद मांगी थी, ताकि देश के संविधान और संस्थाओं की रक्षा की जा सके।

खालिस्तान समर्थन संगठन पर प्रतिबंध के ब्रिटेन के निर्णय का भारत ने किया स्वागत

नई दिल्ली। भारत ने खालिस्तान समर्थक प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा के साथ संबंधों के लिए एक ब्रिटिश सिख व्यवसायी और उससे जुड़े गुट पर ब्रिटेन सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का स्वागत किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोमवार को साप्ताहिक ब्रीफिंग में सवालों के जवाब में कहा कि ब्रिटेन सरकार के कदम आतंकवाद और कट्टरपंथ के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा, हम ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत विरोधी कट्टरपंथी संगठनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए उठाए गए कदमों का स्वागत करते हैं, जो आतंकवाद और कट्टरपंथ के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करते हैं, और गैर-कानूनी वित्तीय प्रवाह और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क को रोकने में मदद करते हैं।

अमेरिकी रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ संबंधों को व्यापक बनाने पर जोर

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ विशेषकर 'क्वाड' के माध्यम से सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया गया है ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को मुक्त एवं खुला बनाए रखने के साझा लक्ष्य को आगे बढ़ाया जा सके और चीन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना किया जा सके।

रविवार को संसदीय नेताओं द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 के लिए

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती चुनौतियों का दिया गया हवाला

राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार अधिनियम (एनडीएए) में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों पर अमेरिकी संसद की राय को रेखांकित किया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की तुलनात्मक बढ़त को बढ़ाने के लिए इस क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा सहयोगियों और साझेदारियों को मजबूत करने के प्रयास जारी रखने चाहिए। इन प्रयासों में भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को व्यापक बनाना, जिसमें चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों तथा सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार तथा मानवीय सहायता और आपदा प्रतिक्रिया पर सहयोग के माध्यम से एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाना शामिल है।

सौर विकिरण ने इस वर्ष दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जलवायु के लिहाज से पृथ्वी अनेक संकटों से जूझ रही है तो अंतरिक्ष मौसम भी इस वर्ष ऐतिहासिक रहा, जिसने सौर विकिरण की बारिश कर वातावरण को दूषित करने में दो दशकों का रिकॉर्ड तोड़ डाला है। साथ ही, इस सदी में सूर्य ने एक्स क्लास की 20 ज्वाला का रिकॉर्ड बनाया है।

अंतरिक्ष के मौसम को कमतर नहीं आंका जा सकता है। पृथ्वी का अपना मौसम समुद्री जलधाराओं से प्रभावित होता है तो अंतरिक्ष मौसम सूर्य की ज्वालाओं से प्रभावित होता है जिसमें सर्वाधिक खतरनाक सौर तूफानों को

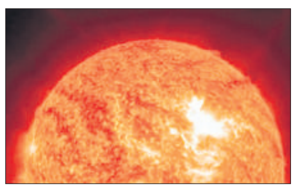

- एक्स क्लास की भयानक 20 सौर ज्वालाओं ने भी रचा इतिहास

माना जाता है। ये इतने शक्तिशाली होते हैं कि हमारे सैटेलाइट के संचालन को ठप कर सकते हैं तो पृथ्वी पर मौजूद इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल ग्रिड को ध्वस्त करने की ताकत रखते हैं। इसके अलावा हवाई उड़ानों में बाधा पहुंचा सकते हैं। सौर विस्फोट से निकलने वाले उच्च ऊर्जावान कणों के साथ विकिरण भी हमारे उच्च आसमानी क्षेत्र में फैल जाता है। जिस कारण 12 हजार मीटर की ऊंचाई पर यात्रा करने वाली गर्भवती महिला के भ्रूण को नुकसान पहुंचा सकती है।

इस वर्ष नवंबर माह विकिरण को लेकर सर्वाधिक असरकारक रहा। सौर वैज्ञानिकों का कहना है कि सूर्य में उत्पन्न 11 नवंबर की ज्वाला सर्वाधिक खतरनाक रही। इस ज्वाला से उठे सौर तूफान से विमान बोइंग 320 को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। साथ ही, यह तूफान भारी मात्रा में आसमान में करीब 12 हजार मीटर की ऊंचाई में विकिरण फैला गया, जो सामान्य स्तर से दस गुना अधिक था। इस विकिरण का प्रभाव 15 घंटे तक बना रहा, जबकि सामान्यतौर पर छः घंटे से अधिक विकिरण का प्रभाव नहीं रहता है। यह 25वा सौर चक्र है, जो पिछले कई सौर चक्रों की तुलना सर्वाधिक प्रभावशाली रहा है। सौर तूफानों के उठने से कई देशों में रेडियो ब्लैक आउट करना पड़ा और हवाई उड़ानों के सिग्नल्स को भी प्रभावित किया। सूर्य अभी भी सक्रियता के दौर से गुजर रहा है। लिहाजा आने वाले दिनों में भी सूर्य की सतह पर विस्फोट जारी रहेंगे, उनसे उच्च स्तरीय सौर तूफान उठेंगे और इनसे नुकसान की आशंका बनी रहेगी।

ऐतिहासिक रहा यह वर्ष : डॉ. वहाबुद्दीन

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पूर्व निदेशक डॉ. वहाबउद्दीन के अनुसार, यह वर्ष अब तक की सबसे तीव्र सौर ज्वाला उत्पन्न करने के अलावा, एक्स-श्रेणी की सर्वाधिक ज्वालाओं का वर्ष रहा, जो पृथ्वी की ओर उच्च गति वाले प्रोटॉन और अन्य ऊर्जावान कणों की एक धारा भी फैला गया। पूर्व में इस तरह की सौर गतिविधि बहुत कम ही देखी गईं। आने वाले दिनों में भी सौर सक्रियता जारी रहने वाली है, लिहाजा अंतरिक्ष मौसम का खतरा बने रहने की संभावना है।

आज का भविष्यफल
-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 दिसंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 02.28 तक तत्पश्चात पष्ठी।

आज का पंचांग

9 मं. | बु. | 7 | 10 | शु. सू. 8 | 6 | रा. 11 | 5 के. | 2 | श. 12 | चं. 4 | 1 | 3 गु.

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- अश्लेषा 10 दिसंबर 02.22 तक तत्पश्चात मघा।

मेष – आज दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। अपनी जीवनशैली में सुधार कर सकते हैं। माता की सलाह आपके लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। आदर्शवादी विचारों से आपको बचना चाहिए। सुख के साधनों में वृद्धि होगी। बच्चों की सफलता पर गर्व का अनुभव करेंगे।

वृष – आज आपका पूरा ध्यान करियर में रहेगा। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नये सहयोगी जुड़ने के योग बन रहे हैं। बॉस आपको कुछ उपहार दे सकते हैं। व्यापारियों को बड़ा धन लाभ मिलेगा।

मिथुन – आज व्यापार में विस्तार के लिए लोन ले सकते हैं। जिसमें आपको सफलता भी मिलेगी। आपके मुख-मंडल पर प्रसन्नता के भाव रहेंगे। उच्च अधिकारियों के साथ संबंध मधुर होंगे। आपको तनाव से दूर रहने के लिए योग और ध्यान की आवश्यकता है।

कर्क – आज जीवनसाथी के प्रति निष्ठा और प्रेम भाव में वृद्धि होगी। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। गूढ़ विद्याओं की ओर आपका रूझान बढ़ेगा। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। गलत खबरों को फैलाने से बचें। गृहस्थ जीवन में शांति रहेगी।

सिंह – आज दांपत्य सुख में कमी आयेगी। नया कार्य आरंभ करने के लिए दिन शुभ नहीं है। अपने व्यवहार में शालीनता बनाए रखें। धन संबंधी चिंता आपको परेशान कर सकती है। व्यापार में कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। पुरानी कड़वी यादें आपका मन खराब करेंगी।

कन्या – आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। मित्रों से आपको काफी सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा में बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। परिवार के लोगों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

तुला – आज घर में खुशियों का माहौल रहेगा। कमीशन संबंधी कारोबार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। परिवार और काम के बीच संतुलन बनाने में सफल रहेंगे। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाकर रखें। मार्केटिंग संबंधी कार्यों में बड़ी सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक – आज पुराने निवेश से आपको धन लाभ मिलेगा। संपत्ति विवादों का निपटारा होगा। गृहस्थ जीवन में शांति का वातावरण रहेगा। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ा मंच मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनु – आज आपके संबंध प्रभावित हो सकते हैं। शत्रु आपके ऊपर हावी होने का प्रयास करेंगे। रिश्तों को लेकर आप थोड़े भावुक रहेंगे। यात्रा आपको बुरी तरह थका सकती है। ऑनलाइन कारोबारियों को पेमेंट आदि को लेकर थोड़ा सावधान रहना चाहिए।

मकर – आज प्रेमी जन अपने परिवार से विवाह को लेकर सहमति लेना चाहते हैं तो आज दिन शुभ है। आपके आत्मविश्वास में कमी आ सकती है। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। आपको बहुमूल्य उपहार मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन में सुखद अनुभव होंगे।

कुंभ – आज निजी रिश्तों को लेकर समस्याओं का समाधान होगा। नया कारोबार शुरू करने में सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोग कठिन निर्णय ले सकते हैं। रोगियों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। जिस कार्य से परिणाम न मिल रहे हों उन्हें फिलहाल छोड़ना ही उचित है।

मीन – आज महत्वपूर्ण लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लेंगे। उच्च अधिकारी आपसे अत्यन्त प्रसन्न रहने वाले हैं। प्रेमी जन से झूठ न बोलें। आपकी दिनचर्या काफी अनुकूल रहने वाली है। अपनी गलतियों पर पर्दा न डालें। बुजुर्ग जातकों को सन्तान के करियर की चिन्ता हो सकती है।

सुडोकू -185

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1		2					
4								
			7	1				
	5							
				8				
		8						
								5
		3					2	

सुडोकू - 184 का हल

1	8	2	3	4	5	6	9	7
5	3	6	9	7	8	1	4	2
4	9	7	1	6	2	3	8	5
3	5	8	6	9	4	7	2	1
2	4	1	7	8	3	9	5	6
6	7	9	5	2	1	8	3	4
8	1	3	4	5	6	2	7	9
7	6	4	2	3	9	5	1	8
9	2	5	8	1	7	4	6	3

लियोन को लेकर कुछ भी व्यक्तिगत शिकायत नहीं है। वह पिछले कई वर्षों से हमारे मुख्य स्पिनर रहे हैं, लेकिन बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए यह फैसला किया गया। जिस तरह से हमारे पुछल्ले बल्लेबाज लगभग 50 ओवर तक टिके रहे, उससे हमें वह संतुलन मिला।

–स्टीव स्मिथ

स्टेडियम

बरेली, मंगलवार, 9 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

दूसरे वनडे में धीमे ओवर-रेट के लिए भारत पर जुर्माना

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारत पर रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में धीमी ओवर-रेट के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। अमीरात आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने यह कार्रवाई की, जब केएल राहुल की टीम समय में छूट के बाद भी दो ओवर पीछे रह गई थी। आईसीसी खिलाड़ियों और खिलाड़ी सपोर्ट स्टाफ के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर हर उस ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है जो उनकी टीम निर्धारित समय में नहीं फेंक पाती है।

अभिषेक मैच विजेता खिलाड़ी : मार्करम

कटक। दक्षिण अफ्रीका टी20 टीम के कप्तान एडेन मार्करम ने अभिषेक शर्मा की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय सलामी बल्लेबाज बेखौफ और उस अति-आक्रामक खेल शैली का प्रतीक है जिसने इस प्रारूप को नयी पहचान दी है। सनराइजर्स हैदराबाद में अभिषेक के साथ खेलने वाले मार्करम ने इस 25 वर्षीय वामहस्त बल्लेबाज के प्रति अपना सम्मान प्रकट किया। बाराबती स्टेडियम में होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले मैच की पूर्व संध्या पर मारक्रम ने कहा मैं सनराइजर्स में पहले भी अभिषेक के साथ खेल चुका हूं, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं, इसलिए इसमें कोई शक नहीं कि यह हमारे लिए एक बड़ा विकेट है।

रोहित ने मुझे खुलकर खेलने दिया : शार्दुल

मुंबई। आईपीएल 2026 से पहले लखनऊ सुपर जाइंट्स से मुंबई इंडियंस में दो करोड़ रुपये में ट्रेड किए गए भारतीय तेज गेंदबाज शारदुल शार्दुल ठाकुर का कहना है कि पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें खुलकर खेलने की स्वीकृति दी थी। इसी साल इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले 34 साल के तेज गेंदबाज शार्दुल मुंबई इंडियन्स में पुराने अच्छे दिनों को फिर से जीने की उम्मीद कर रहे हैं। रोहित के साथ फिर जुड़ने वाले शारदुल ने कहा अभी और पता चलेगा जब साथ में बैठेंगे तो। काफी मस्ती होगी। उन्होंने कहा उन्होंने मुझे सहज महसूस कराया। उन्होंने मुझे उनके साथ खुलकर रहने दिया। उन्होंने मुझे खुलकर खेलने दिया। हम एक-दूसरे के साथ सहज हो गए और इसमें उनका बड़ा हाथ था।

लियोन से कोई शिकायत नहीं: स्मिथ

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे एशेज टेस्ट में नाथन लियोन को अंतिम एकादश से बाहर रखने पर उठे विवाद को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि यह फैसला बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करने के लिए लिया गया था और स्पिन गेंदबाजी के इस दिग्गज के खिलाफ कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं थी। यह पिछले 13 साल में पहला अवसर था जबकि लियोन को घरेलू टेस्ट मैच से बाहर किया गया। इस स्पिनर ने इसके बाद कहा था कि उनका मूड बेहद खराब है।

साई में 1191 पद खाली : खेल मंत्री

नई दिल्ली। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को स्वीकार किया कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) में वर्तमान में 1,000 से अधिक पद रिक्त पड़े हैं। खेल मंत्री ने लोकसभा में केरल के अट्टिंगल के कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश के सवाल का जवाब देते हुए यह खुलासा किया। संसद की स्थायी समिति की हाल की रिपोर्ट में इस पर चिंता व्यक्त की गई थी। इस रिपोर्ट में साइ को गंभीर रूप से कम वित्तपोषित और कम कर्मचारियों वाला बताया गया था।

टी-20 सीरीज में जीत से आगाज करना चाहेगा भारत

गिल और हार्दिक की वापसी, विश्व कप की तैयारी की शुरुआत करेंगे मेजबान

शुभमन गिल।

कटक, एजेंसी

शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की वापसी से मजबूती हासिल करने वाली मौजूदा टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम मंगलवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मैच के साथ अगले साल स्वदेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली यह श्रृंखला फरवरी में होने वाले विश्व कप के लिए भारत की औपचारिक तैयारी का आगाज है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम 10 टी20 मैच खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका के बाद वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पांच मैच की शृंखला खेलेगी। विश्व कप में भारत अपना पहला मैच सात फरवरी को वानखेड़े में अमेरिका के खिलाफ खेलेगा। भारतीय टीम इन दोनों शृंखला में स्पष्ट नजरिये के साथ उतरेगी जिसमें इसका मुख्य लक्ष्य विश्व कप से पहले खिलाड़ियों की भूमिका तय करना और उपयुक्त संयोजन तैयार करना होगा। पिछले वर्ष विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी20 में दमदार प्रदर्शन किया है। विश्व कप में उसने लगातार आठ मैच जीतकर खिताब जीता था। तब से भारत ने अपनी जीत का आंकड़ा 26 मैच तक पहुंचा दिया है जिसमें एशिया कप में लगातार सात मैच जीतना भी शामिल है। इस बीच भारतीय टीम को केवल चार मैच में हार मिली। इस अवधि में भारतीय टीम ने कोई टी20 श्रृंखला नहीं हारी है और अब उसका लक्ष्य उस टीम के खिलाफ अपनी धार को और अधिक मजबूत करना होगा जिसे उसने टी20 विश्व कप फाइनल में हराया था।

अभ्यास सत्र के दौरान टीम के साथ कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं से दूसरे)। एजेंसी

समय शाम 7:00 बजे से

शुभमन गिल ने जमकर बहाया पसीना

कटक। शुभमन गिल ने दो घंटे तक कड़े अभ्यास के साथ वापसी की जबकि फिट हो चुके हार्दिक पंड्या ने यहां बाराबती स्टेडियम में टी20 सीरीज के पहले मैच से पूर्व सोमवार को ट्रेनिंग सत्र से बाहर रहने का फैसला किया। भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान गिल गर्दन में ऐंठन और 24 दिन के रिहैबिलिटेशन के बाद वापस आए हैं और वह पूरी तरह से फिट दिखे। उन्होंने नेट पर बल्लेबाजी से पहले क्षेत्ररक्षण और कैचिंग ड्रिल से शुरुआत की। बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने तेज गेंदबाजी और स्पिन दोनों का सामना किया जिसमें जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, अक्षर पटेल और यहां तक कि अभिषेक शर्मा भी उन्हें गेंदबाजी की। अभिषेक ने हालांकि बल्लेबाजी का अभ्यास नहीं करने का फैसला किया। मुख्य विकेट के पास मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत के बाद गिल ने बल्लेबाजी का अभ्यास किया और उनके शानदार शॉट बार-बार गैलरी में गए। लोगों को बिना किसी भुगतान के अभ्यास सत्र देखने की इजाजत थी और जब गिल बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे थे तो लगभग पांच हजार प्रशंसक उनकी हौसलाअफजाई कर रहे थे। उन्होंने कुछ मौकों पर शिवम दुबे से भी लंबे शॉट खेले।

टीम

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), ओटिनिल बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, डोनोवन फेरेरिया, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यान्सेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्किया, ट्रिस्टन स्टब्स।

हार्दिक की वापसी से टीम को मिला संतुलन : सूर्यकुमार

कटक। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि हरफनमौला हार्दिक पंड्या की वापसी से टीम एशिया कप में सफलता दिलाने वाली वाली रणनीति और संतुलन को फिर से हासिल कर सकेगी।

भारतीय टीम मंगलवार से यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में हिस्सा लेगी। तेज गेंदबाजी के साथ शानदार बल्लेबाजी करने वाले हार्दिक बायें पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण एशिया कप फाइनल में नहीं खेल पाए थे। उन्होंने चोट से उबरने के बाद हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी की और शानदार लय में हैं। अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले उनकी समय पर वापसी ने टीम में विकल्प को बढावा दिया है और इससे टीम का संतुलन अच्छा होगा।

नई गेंद से गेंदबाजी करने का उनका कौशल भारत को तीन या चार स्पिनरों के साथ मैदान पर उतरने की सुविधा देते हैं। सूर्यकुमार ने पांच मैचों की सीरीज के शुरुआती टी20 मैच से पहले कहा मुझे लगता है कि आपने एशिया कप में भी देखा होगा जब वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे थे तो उन्होंने हमारे लिए अंतिम एकादश के लिहाज से कई विकल्प और कई संयोजन आजमाने के मौके दिए। वह टीम को अधिक विकल्प देने के साथ मजबूती प्रदान करते हैं। बड़े मैचों और आईसीसी प्रतियोगिताओं में उनका प्रदर्शन और भी शानदार रहता है। भारतीय टी20 टीम के कप्तान ने कहा मुझे लगता है कि यह अनुभव बहुत मायने रखेगा। उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से टीम को एक अच्छा संतुलन प्रदान करेगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : बिहार ने उप्र के खिलाफ किया उलटफेर

कोलकाता, एजेंसी

भारत के टी20 विशेषज्ञ रिंकू सिंह बल्ले से कुछ खास नहीं कर सके जिससे बिहार ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां उत्तर प्रदेश को छह विकेट से हरा दिया।

सलामी बल्लेबाज पीयूष सिंह की 54 गेंदों में 57 रनों की पारी के दम पर बिहार ने 145 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। इससे पहले मंगल महरौर ने चार ओवर में 12 रन देकर तीन विकेट चटकाए जिससे उत्तर प्रदेश छह विकेट पर 144 रन ही बना सका। मध्यम गति की गेंदबाजी करने वाले महरौर को कप्तान सकीबुल गनी (20 रन पर एक विकेट) और साकिब हुसैन (31 रन पर एक विकेट) का अच्छा साथ मिला। इन दोनों ने अपने-अपने चार ओवरों में एक-एक विकेट लिया।

चंडीगढ़ ने एक गेंद शेष रहते रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद को चार विकेट से मात दी

हैदराबाद के अमन राव का विकेट लेने के बाद जश्न मनाती चंडीगढ़ की टीम।

कोलकाता : चंडीगढ़ ने रोमांचक मुकाबले में हैदराबाद को चार विकेट से एक गेंद शेष रहते हरा दिया। चंडीगढ़ के बल्लेबाज अर्जुन आजाद (63) और शिवम भांबरी (42) की शानदार बल्लेबाजी से जीत के लिए मिले 147 रन का लक्ष्य 19.5 ओवर में छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। वहीं, जम्मू कश्मीर ने नौ विकेट पर 150 रन बनाने के बाद मध्यप्रदेश की पारी को 20वें ओवर की आखिरी गेंद पर 137 रन पर समेट कर 13 रन से जीत दर्ज की। ग्रुप के एक अन्य मैच में महाराष्ट्र ने राहुल त्रिपाठी के 83 रन की शानदार पारी के बाद जलज सक्सेना, तनय सांघवी और विक्की ओस्तवाल के तीन-तीन विकेटों से गोवा को 15 रन से हराया। महाराष्ट्र ने 161 रन बनाने के बाद गोवा को 19.3 ओवर में 146 रन पर आउट कर दिया।

निशानेबाजी विश्व कप फाइनल में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

दोहा : निशानेबाज जोरावर सिंह संधू पुरुषों के ट्रैप फाइनल में शुरुआती 10 शॉट में सात हिट के साथ सातवें स्थान पर रहे जबकि भारत ने सोमवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल में दो स्वर्ण सहित छह पदक के साथ अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ अभियान का अंत किया।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता जोरावर लुसैल निशानेबाजी परिसर में शॉटगन प्रतियोगिताओं के आखिरी दिन अकेले भारतीय प्रतिस्पर्धी थे। जोरावर ने क्वालीफाइंग में 125 में से 119 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया जिसमें अब नए आईएसएसएफ नियमों के अनुसार पहले के छह के बजाय आठ निशानेबाजों ने जगह बनाई। तीस शॉट के फाइनल में जोरावर लय में नहीं दिखे और इटली के जियोवानी पेलिएलो के साथ बाहर होने वाले शुरुआती दो निशानेबाजों में शामिल रहे।

रियल मैड्रिड की घरेलू मैदान पर पहली हार

मैड्रिड, एजेंसी

रियल मैड्रिड को नौ खिलाड़ियों के साथ खेलने की भारी कीमत चुकानी पड़ी और वह स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रविवार को सेल्टा विगो के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-2 से हार गया। रियाल मैड्रिड की अपने घरेलू मैदान सैंटियागो बर्नब्यू स्टेडियम में इस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं में यह पहली पराजय है। इससे वह बार्सिलोना से खिताब की दौड़ में भी पिछड़ गया है।

रियाल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में जल्दी ही गोल खा लिया। इसके बाद उसके दो खिलाड़ियों फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास को रेड कार्ड दिखाए गए जिसके कारण उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। मैड्रिड के बेंच पर बैठे खिलाड़ी एंड्रिक को भी शिकायत करने पर रेड कार्ड दिखाया गया। विलियट ने 54वें मिनट में पेनल्टी स्पॉट के पास से फ्लिक से सेल्टा विगो के लिए पहला गोल किया। मैड्रिड ने 64वें मिनट में गार्सिया को और स्टॉपेज टाइम में कैरेरास को खो दिया।

खिलाड़ियों का बिगाड़ा प्लान

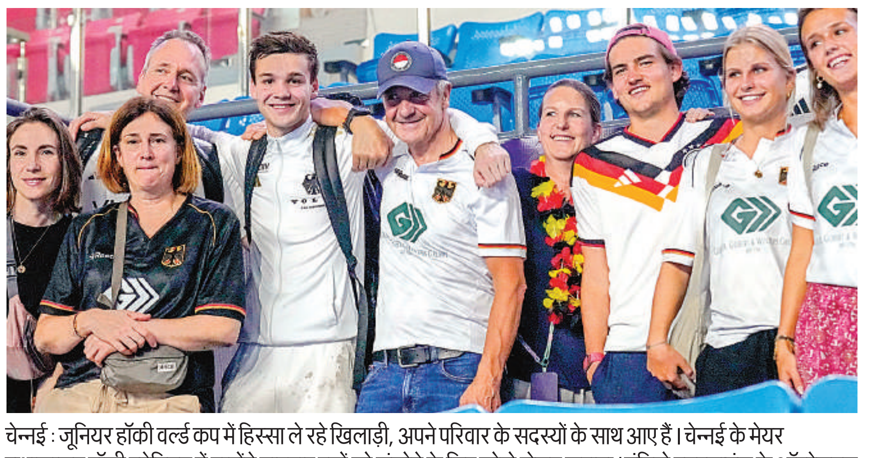

चेन्नई : जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में हिस्सा ले रहे खिलाड़ी, अपने परिवार के सदस्यों के साथ आए हैं। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में उन्होंने यादगार पलों को संजोने के लिए फोटो सेशन कराया। इंडिगो एयरलाइंस के ऑपरेशनल संकट की वजह से कई खिलाड़ियों, परिवारों और फैंस के ट्रैवल प्लान बिगड़ गए हैं। ● एजेंसी

भारत ने क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स को 3-1 से हराया

हॉकी जू. महिला विश्व कप

सैंटियागो (चिली), एजेंसी

क्वार्टर फाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके भारत ने एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप हॉकी प्रतियोगिता के नौवें से 16वें स्थान के क्लासिफिकेशन मैच में वेल्स पर 3-1 की शानदार जीत के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारत की तरफ से हिना बानो (14वें मिनट), सुनलिता टोप्पो (24वें) और इशिका (31वें) ने गोल किए, जबकि एलोइस मोट (52वें) ने वेल्स के लिए एकमात्र गोल किया।

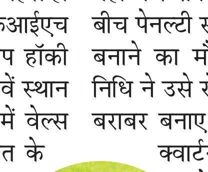

भारत ने मैच पर शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। उसे पहले 30 सेकंड में ही पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौके बनाए लेकिन शुरुआत में गोल नहीं कर सके। वेल्स को भी इस बीच पेनल्टी स्ट्रोक के जरिए बढ़त बनाने का मौका मिला, लेकिन निधि ने उसे रोक दिया और स्कोर बराबर बनाए रखा। भारत पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में गोल करने में सफल रहा। हिना ने साक्षी राणा के पास पर यह गोल किया। अपनी बढ़त को दोगुना करने की कोशिश में भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके दबाव बनाए रखा। भारतीय टीम ने लगातार मौके बनाए जिसका उन्हें फायदा भी मिला जब राणा का शॉट सुनलिता के पास गया, जिन्होंने उस पर गोल करने में कोई गलती नहीं की। इस तरह से भारत ने मध्यांतर तक 2-0 की बढ़त बना ली थी।

हॉकी जूनियर विश्व कप

भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

अब भी पदक जीतने का एक मौका है : श्रीजेश

चेन्नई, एजेंसी

सात बार की चैंपियन जर्मनी के हाथों सेमीफाइनल में 1-5 से करारी हार के बाद नौ साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का सपना टूटने के बावजूद भारतीय टीम के मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि अभी भी टीम के पास पदक जीतने का एक मौका है और इसे गंवाना नहीं है। भारतीय टीम अब दस दिसंबर को कांस्य पदक के मुकाबले में अर्जेंटीना से खेलेगी जबकि फाइनल में स्पेन की टक्कर जर्मनी से होगी।

सेमीफाइनल हारने के बाद श्रीजेश ने भाषा से खास बातचीत में कहा यह दिन खराब नहीं था लेकिन टीम अच्छा नहीं खेल सकी। हमारी जो अपेक्षायें थी, हम उस स्तर पर खेल नहीं पाये। जब आप जूनियर विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट का सेमीफाइनल खेल रहे हैं तो आसान मौके नहीं दे सकते। उन्होंने कहा हमें काफी मौके मिले लेकिन हम भुना नहीं सके। पेनल्टी कॉर्नर भी एक ही मिला जिस पर गोल तो हुआ लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। कई बार विरोधी टीम बहुत अच्छा खेलती है तो आप बेसिक चीजें करना भूल जाते हैं।

हमें जर्मनी से सीखना चाहिए

मुख्य कोच पीआर श्रीजेश ने कहा कि खिलाड़ियों को जर्मनी की तरह खेल पर नियंत्रण बनाना सीखना होगा। उन्होंने कहा हमें खेल पर नियंत्रण रखना चाहिये था जिसमें हम नाकाम रहे। हमारी छोटी छोटी गलतियों का जर्मनी ने पूरा फायदा उठाया और गोल किए। उन्होंने बहुत अच्छा खेला और वन टच यूरोपीय हॉकी खेलकर मैच पर नियंत्रण बनाए रखा जो हमें सीखना और समझना होगा।

09 साल बाद जूनियर विश्व कप जीतने का टूटा सपना

10 दिसंबर को कांस्य पदक के लिए अर्जेंटीना से होगा मुकाबला

● फाइनल में स्पेन और जर्मनी टकराएंगे

यह पूछने पर कि मौजूदा चैम्पियन टीम के सामने होने के कारण क्या कोई मानसिक दबाव था, श्रीजेश ने कहा कि माहौल की वजह से कई बार दबाव बन जाता है। उन्होंने कहा कोई मानसिक कारण नहीं था लेकिन कई बार माहौल की वजह से दबाव बन जाता है। इतने बड़े टूर्नामेंट में दबाव रहता ही है चूंकि इन खिलाड़ियों के पास उतना अनुभव अभी नहीं है। आपको उनकी टक्कर का मैच खेलना था क्योंकि एक बार दबाव में आने के बाद वापसी करना मुश्किल होता है। इसके लिए मानसिक दृढ़ता की जरूरत होती है।

दो बार ओलंपिक कांस्य पदक का मुकाबला जीत चुके श्रीजेश ने कहा टीम के लिए जरूरी है कि अगले मैच का महत्व समझे क्योंकि अभी भी हमारे पास एक पदक जीतने का मौका है। यह खिलाड़ियों के लिए अहम है कि इस हार को भुलाकर अगले मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। हमें बड़ी टीमों के खिलाफ मैचों में मौकों को भुनाना और मौके नहीं गंवाना सीखना होगा। यह पूछने पर कि क्या इस टीम में ऐसी प्रतिभाएं दिखती हैं जो आगे जाकर सीनियर स्तर पर भारत के लिए खेल सकती हैं, श्रीजेश ने कहा कि उन्हें इस टीम से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा इस टीम में छह सात खिलाड़ी ऐसे हैं जो सीनियर टीम में जाने के हकदार हैं। उन्हें हालांकि अभी और अनुभव की जरूरत है लेकिन विश्व कप और हॉकी इंडिया लीग के बाद मुझे पूरा यकीन है कि वे सीनियर कोर ग्रुप में होंगे। अगले साल विश्व कप, अजलन शाह कप, प्रो लीग, एशियाई खेल जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने हैं तो यह अनुभव उनके काम आयेगा। उन्होंने आगे कहा ये खिलाड़ी विश्व कप पदक जीतने के हकदार हैं क्योंकि पिछले एक साल में इन्होंने काफी मेहनत की है। अब मैदान पर जाकर इन्हें वह पदक जीतकर लौटना है।